राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उतरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उतरांचल,उतराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

क्रांति समय
SURESH MAURYA
(Chief Editor)
M. 98791 41480
Working. off.: STPI-SURAT, GUJARAT-395023
(Software Technology Park of India, Surat.
www.krantisamay.com
www.krantisamay.in
krantisamay@gmail.com

सुरत–गुजरात,संस्करण सोमवार,12अक्टूबर2020 वर्ष–3,अंक –256 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

योगी सरकार ने बेटियों के कई गुनाहगारों को पहुंचाया फांसी के फंदे तक,193 को उम्र कैद

लखनऊ। राज्य सरकार बेटियों के गुनाहगारों पर कहर बनकर टूट रही है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बेटियों पर बुरी नजर डालने वाले को कतई बक्सने को तैयार नही हैं। बलात्कार के मामलों में पांच अपराधियों को फांसी के तख्ते पर पहुंचाया जा चुका है और 193 मामलों में आजीवन कारावास की सजा दिलाई है। सरकारी प्रवक्ता के मुताबिक यूपी में वर्ष 2017 में योगी सरकार आने के बाद से महिलाओं पर अत्याचार व दुराचार के अपराधियों पर मौजूदा सरकार लगाम लगाने में कारगर साबित हुई है। प्रदेश में 2016 के मुकाबले 2020 में बलात्कार के मामलों में 42.24 फीसदी कमी आई है। महिलाओं के अपहरण के मामलों में करीब 39 फीसदी कमी आई है। प्रदेश में योगी सरकार आने के बाद महिलाओं के साथ अपराध के मामलों में लगातार कमी आई है। वर्ष 2019 के मुकाबले 2020 में बलात्कार की घटनाओं में 27.32 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई। प्रदेश में महिलाओं और बलिकाओं के साथ घटित घटनाओं पर कार्रवाई करते हुए पॉक्सो एक्ट के अभियुक्तों के खिलाफ सरकार ने न्यायालयों में साक्ष्यों के आधार पर मजबूत पैरवी करते हुए सजा दिलाने का काम किया है। महिलाओं बलिकाओं की सुरक्षा तय करने के लिए केंद्र सरकार द्वारा स्थापित निर्भया फंड में शामिल देश के आठ शहरों में लखनऊ भी शामिल है। निर्भया फंड के तहत योगी सरकार ने महिलाओं की सुरक्षा के लिए लखनऊ पुलिस के साथ वूमैनपावर लाइन 1090 और अन्य सुरक्षा एजेंसियों को मजबूत और सक्रिय किया है। योगी सरकार ने प्रदेशभर एंटी रोमियो स्क्वाड की तैनाती के साथ सादी वर्दी में जगह-जगह महिला पुलिसकर्मियों की तैनाती, यूपी 112 इंडिया मोबइल एप रात्रि सुरक्षा कवच योजना, महिला हेल्प डेस्क के साथ चौराहों पर पिंक बूथ बनाए हैं।

मुंबई पुलिस ने रिपब्लिक टीवी के CEO सहित 6 को भेजा समन, पूछताछ के लिए बुलाया

मुंबई। कथित फेक टीआरपी केस में मुंबई पुलिस ने छह लोगों को समन भेजा है। जिन्हें समन भेजा गया है, उनमें रिपब्लिक टीवी के सीईओ विकास खानचंदानी, सीओओ हर्ष भंडारी और प्रिया मुखर्जी, चैनल के डिस्ट्रीब्यूशन हेड घनश्याम सिंह, हंसा रिसर्च ग्रुप के सीईओ प्रवीण निझारा और एक अन्य कर्मचारी शामिल है। सभी छह को रविवार को सुबह 9 बजे रिपोर्ट करने के लिए कहा गया है। संयुक्त पुलिस आयुक्त (अपराध शाखा) मिलिंद भारम्बे ने कहा, टीआरपी घोटाला मामले में वित्तीय एंगल की जांच के लिए कुछ नए समन जारी किए गए हैं। सभी को रविवार सुबह जांच में शामिल होने के लिए कहा गया है। आपको बता दें कि रिपब्लिक टीवी के एडिटर-इन-चीफ अर्नब गोस्वामी ने सभी आरोपों का खंडन किया है और ÷चैनल का नाम एफआईआर में उल्लेख नहीं किया गया÷ बताते हुए शुक्रवार को चैनल की वेबसाइट पर एक वीडियो संदेश जारी किया। उन्होंने दावा किया कि चैनल को सुशांत सिंह राजपूत मामले के कवरेज के लिए निशाना

बनाया जा रहा है और कहा कि चैनल पुलिस पर मुकदमा करेगा। मुंबई पुलिस अधिकारियों ने कहा कि सिंह को 9 अक्टूबर को समन जारी किए जाने के बाद दूसरी बार तलब किया गया था, जिसमें उन्होंने जवाब दिया कि वह 16 अक्टूबर तक शहर से बाहर थे। अब क्राइम ब्रांच के द्वारा 11 अक्टूबर को सुबह 9 बजे के लिए दूसरा समन जारी किया गया है। इससे पहले रिपब्लिक टीवी के मुख्य वित्तीय अधिकारी (सीएफओ) शिवा सुंदरम ने मुंबई पुलिस को एक चिट्ठी में बताया कि वह 14-15 अक्टूबर तक जांच में शामिल होने के लिए उपलब्ध रहेंगे और मुंबई पुलिस से कहा है कि वह रिट याचिका तक जांच में आगे न बढ़ें। इस मामले पर सुप्रीम कोर्ट ने भी सुनवाई की। सुंदरम अपने पत्र में लिखा, मैं 9 अक्टूबर, 2020 को आपके द्वारा जारी किए गए उपरोक्त सम्मन का उल्लेख करता हूं। मुझे एफआईआर में आपकी जांच के उद्देश्य से 10 अक्टूबर, 2020 को रात 11 बजे आपके कार्यालय में उपस्थित रहने के लिए कहा गया है। मैं उक्त जांच में सहयोग करने की अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त करूंगा।÷ उन्होंने मुंबई पुलिस को सुप्रीम कोर्ट के समक्ष दायर रिट याचिका की सुनवाई तक जांच रोकने का अनुरोध किया।

दिल्ली में प्रदूषण ने फिर दी दस्तक, रिसर्च में सामने आया बेसलाइन पॉल्यूशन डेटा, कंट्रोल करने की कोशिशें शुरू

नई दिल्ली। दिल्ली में फिर से प्रदूषण का मौसम आ गया है। अक्टूबर-नवंबर आते ही दिल्ली की हवा में बदलाव आने लगते हैं। दिल्ली में प्रदूषण को कंट्रोल करने की सरकार की कोशिशें भी शुरू हो गई है। नई रिसर्च की मदद से दिल्ली में आने वाले प्रदूषण का काबू करने पर विचार किया जा रहा है। इसी बीच एक कोरोना काल के अंदर अप्रैल में हुई एक स्टडी में पता चला है कि दिल्ली में प्रदूषण का स्तर तब कम होता है जब बड़े प्रदूषणकारी स्रोतो को बंद कर दिया जाए और दिल्ली के प्रदूषण का ये स्तर उसके चरम प्रदूषण वाले लेवल का दसवां हिस्सा होता है। किसी जगह की वायु गुणवत्ता उद्योगों और वाहनों जैसे स्रोतों और स्थानीय मौसम की स्थिति से समग्र प्रदूषण भार पर निर्भर करती है, जो प्रदूषकों के फैलाव को प्रभावित करती है।

दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति और इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ ट्रॉपिकल मीटिरोलॉजी के वैज्ञानिकों ने हवा की गुणवत्ता के स्तर का अध्ययन करने के बाद, 34 जगहों पर हवा की गुणवत्ता के स्तर की स्टडी करने के बाद दिल्ली के लिए छह अलग-अलग प्रदूषकों के लिए आधारभूत प्रदूषण स्तर प्रदान करते हुए सहकर्मी की समीक्षा की गई विज्ञान पत्रिका, करंट साइंस में एक पेपर प्रकाशित किया है। दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति के वैज्ञानिक और अनुसंधान करने वाले टीम के सदस्यों में से एक एमपी जॉर्ज ने कहा, ÷यह दिल्ली का पहला बेसलाइन प्रदूषण स्तर डेटा है। जबकि बैकग्राउंड प्रदूषण वह प्रदूषण है जो बाहर से आता है या जो स्वाभाविक रूप से मौजूद होता है,

बेसलाइन प्रदूषण वह न्यूनतम प्रदूषण स्तर है जिससे जनसंख्या कालानुक्रमिक रूप से उजागर होती है और इसलिए महामारी विज्ञान अनुसंधान के लिए बहुत प्रासंगिक है। दिल्ली जैसे भारी जनसंख्या वाले शहर के लिए इस तरह के उत्सर्जन का परिदृश्य लगभग अव्यवहारिक है

यह अध्ययन 25 मार्च से पूरे देश में फैलने वाले कोविड -19 के लॉकडाउन से पहले और उसके दौरान वाले शहर के लिए औसत प्रदूषण स्तर पर आधारित है, जो कारखानों, निर्माण स्थलों, लगभग सभी वाहनों की आवाजाही और कुछ अन्य स्थानीय स्रोतों से हैं जो दिल्ली की हवा को प्रदूषित करते हैं। जबकि उत्सर्जन स्रोतों में 85त्न की गिरावट आई - 90% प्रदूषण के स्तर में तेज गिरावट आई, मौसम ने भी दिल्ली का पक्ष लिया और शहर के प्रदूषण को रॉक बॉटम तक पहुंचा दिया।

रिसर्च का नेतृत्व पुणे में भारतीय उष्णकटिबंधीय मौसम विज्ञान संस्थान के वरिष्ठ वैज्ञानिक गुफरान बेग ने किया। आईआईटीएम, डीपीसीसी, उत्कल विश्वविद्यालय और भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के ग्यारह शोधकर्ताओं ने 20 फरवरी से 14 अप्रैल तक दिल्ली में 34 स्वचालित वायु गुणवत्ता निगरानी स्टेशनों के आंकड़ों का विश्लेषण किया और पीएम 10, पीएम 2.5, एनओ 2 सहित सात प्रदूषकों का आधार स्तर तैयार किया। निष्कर्ष बताते हैं कि भले ही पीएम 10 का स्तर पूर्व-लॉकडाउन अवधि के दौरान कभी-कभी 100µg / m3 की अनुमेय सीमा से ऊपर रहा हो, कभी-कभी 200µg / m3 के निशान को छूता और पार करता हो, पोस्ट लॉकडाउन अवधि में यह 100 µg / m3 के निशान से काफी नीचे रहा।

बिहार चुनाव के लिए कांग्रेस के स्टार प्रचारकों में शामिल सोनिया को खत लिखने वाले सचिन पायलट और गुलाम नबी आजाद

रामविलास पासवान के निधन के बाद क्या बदलेंगे BJP और JDU के तेवर, PM मोदी कैसे करेंगे याद?

नई दिल्ली। कांग्रेस के अध्यक्ष सोनिया गांधी को पत्र लिखने वाले 23 असंतुष्टों में से एक राज्यसभा में विपक्ष के नेता गुलाम नबी आज़ाद, जिन्होंने पार्टी के संगठनात्मक ढांचे को खत्म करने की मांग की, और सचिन पायलट, जिन्होंने राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत से विद्रोह किया आगामी बिहार विधानसभा चुनाव के लिए पार्टी के 30 स्टार प्रचारकों में शामिल हैं। शनिवार को कांग्रेस द्वारा भारत के चुनाव आयोग को सौंपी गई स्टार प्रचारकों की सूची में सोनिया गांधी, पूर्व पीएम मनमोहन सिंह, पूर्व पार्टी प्रमुख राहुल गांधी और यूपी की महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा भी शामिल हैं। 7 अगस्त को सोनिया गांधी को लिखे गए अपने पत्र में, 23 असंतुष्टों ने 11-बिंदु कार्य योजना की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए 135 वर्षीय संगठन के ÷लगातार गिरावट÷ के पीछे सेल्फ एनालिसिस का आह्वान किया था। पत्र पर हस्ताक्षर करने वाले दो में अखिलेश प्रसाद सिंह और राज बब्बर भी स्टार प्रचारकों की सूची में शामिल हैं।

तीन मुख्यमंत्रियों - कैप्टन अमरिंदर सिंह (पंजाब), अशोक गहलोत (राजस्थान) और भूपेश बघेल (छत्तीसगढ़) के अलावा, कांग्रेस के स्टार प्रचारकों में भारतीय जनता पार्टी के पूर्व नेता शत्रुघ्न सिन्हा, कीर्ति आज़ाद और उदित राज भी शामिल हैं। तीनों नेता 2019 के लोकसभा चुनाव से पहले कांग्रेस में शामिल हो गए थे। मुंबई कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष संजय निरुपम और उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद से आखिरी लोकसभा चुनाव लड़ने वाले कवि इमरान प्रतापगढ़ी अन्य स्टार प्रचारक हैं।

इस मामले से परिचित एक कांग्रेसी पदाधिकारी ने कहा कि यह संभावना नहीं है कि सोनिया गांधी और मनमोहन सिंह चुनाव प्रचार के लिए बिहार जाएंगे, लेकिन उन्होंने दोनों नेताओं की वर्चुअल रैली का भी जिक्र नहीं किया। उन्होंने कहा कि राहुल और प्रियंका गांधी के बिहार और कुछ अन्य राज्यों में प्रचार करने की संभावना है,

नई दिल्ली। लोक जनशक्ति पार्टी (लोजपा) के नेता और केंद्रीय मंत्री रामविलास पासवान के निधन ने बिहार विधानसभा चुनाव की तासीर बदल दी है। बिहार और देश के बड़े दलित नेता को लेकर उपजने वाली सहानुभूति वोटों के गणित को प्रभावित कर सकती है। ऐसे में जो दल और नेता लोजपा के खिलाफ मुखर थे अब उनकी भाषा भी बदलेगी और विरोध के तेवर भी। इस बीच भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा रविवार को गया से चुनाव प्रचार अभियान शुरू करने जा रहे है।

बदले हुए हालात में भाजपा को थोड़ी राहत मिली है। लोजपा को लेकर जदयू की तरफ से बनाया जा रहा दबाब अब घटा है। समय की नजाकत को समझते हुए भाजपा की चुनाव प्रचार अभियान की टोन भी बदलेगी। उसने अपने सहयोगी दल जदयू को भी संदेश दिया है कि वह लोजपा और पासवान को लेकर चुनाव मैदान में संयम बरतें और ऐसा संदेश न जाए कि राजग

लोजपा के खिलाफ बोलकर उसके दिवंगत नेता को अपमानित करने की कोशिश कर रहा है।

नड्डा देंगे दिशा-निर्देश-

भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा चुनाव अभियान की शुरुआत के लिए रविवार को बिहार जा रहे हैं। वह गया की चुनावी सभा से वह प्रचार अभियान का आगाज भी करेंगे। इसके पहले वे लोकनायक जयप्रकाश नारायण के जन्मदिवस पर उनको श्रद्धांजलि देने कदमकुआं भी जाएंगे। गया की रैली से लौटने के बाद नड्डा पटना में पार्टी की चुनाव प्रबंध समिति के साथ अहम बैठक करेंगे।

इसमें विधानसभा चुनाव के उम्मीदवार, पार्टी पदाधिकारी, सांसद, विधायक, विधानसभा प्रभारी और चुनाव प्रबंधन से जुड़े प्रमुख कार्यकर्ता हिस्सा लेंगे। बैठक में नड्डा बदले हुए माहौल में अभियान को लेकर पार्टी नेताओं कार्यकर्ताओं को जरूरी दिशा निर्देश देंगे।

लोजपा को लेकर बदलेगी भाषा-

दरअसल राजग में सीटों के बंटवारे को लेकर लोजपा और जदयू का विवाद इतना बढ़ा कि लोजपा ने अपनी मनमाफिक सीटें न मिलने के चलते गठबंधन से अलग होकर चुनाव लड़ने का ऐलान किया। तब रामविलास पासवान जीवित थे और उनके विरोधी मुखर थे, लेकिन अब उनके निधन के बाद हालात बदले हैं। ऐसी स्थिति में राजग के भीतर के झगड़े का लाभ विरोधी दल उठाने की कोशिश करेंगे। अगर भाजपा और जदयू नेताओं ने लोजपा को लेकर संयम नहीं बरता तो उनको भी नुकसान हो सकता है।

पासवान को किस तरह याद करेंगे मोदी ?

हालांकि भाजपा की रणनीति पहले से ही लोजपा को साधे रखने की थी, लेकिन जदयू के दवाब में उसे सख्ती दिखाना पड़ रही थी। लोजपा के साथ

बदले हुए हालात में भाजपा को थोड़ी राहत मिली है। लोजपा को लेकर जदयू की तरफ से बनाया जा रहा दबाब अब घटा है। समय की नजाकत को समझते हुए भाजपा की चुनाव प्रचार अभियान की टोन भी बदलेगी। उसने अपने सहयोगी दल जदयू को भी संदेश दिया है कि वह लोजपा और पासवान को लेकर चुनाव मैदान में संयम बरतें और ऐसा संदेश न जाए कि राजग लोजपा के खिलाफ बोलकर उसके दिवंगत नेता को अपमानित करने की कोशिश कर रहा है।

गए पार्टी नेताओं के खिलाफ सख्त कदम उठाने की चेतावनी दी गई है। लेकिन इन सबके बीच सबकी नजर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर रहेगी कि वे अपने सहयोगी रामविलास पासवान को किस तरह से याद करते है।

कुंवारे लोगों में बढ़ रहा कोरोना का खतरा, कम आय वाले पुरुषों की जान जाने का डर ज्यादा

नई दिल्ली। किसी व्यक्ति का शादीशुदा न होना भी उसके लिए कोरोना से जान का खतरा बढ़ा सकता है। प्रतिष्ठित नेचर कम्युनिकेशन पत्रिका में एक प्रकाशित हुए एक अध्ययन से कुछ ऐसे अनजान कारक पता लगे हैं जिनसे किसी संक्रमित मरीज की मौत की संभावना बढ़ सकती है। स्टॉकहोम विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं ने पाया कि किसी व्यक्ति की कम आय, शिक्षा का निम्न स्तर, अविवाहित होना और विदेश में रहने जैसे कारकों से उसकी कोरोना से मौत का जोखिम बढ़ जाता है। शोधार्थियों का कहना है कि इन वर्गों की खराब जीवनशैली उनकी सेहत पर असर डालती है जिससे खतरा बढ़ता है। साथ ही अकेले रहने वाले लोग दंपतियों की तुलना में कम सुरक्षित वातावरण में रहते हैं। गौरतलब है कि अब तक यही जानकारी उपलब्ध थी कि यह वायरस उम्र और लिंग के हिसाब से हर व्यक्ति के लिए अलग तरह का जोखिम लाता है।

कम आय वाले पुरुषों में खतरा ज्यादा

समाजशास्त्री व अग्रणी शोधकर्ता स्वेन डेफरल का कहना है कि कम आमदनी, कम शिक्षित पुरुषों में संक्रमण से जान जाने का खतरा ज्यादा था। डेफरल इसका कारण समझाते हैं कि पुरुषों की जैविक बनावट और जीवनशैली के कारण उनके वायरस की जद में आने की संभावना अधिक होती है और जीवनशैली से जुड़े दूसरे कारक जैसे अविवाहित होना या कम आमदनी उनके खाने-पीने की आदतों पर असर डालते हैं।

ऐसे किया अध्ययन-यह अध्ययन स्वीडन में संक्रमण से मरे 20 साल से अधिक उम्र के मृतकों के डाटा के आधार पर हुआ। मृतकों के सरकारी डाटा की तुलना उस सरकारी डाटा से की गई, जिसमें इन सभी के निवास स्थान, जन्म स्थान, वैवाहिक स्थिति, शिक्षा और आयु का विवरण था। इस आधार पर शोधकर्ताओं ने पाया कि जो लोग देश से बाहर किसी मध्यम या कम आय वाले देश में पैदा हुए थे, उनकी कोविड -19 के संक्रमण से ज्यादा मौत हुई। इसी तरह गरीब, अविवाहित और अशिक्षित लोगों की भी ज्यादा मौतें हुई।

यूपी में क्लास 9 से 12 तक के स्कूल खोलने के आदेश

लखनऊ। यूपी में अब क्लास 9 से 12 तक के बच्चों के लिए स्कूल खोलने के आदो जारी कर दिए गए हैं। सरकार ने कुछ गाइडलाइन्स तय कि हैं इसका पाल अभिभावकों और स्कूल प्रशासन दोनों को करना होगा।इसके बाद ही बच्चों को स्कूल भेजा जा सकेगा। सरकार ने तय किया है कि यूपी में 19 अक्टूबर से स्कूल खोल दिए जाएंगे। स्कूलों को इसके लिए पैरेंट्स से लिखित सहमति लेनी होगी कि वह अपने बच्चे को स्कूल भेजने को तैयार हैं या नहीं। यह जानकारी शनिवार देर शाम यूपी के उपमुख्यमंत्री डॉ. दिनेश शर्मा ने दी ।

उन्होंने बताया कि कन्टेनमेंट जोन में किसी भी क्लास का कोई स्कूल नहीं खुलेगा। स्कूलों को दो पालियों में चलाया जाएगा। पहली पाली में कक्षा 9 व 10 और दूसरी पाली में कक्षा 11 व 12 के विद्यार्थियों को बुलाया जाए। एक दिन में एक कक्षा के अधिकतम 50

प्रतिशत तक विद्यार्थियों को ही बुलाया जा सकेगा। बाकी विद्यार्थियों को दूसरे दिन बुलाया जाएगा। विद्यालय में उपस्थिति के लिए लचीला रुख अपनाया जाएगा और किसी भी विद्यार्थी को स्कूल आने के लिए बाध्य नहीं किया जाएगा।

ऑनलाइन पढ़ाई भी रहेगी जारी

डॉ. शर्मा ने निर्देश दिए हैं कि ऑनलाइन पढ़ाई की व्यवस्था पहले की तरह जारी रहेगी। स्कूल बुलाने में उन विद्यार्थियों को प्राथमिकता पर रखा जाए, जिनके पास ऑनलाइन पढ़ाई की सुविधा उपलब्ध नहीं है। यदि विद्यार्थी घर पर रहते हुए ऑनलाइन पढ़ाई करना चाहें तो यह सुविधा उन्हें दी जाए।

हर पाली के बाद स्कूल करना होगा सैनिटाइज

क्लास में बच्चों को एक दूसरे से कम से कम छह फुट की दूरी पर ही बैठाया जा सकेगा। हर पाली के बाद स्कूल सैनिटाइज किया जाएगा। स्कूलों में सैनेटाइजर, हैण्डवाश, थर्मल स्कैनिंग व प्राथमिक उपचार की व्यवस्था होगी। यदि किसी विद्यार्थी, शिक्षक या अन्य कर्मचारी को खांसी, जुखाम या बुखार के लक्षण होंगे तो उन्हें प्राथमिक उपचार देते हुए घर वापस भेज दिया जाएगा। प्रवेश व छुट्टी के समय गेट पर सोशल डिसटेंसिंग का पालन करवाया जाएगा। एक साथ सभी विद्यार्थियों की छुट्टी नहीं की जाएगी। स्कूलों में यदि एक से अधिक प्रवेश द्वार हैं तो उनका उपयोग सुनिश्चित किया जाएगा।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

जारी है लड़ाई

सर्दियों के मौसम में कोरोना विषाणु संक्रमण के ज्यादा गंभीर होने की आशंका जताई जा रही है। राष्ट्रीय रोग नियंत्रण केंद्र (एनसीड़ीसी) की देखरेख में किए गए इस सर्वेक्षण से यह नतीजा सामने आया है कि आगामी नवम्बर, दिसम्बर और जनवरी माह में महामारी का विस्तार हो सकता है। इन महीनों में अधिकांश पर्व-त्योहार पड़ते हैं। इसलिए केंद्र सरकार इस महामारी के विरुद्ध संघर्ष तेज करने के अभियान में जुट गई है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने लोगों को कोरोना से लड़ने के लिए 'जब तक दवाई नहीं, तब तक ढिलाई नहीं' का मंत्र देते हुए आंदोलन की शुरुआत की है। इस आंदोलन का लक्ष्य लोगों में कोरोना के प्रति जागरूकता लाना है। लोगों को याद होगा कि कोरोना के शुरुळआती दिनों में जब प्रधानमंत्री मोदी ने पूरे देश में कठोर लॉकड़ाउन लागू करने की घोषणा की थी तब उन्होंने लोगों से दीप प्रज्जवलन का आह्वान किया था। उस समय समूचे देश ने बढ़-चढ़कर इस आह्वान का समर्थन किया था। महानगरग शहर, कस्बे और देहात सभी जगह लोगों ने उत्साह के साथ दीप जलाए थे। देश के नागरिकों ने एक तरह से इस अवसर को दीपावली का रंग दे दिया था। देखते-ही-देखते पूरा देश कोरोना के विरुद्ध उठ खड़ा हुआ था। प्रधानमंत्री का जो लक्ष्य था कि कोरोना के विरुद्ध संघर्ष में समूचे देश की एकजुटता दिखाई दे; वह पूरी तरह परिलक्षित हुई थी। इस बार भी प्रधानमंत्री ने अपने आंदोलन को जन-जन तक पहुंचाने के लिए हिंदी और अंग्रेजी दोनों भाषाओं में ट्विट कर कहा कि 'आइए, कोरोना से लड़ने के लिए एकजुट हों, हमेशा याद रखें-मास्क जरूर पहनें, हाथ साफ करते रहें, सोशल ड़िस्टेंसिंग का पालन करें, दो गज की दूरी रखें'। प्रधानमंत्री ने कोरोना विषाणु से बचाव संबंधी संदेशों के साथ तस्वीरें भी साझा की। इनमें वह मास्क के बजाय गमछे से मुंह और नाक ढके हुए हैं और हाथ जोड़कर लोगों से बचाव का आग्रह करते दिख रहे हैं। पिछली बार मोदी ने कोरोना के विरुद्ध लड़ाई में तालीग थाली के बाद दीया और मोमबत्ती को जनचेतना का हिस्सा बनाया था। इस बार उन्होंने मास्क, हाथ की साफ-सफाई और सोशल ड़िस्टेंसिंग को कोरोना के विरुद्ध संघर्ष का औजार बनाया है। अपेक्षा की जाती है कि प्रधानमंत्री की इस अपील का सार्थक असर पड़ेगा और यह भाव पुख्ता होगा कि कोरोना के विरुद्ध लड़ाई जारी है और वे इस लड़ाई के अहम भागीदार हैं॥।

आर्थिकी का आशावाद

भारतीय रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति की तीन दिवसीय बैठक के बाद घोषित मौद्रिक नीति में कोई बड़ा फेरबदल नहीं किया गया। केंद्रीय बैंक का कहना है कि कोरोना संकट के चलते प्रभावित आर्थिकी में सकारात्मक बदलाव देखने में आ रहा है। केंद्रीय रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास का मानना है कि अर्थव्यवस्था निर्णायक दौर में पहुंच रही है। अत- आरबीआई आर्थिक वृद्धि को समर्थन देने के लिये उदार नीति अपनाये रखेगा। यही वजह है कि अब अंकुश लगाने के बजाय अर्थव्यवस्था को उबारने पर जोर दिया जायेगा, जिसके चलते मौद्रिक नीति समिति ने नीतिगत दरों को यथावत बनाये रखने पर बल दिया है। आरबीआई गवर्नर ने विश्वास जताया है कि वित्तीय वर्ष की पहली छमाही में आर्थिकी में आया सुधार, दूसरी छमाही में मजबूती हासिल करेगा। साथ ही तीसरी तिमाही में आर्थिक गतिविधियां तेज होंगी। लेकिन त्योहारी सीजन में ग्राहक जिस ईएमआई में कटौती की उम्मीद लगा रहे थे, वह रेपो रेट में बदलाव न होने के कारण पूरी नहीं हो पायी। दरअसल, एमपीसी की 25वीं बैठक के बाद भी रेपो रेट चार फीसदी बरकरार रखा गया है। वहीं रिवर्स रेट भी 3.35 ही रहेगा। केंद्रीय बैंक विश्वास जता रहा है कि चौथी तिमाही में जीडीपी में संकुचन खत्म होगा और सकारात्मक वृद्धि दर्ज की जायेगी। दरअसल, वित्तीय वर्ष 2020-21 की पहली तिमाही में आये भारी संकुचन के बाद अब केंद्रीय बैंक का ध्यान अर्थव्यवस्था के रिवाइवल पर है। विश्वास जताया जा रहा है कि वित्तीय वर्ष की चौथी तिमाही में देश कोरोना काल से पूर्व की आर्थिक वृद्धि के आंकड़े को हासिल कर लेगा। साथ ही जीडीपी फिर से वृद्धि के रास्ते पर आ सकती है। केंद्रीय बैंक ने भरोसा जताया कि चौथी तिमाही तक मुद्रास्फीति तय लक्ष्य की परिधि में आने की उम्मीद है। बैंक का भरोसा है कि कोरोना संकट से उपजे संकुचन से उबरकर आर्थिकी ?अब निर्णायक दौर में पहुंच रही है।

हालांकि, केंद्रीय बैंक ने मौद्रिक नीति में ब्याज दरों में कोई बदलाव नहीं किया, मगर रियल एस्टेट सेक्टर को प्रोत्साहन की दिशा में कदम बढ़ा दिये हैं। कुछ नियमों में बदलाव से होम लोन सस्ते होने की उम्मीद जगी है। बैंक ने प्रीमियम होम लोन को लेकर नियमों में बदलाव किये हैं, जिससे बैंक अब आसानी से प्रीमियम होम लोन बांट सकेंगे, जिसमें ब्याज दर भी कम हो सकती है। सरकार व केंद्रीय बैंक यह महसूस करते रहे हैं कि रियल एस्टेट में रोजगार के बड़े अवसर सृजित किये जा सकते हैं, जो कि अर्थव्यवस्था के विकास में बड़ी भूमिका निभा सकते हैं। दरअसल, होम लोन देने के वक्त बैंकों को जो कैपिटल रिजर्व रखना पड़ता था, आरबीआई ने उसकी सीमा घटा दी है, जिससे बैंक अब अधिक लोन दे सकेंगे तथा कम पूंजी रखने से होने वाले लाभ से ब्याज दरों में भी कमी कर सकेंगे। यह नियम 31 मार्च, 2022 तक लागू रहेगा। केंद्रीय बैंक ने अब बैंकों के कैपिटल रिजर्व को पचास प्रतिशत से घटाकर 35 फीसदी कर दिया है। अत- अब बैंकों के पास कारोबार के लिये ज्यादा पूंजी उपलब्ध होगी। साथ ही केंद्रीय बैंक ने कोरोना संकट काल में डिजिटल लेनदेन को प्रोत्साहित करने के लिये दिसंबर, 2020 से आरटीजीएस को 24 घंटे लागू करने का मन बनाया है। इसके साथ ही देश के शीर्ष बैंक की कोशिश है कि अर्थव्यवस्था में तेजी लाने के लिये वित्तीय व्यवहार को आसान बनाया जाये, जिसके मद्देनजर केंद्रीय बैंक अगले हफ्ते बीस हजार करोड़ रुपये ओपन मार्केट ऑपरेशन करेगा। दरअसल, केंद्रीय बैंक अर्थव्यवस्था में तरलता लाने के लिये ओपन मार्केट ऑपरेशन करता है। मकसद यही है कि आसान वित्तीय परिस्थितियां बनाने के लिये पूंजी की तरलता में वृद्धि की जाये।

विदेशी मीडिया

नए अफगानिस्तान की खातिर

दुनिया के सबसे लंबे विवादों में से एक के स्थाई हल की तलाश में कतर अहम भूमिका निभा रहा है। वह अफगानिस्तान सरकार और तालिबान के बीच शांति-वार्ता की मेजबानी कर रहा है। इस साल 12 सितंबर को शुरू हुई दोहा-वार्ता दरअसल फरवरी में अमेरिका और तालिबान के बीच हुए ऐतिहासिक करार की एक कड़ी है। फरवरी के समझौते पर अमेरिका के विशेष दूत जलमय खलीलजाद और तालिबान के राजनीतिक मामलों के प्रमुख मुल्ला अब्दुल गनी बहादुर ने दस्तखत किए थे। उस समझौते के तहत तालिबान की दहशतगर्दी रोकने की गारंटी के बदले में विदेशी फौजें साल 2021 तक अफगानिस्तान छोड़ देंगी। उसमें एक प्रावधान कैदियों की अदला-बदली का भी था। 10 मार्च तक करीब 5,000 तालिबान कैदियों को अफगानिस्तान सरकार को रिहा करना था, तो वहीं अफगानी सुरक्षा बल के 1,000 जवानों को तालिबान द्वारा रिहा किया जाना था। सोमवार को दोहा पहुंचे अफगानिस्तान के सदर मोहम्मद अशरफ गनी से अमीर एच एच शेख तमीम बन हमाद अल थानी ने काफी लंबी बातचीत की। दोनों नेताओं की बातचीत अफगानिस्तान में सुरक्षा, स्थिरता और शांति कायम करने के लिए चल रही दोहा-वार्ता पर केंद्रित थी।

अफगानिस्तानी सदर ने शांति-वार्ता की मेजबानी और उनके मुल्क में स्थाई शांति की खातिर कतर की कोशिशों की काफी सराहना की। सदर गनी की दोहा यात्रा व कतर के शीर्ष नेताओं के साथ उनकी बातचीत से युद्धग्रस्त अफगानिस्तान में शांतिपूर्ण समाधान के प्रयासों को नई गति मिलेगी। इस शांति-वार्ता ने अफगानिस्तान के लोगों के अमन-चैन के सपने को फिर से जिंदा कर दिया है। पिछले चार दशकों से वे स्थाई शांति के लिए तरस रहे हैं। अब वे एक पुरसुकून माहौल चाहते हैं, जिसमें वे बेखौफ होकर गरिमा के साथ जी सकें, जैसा दुनिया के अन्य हिस्सों में लोग जी रहे हैं। एक बार जब शांति के आखिरी करारनामे पर दस्तखत हो जाए, तब सभी पक्षों को अपनी पूरी क्षमता और हुनर के साथ नया अफगानिस्तान गढ़ना होगा, ताकि यह मजबूती से अपने पैरों पर खड़ा हो सके।

किसका होगा अमेरिका?

उपेन्द्र राय

दुनिया भर में किसी एक तारीख का दो ही सूरत में बेसब्री से इंतजार होता है-या तो उस तारीख का संबंध किसी आपदा से हो या फिर वह तारीख कोई अवसर लेकर आ रही हो। तीन नवम्बर ऐसी ही तारीख है, जिसका प्रत्यक्ष संबंध यूं तो अमेरिका से है, लेकिन परोक्ष रूप से आने वाले चार साल तक पूरी दुनिया उसका असर महसूस करेगी। इस तारीख को अमेरिका को अपना अगला राष्ट्रपति मिलेगा।

अमेरिका में चुनावी रस्म के मुताबिक प्रेसीडेंशियल डिबेट शुरू हो चुकी है और चुनाव पूर्व सर्वेक्षण भी आने लगे हैं। ज्यादातर सर्वे में अमेरिकी जनता राष्ट्रपति चुनाव को डोनाल्ड ट्रंप से छुटकारा पाने के अवसर के तौर पर देख रही है। इन सर्वे में जो बाइडेन 50 फीसद से ज्यादा वोट प्रतिशत के साथ डोनाल्ड ट्रंप पर 10 प्वॉइंट से ज्यादा बढ़त लेते दिख रहे हैं। साल 2016 में ट्रंप को वोट करने वाले 80 फीसद से ज्यादा लोग उनकी दोबारा वापसी नहीं चाहते। चुनाव में फर्क पैदा करने वाले राज्यों के 75 फीसद वोटरों का कहना है कि ट्रंप अमेरिकी राष्ट्रपति के पद की गरिमा के अनुरूप बर्ताव करने में नाकाम रहे हैं। चुनावी माहौल के बावजूद गाहे-बगाहे ट्रंप खुद भी इसकी मिसाल देते रहते हैं। पिछले राष्ट्रपति बराक ओबामा को जेल भेजने, पिछली उम्मीदवार हिलेरी क्लिंटन को 'रूसी साजिश वाली थ्योरी' के नतीजे भुगतने जैसे गैर-जिम्मेदाराना बयान ट्रंप की छवि को नुकसान पहुंचा रहे हैं। कोरोना से ठीक होने के बाद ट्रंप ने अपनी पहली मुलाकात में कैबिनेट के वरिष्ठ अधिकारियों को अपने विरोधियों के खिलाफ कोई कानूनी कार्रवाई नहीं करने यानी ट्रंप के मुताबिक 'ठीक से काम न करने' पर सार्वजनिक रूप से फटकार भी लगाई है। विपक्षियों की ही तरह कई अमेरिकी यह मान रहे हैं कि चुनाव जीतने के लिए ट्रंप इस बार किसी भी स्तर तक जा सकते हैं। कई मौके पर ट्रंप खुद कह चुके हैं कि इस बार के चुनाव धांधली से जीते जाएंगे और अगर नतीजे उनके खिलाफ गए तो सत्ता हस्तांतरण 'शांतिपूर्ण' नहीं होगा। ऐसी भी आशंका है कि ट्रंप प्रशासन डेमोक्रेटिक गढ़ समझे जाने वाले राज्यों में कानून के अधिकारियों की तैनाती से चुनाव को प्रभावित करने की कोशिश करेगा।

अनुमान लगाए जा रहे हैं कि मतदान के बाद उसी रात लाखों पोस्टल बैलेट की गणना से पहले ही ट्रंप अपनी जीत का ऐलान कर सकते हैं। ट्रंप को लेकर 'विास' का स्तर इतना गिर चुका है कि ऐसे भी कयास हैं कि हार टालने के लिए ट्रंप कोरोना महामारी की आड़ लेकर चुनाव को टाल सकते हैं। हालांकि अमेरिका की जटिल चुनावी प्रक्रिया के कारण ट्रंप के लिए अकेले ऐसा फैसला लेना संभव नहीं होगा, लेकिन सच्चाई यही है कि ट्रंप और सत्ता के बीच अगर कोई एक वजह सबसे बड़ी साबित होगी तो वो कोरोना से निपटने में उनकी नाकामी ही होगी। अमेरिका पिछले चार महीनों से कोरोना के मामलों में 'दुनिया का सिरमौर' बना हुआ है। ट्रंप को मिलाकर 78 लाख से ज्यादा अमेरिकी कोरोना संक्रमित हो चुके हैं, जबकि मौत का आंकड़ा दो लाख के पार जा चुका है। पिछले हफ्ते के एक सर्वे में 62 फीसद लोगों ने कहा है कि कोरोना को लेकर ट्रंप की 'हल्की' सोच के कारण अमेरिकी को भारी कीमत चुकानी पड़ी है। टेक्सास, फ्लोरिडा, अरीजोना जैसे कोरोना से सबसे ज्यादा प्रभावित राज्यों में पिछली बार ट्रंप का समर्थन करने वाले 78 फीसद लोग केवल इसी वजह से उन्हें दोबारा वोट नहीं करेंगे। कोरोना को लेकर रिपब्लिक और डेमोक्रेट शासित राज्यों में बंटवारे की सोच भी ट्रंप को खासा नुकसान पहुंचा रही है। इसके अलावा नस्लभेद, जलवायु परिवर्तन, अमेरिका फर्स्ट की नीति के कारण बाकी दुनिया खासकर यूरोपीय देशों से बिगड़ते संबंध, चीन को लेकर ढुलमुल रवैया, रूसी राष्ट्रपति पुतिन जैसे 'तानाशाह' को बार-बार अपना रोल मॉडल बताना जैसी कई बातें अमेरिकी वोटरों को ट्रंप से दूर कर रही हैं। दिलचस्प बात यह है कि

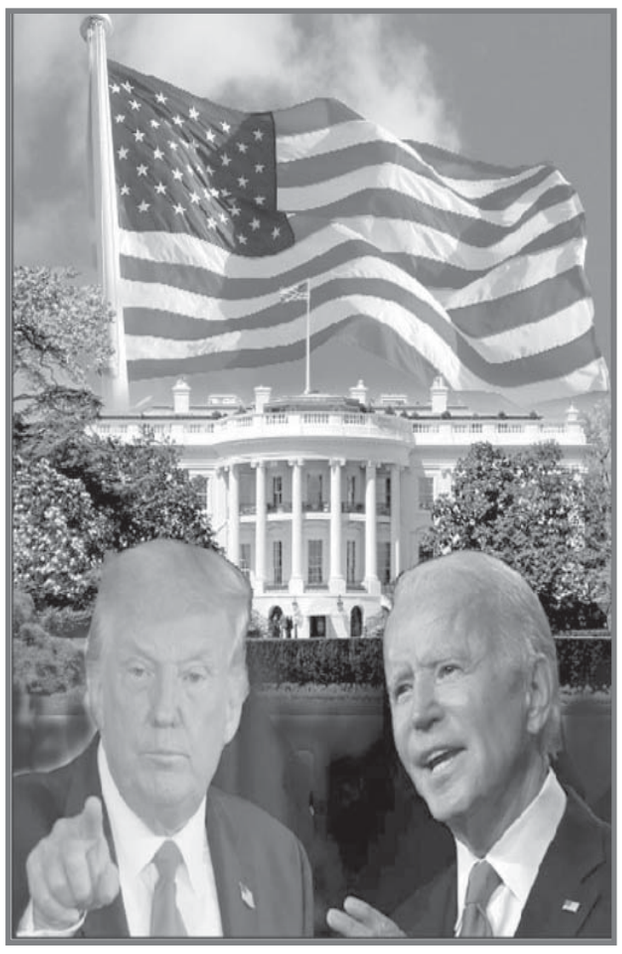

अमेरिका में इस तरह का ट्रंप-विरोधी माहौल बनाने में डेमोक्रेट उम्मीदवार जो बाइडेन का कोई खास हाथ नहीं दिख रहा। पांच दशकों से राजनीति में सक्रिय होने के बावजूद आज भी ज्यादातर अमेरिकियों की तरह बाकी दुनिया भी उन्हें बराक ओबामा के उप राष्ट्रपति के तौर पर ही जानती है, लेकिन ट्रंप को मिल रही तमाम चुनौतियों के साथ भारतवंशियों में गहरी पैठ बाइडेन को फायदा पहुंचा रही है। अमेरिका में इस बार 18 लाख भारतवंशी वोट डालेंगे। फ्लोरिडा, पेंसिलवेनिया और मिशीगन जैसे राज्यों में तो इनके वोट निर्णायक भी साबित हो सकते हैं। इसीलिए ट्रंप और बाइडेन खेमा इन्हें अपने पाले में लाने में जुटा हुआ है। ट्रंप ने इसकी पहचान अपने पिछले चुनाव अभियान में ही कर ली थी, जब उन्होंने हिंदुओं के लिए अपने 'प्यार' का सार्वजनिक इजहार किया था। पिछले एक साल में ट्रंप 'हाउडी मोदी' और 'नमस्ते ट्रंप' जैसे दो बड़े अवसरों पर भारतवंशियों में जबर्दस्त लोकप्रिय भारतीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ दिखे हैं। अमेरिकी भारतवंशियों से ट्रंप का कोई भी संवाद प्रधानमंत्री मोदी के साथ उनकी दोस्ती के जिक्र के बिना पूरा नहीं होता, लेकिन ट्रंप की यह तमाम कोशिशें भी रंग नहीं जमा पा रही हैं। हाल में हुए एएपीआई सर्वे से पता चल रहा है कि इस बार केवल 28 फीसद भारतवंशी ट्रंप के साथ खड़े हैं, जबकि दो-तिहाई बाइडेन को समर्थन देते दिख रहे हैं। इसकी दो बड़ी वजहें हैं-पहला यह कि भारत को लेकर ट्रंप केवल 'आसमानी' बयानबाजी ही करते रहे हैं, उन्होंने भारत या भारतवंशियों के लिए कभी कोई 'जमीनी' कोशिश नहीं की है। दूसरी वजह है बाइडेन की भारत-समर्थक नेता की छवि जो आमतौर पर डेमोक्रेट नेताओं की पहचान रही है। भारतीय मां की बेटी कमला हैरिस को उप-राष्ट्रपति पद का उम्मीदवार बनाकर बाइडेन ने इस सोच को और पुख्ता कर लिया है। साल 2006 के एक इंटरव्यू में बाइडेन ने कहा था कि उनका सपना है कि साल 2020 में दोनों देश सबसे निकट के संबंधों वाले देश बनें। इस अंतराल में बाइडेन ने खुद लगातार इस दिशा में कई प्रयास भी किए हैं। 1998 में परमाणु परीक्षण के बाद अमेरिका ने भारत पर कड़े आर्थिक प्रतिबंध लगा दिए थे। बाइडेन ने इन्हें हटाने के लिए साल 2001 में तत्कालीन राष्ट्रपति जॉर्ज बुश को खत लिखा था। साल 2008 में भारत-अमेरिका परमाणु समझौते में उनकी बड़ी भूमिका रही थी। अमेरिकी उपराष्ट्रपति रहते हुए साल 2013 में जब बाइडेन भारत के दौरे पर आए थे, तब भी द्विपक्षीय संबंधों को उन्होंने पीढ़ियों को प्रभावित करने वाली साझेदारी बताया था। हालांकि कश्मीर में धारा 370 हटाने, असम में एनआरसी लगाने जैसे भारत के आंतरिक मुद्दों को लेकर बाइडेन का रुख भारत के लिए अनुकूल नहीं रहा है, लेकिन इतिहास इस तरह के कई वाकयों से मिलकर ही बनता है। हम यह भी कैसे भूल सकते हैं कि 1971 में अमेरिका के रिपब्लिकन राष्ट्रपति रिचड निक्सन न केवल पाकिस्तान के साथ खड़े थे, बल्कि चीन को भी अपने खेमे में लाने की साजिश रच रहे थे। राष्ट्रपति रोनाल्ड रीगन और ट्रंप का उदाहरण हमारे सामने है।

दूसरी तरफ डेमोक्रेट ओबामा रहे, जो अपने कार्यकाल में दो बार भारत की यात्रा करने वाले प्रथम अमेरिकी राष्ट्रपति बने, जिन्होंने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में भारत की सदस्यता के दावे को ताकत दी और भारत के साथ अहम रक्षा करार भी किया। डेमोक्रेट पार्टी के प्रचार अभियान से अब तक यह समझ बनी है कि भारत को आत्मनिर्भर बनाने के मोदी के सपने को पूरा करने में बाइडेन मौजूदा सत्ता से ज्यादा मुफीद साबित होंगे। बाइडेन ने आर्थिक सुधार और खुलेपन के साथ ही वैंकि सप्लाई चेन में भारत की हिस्सेदारी बढ़ाने को लेकर सकारात्मक रुख दिखाया है। एच-1बी और फैमिली वीजा मामले को लेकर भी बाइडेन भारतीय नजरिए से अधिक सहयोगात्मक बातें कर रहे हैं। भारतीय नजरिए से महत्वपूर्ण चीन और पाकिस्तान के मसले पर सत्ता बदलने पर भी अमेरिका भले अपनी नीतियों में ज्यादा बदलाव न ला सके, फिर भी वे ट्रंप के मुकाबले ज्यादा भरोसेमंद साथी साबित हो सकते हैं।

> डेमोक्रेटिक पार्टी के प्रचार अभियान से अब तक यह समझ बनी है कि भारत को आत्मनिर्भर बनाने के मोदी के सपने को पूरा करने में बाइडेन मौजूदा सत्ता से ज्यादा मुफीद साबित होंगे। बाइडेन ने आर्थिक सुधार और खुलेपन के साथ ही वैश्विक सप्लाई चेन में भारत की हिस्सेदारी बढ़ाने को लेकर सकारात्मक रूख दिखाया है। एच-1बी और फैमिली वीजा मामले को लेकर भी बाइडेन भारतीय नजरिए से अधिक सहयोगात्मक बातें कर रहे हैं।

नजरिया

मजदूरों और देश की दशा संवारने वाले सुधार

वरुण गांधी

मुंबई के लोअर परेल में अपनी चॉल के बाहर बैठे गणेश देसाई की पुरानी यादें ताजा हैं। अंधेरी में अपनी चॉल से दादर के लिए लोकल ट्रेन पकड़ना और लोअर परेल में टेक्सटाइल मिल में काम पर जाना। वहां कानूनी सीमा के बावजूद 12 घंटे से ज्यादा काम करना पड़ता था, लेकिन काम अच्छा चल रहा था। फिर उद्योग पर बुरा समय आया और छंटनी हो गई। देसाई कहते हैं, 1970 के दशक में बॉम्बे भारत को कपड़ा पहनाता था। मैन्युफैक्र्रग सेक्टर से बहुत उम्मीदें थीं। यह देश के लिए रोजगार का मुख्य आधार माना जाता था, लेकिन 1970 के दशक की शुरुआत से 1980 आते-आते इस सेक्टर का जोश चुक गया, खासतौर से टेक्सटाइल के मामले में। इस पतन के साथ भारत के कई बड़े शहरों की चमक खत्म हो गई और उनमें से कुछ नए सांचे में ढल गए।

1980 में मुंबई में संगठित मजदूर शक्ति का जोर चलता था, खासतौर से मशहूर (और अब वीरान) टेक्सटाइल मिलों में। 1980 तक मुंबई के मध्य क्षेत्र में तकरीबन 2.50 लाख कपड़ा मिल मजदूर थे। मजदूर यूनियन लीडर दत्ता सामंत के नेतृत्व में 18 जनवरी, 1982 को शुरू हुई विशाल बॉम्बे टेक्सटाइल हड़ताल 65 से अधिक टेक्सटाइल मिलों के कामगारों की मजदूरी बढ़ाने, बदली कामगारों को नियमित करने और बोनस के लिए की गई थी। 18 महीने तक चली उस हड़ताल से कई मिलें बंद हो गईं, मालिकों ने दूसरे शहरों, प्रांतों में प्लांट लगा लिए, एक लाख कामगारों की छंटनी हो गई। साल 1995 तक शहर में सिर्फ 80,000 कपड़ा मजदूर बचे थे। एक बड़ा औद्योगिक शहर इतिहास में गुम हो गया और उसकी जगह सेवा आधारित अर्थव्यवस्था ने ले ली।

गौतम गौड़ा का मामला देखें, जो अब मुंबई के भोईवाड़ा में रहते हैं, तो 1990 के दशक की शुरुआत में छंटनी के बाद उन्हें बच्चों की पढ़ाई छुड़ाने को मजबूर होना पड़ा था। किसी तरह से चौकीदार या कुली बनकर जिंदगी आगे बढ़ी। आदर्श स्थिति तो यह होती कि भारत के श्रम कानून ऐसे लाचार मजदूरों के हाल पर विचार करते। एक प्रबल राय है कि श्रम कानूनों की भरमार के कारण हमने काफी कुछ गंवाया है। कर्मचारियों की संख्या छह से बढ़कर सात होते ही ट्रेड यूनियन कानून लागू हो जाता है, जो श्रमिक संगठन के गठन की अनुमति देता है। ऐसे कानून से उलटे नतीजे आते हैं, क्योंकि ये उद्यम के विस्तार से बचने और छोटे उद्यम बने रहने के लिए प्रोत्साहन देते हैं। ये कानून भारत जैसे विशाल श्रम बल वाले देश को श्रम का लाभ लेने से रोकते हैं। ऐसे श्रम कानूनों का असर मिला-जुला ही रहा है। श्रम कानूनों में राज्यों ने भी अपने स्तर पर खूब संशोधन किए हैं। औद्योगिक विवाद अधिनियम में राज्यों ने साल 1995 तक लगभग 113 संशोधन कर दिए थे। टिमोथी बेसली और रॉबिन बर्गीस का अध्ययन इस पर रोशनी डालता है, नियोक्ता-पक्षीय राज्यों में मैन्युफैक्र्रिंग में वृद्धि श्रमिक-पक्षीय राज्यों की तुलना में अधिक थी। अगर 1960-95 की अवधि में औद्योगिक विवाद अधिनियम में नियोक्ता-पक्षीय संशोधन नहीं होते, तो आंध्र प्रदेश में शहरी गरीबी का स्तर 1990 के वास्तविक स्तर से 112 प्रतिशत से भी ज्यादा होता। हमारी श्रमिक नीतियों से श्रमिक कल्याण के मामले में पर्याप्त नतीजे नहीं मिले हैं और भारत में निवेश भी प्रभावित हुआ है।

श्रम सुधार के लिए राजनीतिक साहस चाहिए और पिछले दो वर्षों में सरकार ने सुधार शुरू किए हैं। कोड ऑफ वेजेज, 2019 ने मजदूरी और भत्ते संबंधी चार कानूनों को एकीकृत कर दिया है। लैंगिक भेदभाव को रोकते हुए वार्षिक बोनस, भुगतान का तरीका, ओवरटाइम का प्रावधान कर देश भर में न्यूनतम मजदूरी को परिभाषित किया है। स्वतंत्र ठेकेदार, फ्रीलांसर, घर से काम करने वाले कर्मचारियों और अनौपचारिक क्षेत्र के कामगारों तक कानून का विस्तार किया गया है। अब एक फर्म को सिर्फ चार लेबर रजिस्टर (12 से घटाकर) रखना होगा, और सालाना रिटर्न की संख्या भी सिर्फ एक (मौजूदा तीन से घटाकर) होगी। अगर इन सुधारों को ठीक से लागू किया जाता है, तो कंपनियों को चीन से बाहर निकलने और भारत में रोजगार सृजित करने के लिए प्रोत्साहित करने का आधार तैयार होगा। भारत ने रोजगार सृजन के एक और युग निर्माण की दिशा में अपने कदम बढ़ा दिए हैं।

बतंगड़ बेतुक

चील, कौवे, गिद्ध और गीदड़

विभांशु दिव्याल

झल्लन आते ही बोला, 'ददाजू, अब ये दुनिया रहने लायक नहीं रह गई है और ये सरकार भी सहने लायक नहीं रह गई है।' हमने झल्लन के उवाच पर अपना ध्यान लगायाग बिना बालों वाला अपना सर थोड़ा खुजाया और अपनी बात को आगे बढ़ाया, 'देख झल्लन, ये दुनिया हमेशा से ऐसी ही रही है और आगे भी ऐसी ही रहेगी, किसी को हमेशा रहने लायक लगेगी तो किसी को लगातार न रहने लायक दिखेगी। सो, दुनिया की बात छोड़, ये बता तुझे कौन-सी सरकार सहने लायक नहीं लग रही है, जिसे लेकर तेरे मन में इतनी निराशा जग रही है।' झल्लन बोला, 'का ददाजू, वही हाथरस वाली सरकार जिसकी हर तरफ थू-थू हो रही है और जो इतने भीषण बलात्कार और इतनी भयंकर हत्या के बाद भी गहरी नींद सो रही है।' हमने कहा, 'अब सरकार बेचारी क्या करे। उसे तो जो करना था वो कर दियाग आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया, मृत पीड़िता का घर मुआवजे से भर दिया और एक सदस्य की नौकरी का इंतजाम कर दिया। अब इससे ज्यादा एक सरकार से क्या उम्मीद करोगे, अब क्या बेचारी की जान लोगे?'

झल्लन बोला, 'ददाजू, आप सरकार का पक्ष लेते हुए बिल्कुल नहीं सुहाते, जब सरकार की तारीफ करते हो तो पक्का मानिए आप हमारे ददाजू नहीं रह जाते।' हमारे चेहरे पर मुस्कान आ गयी जो झल्लन को थोडव और झुंझला गई। हमने कहा, 'जो साफ-साफ दिख रहा है वही तो तुझे दिखा रहे हैं, सरकार की तरफदारी में कौन-सी नयी बात बता रहे हैं। अब तो जांच भी सीबीआई के हवाले है और परिवार की सुरक्षा को पीएसी गांव में डेरा डाले है। उम्मीद करनी चाहिए कि दूध का दूध और पानी का पानी हो जाएगा और जिसे जो न्याय मिलना चाहिए वह भी मिल जाएगा।' झल्लन बोला, 'ददाजू, बात इत्ती सरल नहीं है जित्ती सरलता से आप हमें समझा रहे होग मुद्दा एक दलित बाला के बलात्कार और उसकी हत्या का है जिसे आप इतने सस्ते में निपटा रहे हो। अब आप सोचिए, बात इत्ती सरल होती तो काहे मीडिया छाती पीट-पीटकर हाहाकार मचाता, काहे हर विपक्षी नेता दल-बल लेकर गांव पहुंच जाता, काहे हर कोई पुलिस-प्रशासन पर इतने सवाल उठाता और काहे लोगों में इतना गुस्सा जगाता।'

हमने कहा, 'ईमानदारी से सोच, जो अपने कैमरे और राजनीति की जहरीली जुबान लेकर वहां पहुंचे उनमें से कौन बलात्कार और पीड़िता की चिंता कर रहा था, किसके मन में मृत पीड़िता के प्रति सचमुच सहानुभूति का सैलाब उठ रहा था और कौन बलात्कार मुक्त समाज की संभावना पर विचार कर रहा था? वहां पहुंचकर चूहड़ मीडिया अपनी सनसनीखेज टीआरपी बढव रहा था, हर राजनेता हमदर्दी के बहाने बलात्कार पर अपनी राजनीति की टुच्ची गोटियां बिठा रहा था, जिसे सरकार से बदला लेना था वह वहां नफरत फैला रहा था और गांव के माहौल में जहर मिला रहा था। तुझे यह सोचकर शर्म नहीं आती कि देश के मीडिया को अपनी बढ़त बनाने के लिए बलात्कार को सहारा बनाना पड़े और राजनेताओं को बलात्कार के पहियों पर अपनी राजनीति का रथ चलाना पड़े।' झल्लन बोला, 'ददाजू, अब आपकी बात का काट तो नहीं करेंगे और आप जो कह रहे हैं उसे हत्मान भी नहीं करेंगे। फिर भीग बलात्कार रोकना सरकार की जिम्मेदारी है जो उसने नहीं निभायी इसीलिए उसके खिलाफ इतनी जबर्दस्त आंधी उठ आई।'

हमने कहा, 'बलात्कार एक बेहद गंभीर और सामाजिक समस्या है जिसके सामाजिक हल ढूंढ़े जाने चाहिए न कि सारे आरोप सरकार पर मढ़कर अपनी जिम्मेदारी से बचकर चुपचाप निकल जाना चाहिए। सिर्फ सरकार को गरियाने और मीडिया के हो-हल्ला मचाने से बलात्कार रुक जाते तो कब के रुक जाते और हर राज्य में, हर सरकार की नाक के नीचे वीभत्स बलात्कारों के इतने डरावने मामले नहीं आते।' झल्लन बोला, 'तो आप कहना चाहते हैं कि तमाम विपक्षी और जाति हितैषी नेताओं ने वहां जाकर जो तांडव रचाया, वह गलत रचाया और मीडिया ने भी जो हो-हल्ला मचाया वह भी सिर्फ टीआरपी के लिए मचाया?'

हमने कहा, 'लंपट मीडिया, बेजड़ राजनीतिक दल, क्षुद्र जातिवादी और मनुष्य विरोधी सम्प्रदायवादी चील, कौवे, गिद्ध और गीदडवें में बदल गये हैं। जिस तरह गिद्ध-कौवे अपनी भूख शांत करने के लिए किसी जानवर की लाश पर मंडराने लगते हैं उसी तरह मनुष्य की शक्ल-सूरत वाले ये गिद्ध-कौवे बलात्कार पर मंडराने लगते हैं। वह भी हर बलात्कार पर नहीं केवल उस बलात्कार पर जिसमें इन्हें अपनी कुत्सित संभावनाएं नजर आती हैं और जिसकी बिना पर इनकी सियासी गोटियां चल जाती हैं।' झल्लन बोला, 'ददाजू, तभी न हम कहे कि दुनिया रहने लायक नहीं रह गयी है, लगता है सारी इंसानियत नाली की राह बह गई है। पता नहीं लगता कौन सच कह रहा है, कौन झूठ कह रहा है, कौन सही कर रहा है कौन गलत कर रहा है। मीडिया और राजनीतिबाज बलात्कार-बलात्कार चिल्ला रहे हैं, उधर गांव वाले कुछ और कहानी बता रहे हैं।' हमने कहा, 'गांव वाले तो इन्हें थुकिया रहे हैं, इन्हें अपनी बातों से जुतिया रहे हैं। काश, किसी तरह इनकी चाल सुधर जाये और किसी तरह इनकी आंखों में थोडवे सी शर्म उतर आये।' झल्लन ओंठों-ही-ओंठों में कुछ बुदबुदाया, पर हमारी समझ में कुछ नहीं आया।

पेप्सिको को भारत में तेजी की उम्मीद, उत्तर प्रदेश स्थित संयंत्र में निवेश बढ़ाया

नई दिल्ली। खाद्य और पेय क्षेत्र की प्रमुख कंपनी पेप्सिको ने कहा कि कोरोना वायरस महामारी के कारण थोड़े समय के लिए कुछ बाधाएं आ सकती हैं, लेकिन वह भारतीय बाजार के भविष्य को लेकर 'अत्यधिक आशावादी' है। पोप्सिको इंडिया के अध्यक्ष अहमद अलशेख ने कहा कि कंपनी बढ़ी हुई मांग को पूरा करने के लिए उत्तर प्रदेश स्थित अपने नए स्नैक्स संयंत्र में निवेश बढ़ाकर 814 करोड़ रुपये कर रही है। कंपनी भारत में अपने स्नैक्स व्यवसाय को दोगुना करने के लिए प्रतिबद्ध है और पश्चिम बंगाल और महाराष्ट्र स्थित खाद्य संयंत्रों की क्षमता भी बढ़ा रही है। इसके अलावा असम में एक संयंत्र स्थापित करने का प्रस्ताव है। अलशेख ने पीटीआई-भाषा को बताया, 'कोविड-19 के कारण कुछ अल्पकालिक बाधाएं आई हैं, लेकिन पेप्सिको में हम भविष्य को लेकर बेहद आशावादी हैं और उपभोक्ताओं को खाद्य तथा पेय पदार्थों की पूरी श्रृंखला मुहैया कराने के लिए प्रतिबद्ध हैं।' उन्होंने कहा हम भारत में अपने स्नैक्स कारोबार को दोगुना करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। हमने उत्तर प्रदेश में अपने नए ग्रीनफील्ड स्नैक्स संयंत्र में अपना निवेश 500 करोड़ रुपये से बढ़ाकर लगभग 814 करोड़ रुपये कर दिया है, जिससे प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से 1,500 नौकरी पैदा हुई हैं। उन्होंने कहा कि भारत में खपत बढ़नी तो अभी शुरू हुई है और रिपोर्ट के अनुसार भारत 2025 तक तीसरा सबसे बड़ा खपत बाजार होगा। उन्होंने त्योहारी सीजन में स्नैक्स, जूस और अन्य पेय की मांग बढ़ने की उम्मीद जताई।

माता वैष्णों देवी के भक्तों के लिए खुशखबरी, 15 अक्टूबर से फिर शुरू होगी 'वंदे भारत ट्रेन'

नई दिल्ली: नई दिल्ली से जम्मू-कश्मीर के कटरा तक चलने वाली नयी दिल्ली-कटरा वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन सेवा 15 अक्टूबर से दोबारा शुरू हो जायेगी। केन्द्रीय मंत्री डॉ जितेन्द्र सिंह ने रविवार को ट्वीट कहा, '' रेल मंत्री पीयूष गोयल के साथ दो दिन पहले हुई चर्चा के बाद रेल मंत्रालय ने 15 अक्टूबर से नयी दिल्ली-कटरा वैष्णो देवी वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन सेवा को दोबारा शुरू करने की घोषणा की है।'' उन्होंने कहा कि वंदे भारत ट्रेन सेवा के दोबारा शुरू होने से वैष्णो देवी मंदिर की यात्रा पर जाने वाले तीर्थयात्रियों को काफी राहत मिलेगी। डॉ सिंह वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन सेवा को दोबारा शुरू करवाने के लिए रेल मंत्रालय के लगातार संपक में बने हुए थे।दरअसल, कोरोना वायरस (कोविड-19) महामारी के प्रकोप के कारण मार्च से ही देश में ट्रेन सेवाएं बाधित हैं जिन्हें धीरे-धीरे चरणबद्ध तरीके से शुरू किया जा रहा है। गौरतलब है कि सेमी-हाई स्पीड वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन सेवा की शुरुआत देश में पिछले वर्ष अक्टूबर से की गयी थी। इससे केवल आठ घंटे में नयी दिल्ली से जम्मू-कश्मीर के कटरा पहुंचा जा सकता है। यह ट्रेन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की महत्वाकांक्षी 'मेक-इन इंडिया' परियोजना का हिस्सा है।

शुरुआती स्तर की मोटरसाइकिल पर कार्य जारी: एचएमएसआई

नयी दिल्ली, होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया (एचएमएसआई) देश में अधिक क्षमता वाली बाइक और स्कूटर में अपनी मौजूदगी कायम करने के बाद अब शुरुआती स्तर की मोटरसाइकिल पर काम कर रही है।कंपनी देश की दूसरी सबसे बड़ी दुपहिया विनिर्माता है और अब वह ग्रामीण तथा अर्धशहरी क्षेत्रों के बाजार में हिस्सेदारी पाने के लिए 110 सीसी से कम इंजन क्षमता के साथ शुरुआती स्तर की मोटरसाइकिल पर काम कर रही है। एचएमएसआई के निदेशक (बिक्री और विपणन) यदविंदर सिंह गुलेरिया ने कहा, ''हम इस अंतर (शुरुआती स्तर की बाइक) से अवगत हैं और इस पर काम पहले ही प्रगति पर है।' उन्होंने कहा कि कंपनी ने अधिक इंजन क्षमता वाले खंड में अच्छी प्रगति की है और उसने हाल के दिनों में उत्पाद पोर्टफोलियो का विस्तार किया है। उन्होंने कहा, ''इस पर काम जारी है। मैं उस समय के बारे में नहीं बता सकता, जब हम यह उत्पाद (शुरुआती स्तर की बाइक) लाएंगे, लेकिन भविष्य में ये आएगा जरूर। ''

पिछले पांच सालों में डिजिटल भुगतान कई गुना बढ़ा:आरबीआई

मुंबई।

भारतीय रिजर्व बैंक के अर्थव्यवस्था में नकद की जगह दूसरे माध्यमों से लेनदेन को बढ़ावा देने के प्रयासों का असर दिखने लगा है और पिछले पांच वर्षों के दौरान देश में डिजिटल भुगतान कई गुना बढ़ा है।केंद्रीय बैंक के ताजा आंकड़ों के मुताबिक 2015-16 से 2019-20 के बीच डिजिटल भुगतान 55.1 प्रतिशत वार्षिक चक्रवृद्धि दर से बढ़ा है। इस दौरान डिजिटल भुगतान की मात्रा मार्च 2016 में 593.61 करोड़ से बढ़कर मार्च 2020 तक 3,434.56 करोड़ हो गई। इस दौरान लेनदेन का मूल्य 15.2 प्रतिशत की वार्षिक चक्रवृद्धि दर के साथ 920.38 लाख करोड़ रुपये से बढ़कर 1,623.05 लाख करोड़ रुपये हो गया है। आरबीआई के आंकड़ों के अनुसार 2016-17 में डिजिटल भुगतान इससे पिछले वर्ष की तुलना में 593.61 करोड़ से बढ़कर 969.12 करोड़ हो गया, जबकि इस लेनदेन का मूल्य बढ़कर 1,120.99 लाख करोड़ रुपये हो गया।इसी तरह साल दर साल इन आंकड़ों में इजाफा होता रहा। हालांकि, वित्त वर्ष 2019-20 में इसमें भारी उछाल देखने को मिला, जब लेनदेन की संख्या जबरदस्त तेजी के साथ बढ़कर 3,434.56 हो गई, हालांकि इस दौरान कुल मूल्य में कुछ कमी आई। मूल्य के हिसाब से यह ,623.05 लाख करोड़ रुपये का रहा। कोरोना वायरस महामारी और लॉकडाउन के मद्देनजर डिजिटल लेनदेन तेजी से बढ़ा है।

भारतमाला परियोजना के अगस्त तक बने 2,921 किलोमीटर राजमार्ग, 322 परियोजनाओं के ठेके दिये गये

नयी दिल्ली, सरकार ने रविवार को कहा कि उसने भारतमाला परियोजना के तहत 2,921 किलोमीटर राजमार्गों का निर्माण किया है।सरकार का लक्ष्य महत्वाकांक्षी भारतमाला परियोजना के तहत लगभग 5.35 लाख करोड़ रुपये की लागत से 34,800 किलोमीटर राजमार्ग बनाने का है।सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय ने एक बयान में कहा, ''अगस्त 2020 तक 12,413 किलोमीटर के लिये कुल 322 परियोजनाओं के ठेके भारतमाला परियोजना के तहत दिये गये हैं। परियोजना के तहत 2,921 किलोमीटर राजमार्ग का निर्माण किया गया है।''

सेल की चालू वित्त वर्ष में एचएच का व्यावसायिक उत्पादन शुरू करने की योजना

नयी दिल्ली, सरकारी इस्पात कंपनी सेल की योजना चालू वित्त वर्ष में हेड हार्डेन्ड (एचएच) रेल का व्यावसायिक उत्पादन शुरू करने की है। सेल के चेयरमैन अनिल कुमार चौधरी ने इसकी जानकारी दी। एचएच रेल का इस्तेमाल उच्च गति वाले मालवाहक गालियारे और मेट्रो रेल परियोजनाओं की पटरी बिछाने में किया जाता है। ये पटरियां सामान्य पटरियों की तुलना में लगभग 50 प्रतिशत अधिक दबाव सहन करती हैं। सेल ने छत्तीसगढ़ के भिलाई इस्पात संयंत्र (बीएसपी) में नये यूनिवर्सल रेल मिल (यूआरएम) में एचएच रेल के उत्पादन के लिये सुविधाएं स्थापित की हैं। उन्होंने एचएच पटरी के उत्पादन के संबंध में पूछे गये एक सवाल का जवाब देते हुए पीटीआई-भाषा से कहा, ''हालांकि, चालू वित्त वर्ष के दौरान कोविड-19 महामारी के कारण संयंत्र को स्थापित करने में देरी हुई है, कंपनी भारतीय रेल की आवश्यकता के अनुसार हेड हार्डेन्ड रेल का व्यावसायिक उत्पादन शुरू करने की योजना बना रही है।'' उन्होंने कहा कि रेलवे उच्च गति और एक्सल लोड को अपना रहा है और हाल ही में उसे आर 260 ग्रेड रेल की आवश्यकता हुई है। सेल के भिलाई इस्पात संयंत्र ने सफलतापूर्वक रेलवे को आर 206 ग्रेड की वैनेडियम मिश्र धातु वाली रेल की आपूर्ति की है। चौधरी ने कहा, ''सेल का रेलवे के साथ एक लंबा रिश्ता है और यह रेलवे के सबसे भरोसेमंद साझेदारों में से एक है।

जीएसटी परिषद सोमवार को तीसरी बार करेगी क्षतिपूर्ति के मुद्दे पर चर्चा

नई दिल्ली।

माल एवं सेवा कर (जीएसटी) परिषद सोमवार को बैठक में तीसरी बार क्षतिपूर्ति के मुद्दे पर चर्चा करेगी। इस बैठक में क्षतिपूर्ति को लेकर आम सहमति बनाने के लिये एक मंत्रिस्तरीय समिति गठित करने के गैर-भाजपा शासित राज्यों के सुझाव पर गौर किया जा सकता है। सूत्रों ने इसकी जानकारी दी।

तीसरी बार जीएसटी क्षतिपूर्ति को लेकर चर्चा

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की अध्यक्षता में राज्यों के वित्त मंत्रियों वाली परिषद लगातार तीसरी बार जीएसटी राजस्व में कमी की क्षतिपूर्ति को लेकर चर्चा करने वाली है। विपक्षी पार्टियों द्वारा शासित कुछ राज्य यह सुझाव दे रहे हैं कि इस मामले में आम सहमति बनाने के लिये मंत्रिस्तरीय समिति का गठन किया जाना चाहिये। हालांकि भाजपा शासित कर्ज लेने के दिये गये विकल्प पर बीजेपी शासित राज्य पहले ही केंद्र से सहमत हो चुके हैं और इनका मानना है कि उन्हें अब कर्ज लेने की दिशा में आगे बढ़ने की मंजूरी दी जानी चाहिये, ताकि उन्हें शीघ्र धन उपलब्ध हो सके।

जीएसटी राजस्व में 2.35 लाख करोड़ कमी का अनुमान

सूत्रों ने कहा कि जीएसटी परिषद की 43वीं बैठक का एकसूत्रीय एजेंडा क्षतिपूर्ति के मुद्दे पर आगे का रास्ता निकालना है। परिषद ने पिछले सप्ताह हुई आखिरी बैठक में यह निर्णय लिया था कि कार, तंबाकू आदि जैसे विलासिता या अहितकर उत्पादों पर जून 2022 के बाद भी उपकर लगाया जायेगा। हालांकि उक्त बैठक में क्षतिपूर्ति के मुद्दे पर आम सहमति नहीं बन पायी थी। चालू वित्त वर्ष में जीएसटी क्षतिपूर्ति राजस्व में 2.35 लाख करोड़ रुपये की कमी रहने का अनुमान है।

जीएसटी क्रियान्वयन जिम्मेदार

केंद्र सरकार ने अगस्त में राज्यों को दो विकल्प दिया है। पहले विकल्प के तहत रिजर्व बैंक के द्वारा 97 हजार करोड़ रुपये के कर्ज के लिये विशेष सुविधा दिये जाने, तथा दूसरे विकल्प के तहत पूरे 2.35 लाख करोड़ रुपये बाजार से जुटाने का प्रस्ताव है। केंद्र सरकार का कहना है कि जीएसटी क्षतिपूर्ति राजस्व में अनुमानित कमी में महज 97 हजार करोड़ रुपये के लिये जीएसटी क्रियान्वयन जिम्मेदार है, जबकि शेष कमी का कारण कोरोना वायरस महामारी है। कुछ राज्यों की मांग के बाद पहले विकल्प के तहत उधार की विशेष ऋण व्यवस्था को 97 हजार करोड़ रुपये से बढ़ाकर 1.10 लाख करोड़ रुपये कर दिया गया है।

एफपीआई ने अक्टूबर में अब तक भारतीय बाजार में किया 1,086 करोड़ रुपए का शुद्ध निवेश

नई दिल्ली। विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने भारतीय बाजारों में अक्टूबर में अब तक 1,086 करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश किया है। उन्होंने माल एवं सेवा कर (जीएसटी) के संग्रह में सुधार, आर्थिक गतिविधियों में तेजी और सकारात्मक वैश्विक संकेतों सहित अन्य उत्साहजनक कारकों को लेरक निवेश किया है। डिपॉजिटरी के आंकड़ों के मुताबिक, एफपीआई ने आलोच्य अवधि के दौरान शेयरों में 5,245 करोड़ रुपये का निवेश किया जबकि उन्होंने बांड बाजार से 4,159 करोड़ रुपये निकाले। इस तरह उन्होंने 1,086 करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश किया। सितंबर में एफपीआई 3,419 करोड़ रुपये के शुद्ध विक्रेता रहे थे। ग्रो के सह-संस्थापक एवं मुख्य परिचालन अधिकारी (सीओओ) हर्ष जैन ने कहा कि अक्टूबर में अब तक घरेलू और वैश्विक कारकों ने शुद्ध प्रवाह में योगदान दिया है। जैन ने कहा उम्मीद की तुलना में बेहतर (कमाई) प्रदर्शन, जीएसटी संग्रह और अर्थव्यवस्था के सामान्य होने से भारत को एक आकर्षक निवेश गंतव्य बनने में मदद मिल रही है। इसके अलावा, वैश्विक बाजार कोविड-19 से पहले के स्तरों पर प्रदर्शन कर रहे हैं। इसने भी निवेशकों की धारणा को बेहतर किया है।

मेल और एक्सप्रेस ट्रेन से हटाए जाएंगे स्लीपर कोच, सिफ एसी बोगी रहेंगी,

नई दिल्ली:

भारतीय रेलवे रेल नेटवर्क को अपग्रेड करने पर विचार कर रही है। स्वर्णिम चतुर्भुज योजना के तहत लंबी दूरी की मेल और एक्सप्रेस ट्रेनों से स्लीपर कोच को पूरी तरह खत्म कर दिया जाएगा। यानी इन ट्रेनों में सिर्फ एसी बोगियां ही रहेंगी। इस तरह की ट्रेनों रफ्तार 130/160 किमी प्रति घंटा होगी। दरअसल, मेल और एक्सप्रेस ट्रेनों के 130 या उससे अधिक की रफ्तार से चलने पर नॉन एसी कोच तकनीकी समस्याएं पैदा करती हैं। इसलिए इस तरह की सभी ट्रेनों से स्लीपर कोच को खत्म कर दिया जाएगा।लंबी दूरी की मेल और एक्सप्रेस ट्रेनों में फिलहाल 83 एसी कोच लगाने का प्रस्ताव है. हालांकि इस साल के अंत तक कोच की संख्या बढ़ाकर 100 कर दी जाएंगी। वहीं अगले साल कोच की संख्या 200 किए जाने का प्लान है। यानी कि आने वाले समय में यात्रा और ज्यादा आरामदायक और कम समय लेने वाला होगा। अच्छी बात यह है कि इसके बदले में किराया भी सामान्य एसी कोच के मुकाबले कम ही रखे जाने का प्लान है।हालांकि इसका यह मतलब कतई नहीं है कि अब नॉन एसी कोच होंगे ही नहीं। असल में नॉन एसी कोच वाली ट्रेन की रफ्तार एसी कोच वाली ट्रेनों के मुकाबले कम होगी। जानकारी की मुताबिक ऐसी ट्रेन 110 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चलाई जाएंगी। यह सारा काम चरणबद्ध तरीके से किया जाएगा, साथ ही नए अनुभवों से सबक लेते हुए ही आगे की योजना बनाई जाएगी। इससे पहले इंडियन रेलवे ने बुधवार को 39 नई पैसेंजर ट्रेनों को चलाने की मंजूरी दी है। ये सभी ट्रेनें स्पेशल ट्रेनों के रूप में चलाई जाएंगी। रेलवे की तरफ से सभी 39 ट्रेनों की लिस्ट जारी कर दी गई है, लेकिन अभी इन्हें कब से चलाया जाएगा, इसकी जानकारी नहीं दी गई है। रेलवे के मुताबिक जल्द ही ये 39 नई स्पेशल ट्रेनें पटरी पर दौड़ती नजर आएंगी। सेंट्रल रेलवे के मुताबिक, 9 अक्टूबर से छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस और नागपुर, पुणे, गोंदिया और सोलापुर के बीच 10 स्पेशल पैसेंजर ट्रेनों को चलाया जाएगा. इन ट्रेनों में जनरल डिब्बे नहीं होंगे। बल्कि ये पूर्ण रूप से स्पेशल पैसेंजर ट्रेनें होंगी, जिसमें बिना कंफर्म टिकट के यात्रा की इजाजत नहीं होगी। साथ ही इन ट्रेनों में भी वर्तमान में चल रहीं अन्य ट्रेनों की तरह ही इन ट्रेनों में भी कोरोना वायरस से संबंधित सभी नियमों का पालन करना होगा। इसमें सोशल डिस्टेंसिंग, सैनिटाइजेशन, चेहरे पर मास्क आदि शामिल है। 17 अक्टूबर से प्राइवेट तेजस ट्रेनें भी दौड़ने लगेंगी. ढ्ढक्रष्टञ्जष्ट ने बुधवार को इस बात की घोषणा की है। तेजस ट्रेन के लिए टिकट बुकिंग की शुरुआत 8 अक्टूबर से हो गई है। बता दें कि कोरोना काल में तेजस एक्सप्रेस ट्रेनों का परिचालन 7 महीने से बंद है। लेकिन अब इसे शुरू किया जा रहा है। कंपनी के मुताबिक 17 अक्टूबर से लखनऊ-नई दिल्ली और अहमदाबाद-मुंबई रूट पर इन ट्रेनों का परिचालन दोबारा शुरू होगा।

राज्य सरकारों से मंजूरी के इंतजार में हैं मल्टीप्लेक्स

नई दिल्ली:

केंद्र सरकार से सिनेमा व थियेटर को पुनः खोलने संबंधी दिशानिर्देश जारी कर दिये जाने के बाद भी मल्टीप्लेक्स चलाने वालों को अभी इसके लिये राज्य सरकारों की मंजूरी का इंतजार है। केंद्र सरकार ने 50 प्रतिशत क्षमता के साथ 15 अक्टूबर से सिनेमा हॉल और थियेटरों को परिचालन पुनः शुरू करने की मंजूरी दे दी है। केंद्र सरकार ने इसके लिये मानक परिचालन प्रक्रिया (एसओपी) भी जारी कर दिया है। हालांकि केंद्र सरकार ने इस बारे में अंतिम निर्णय लेने का अधिकार राज्य सरकारों को दिया है। पीवीआर, आइनॉक्स, सिनेपोलिस और मुक्ता सिनेमाज सहित मल्टीप्लेक्स चलाने वाली कंपनियां सुरक्षित आपसी दूरी और संपर्क से मुक्त संचालन सुनिश्चित करते हुए 50 प्रतिशत क्षमता के साथ 15 अक्टूबर से पुनः परिचालन शुरू करने के लिये तैयार हैं।

पीवीआर के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) गौतम दत्ता ने कहा कि 22 राज्यों में 875 स्क्रीन चलाने वाली उनकी कंपनी केवल 496 स्क्रीन खोलने में सक्षम होगी, क्योंकि केवल 14 राज्य सरकारों ने अपने यहां मल्टीप्लेक्स को फिर से खोलने की अनुमति दी है। कंपनी को महाराष्ट्र की राज्य सरकार से अभी तक कोई निर्देश नहीं मिला है, जहां वह सबसे अधिक स्क्रीन संचालित करती है। उन्होंने कहा, 'महाराष्ट्र हमारे लिये एक बहुत ही महत्वपूर्ण बाजार है, जो हमारे स्क्रीन शेयर का सबसे बड़ा हिस्सा है।' मैक्सिकन मूवी थिएटर चेन सिनेपोलिस ने कहा कि कंपनी पूरी तरह से तैयार है और सरकार द्वारा जारी निर्देशों का पालन करेगी। सिनेपोलिस इंडिया के मुख्य कार्यकारी अधिकारी देवांग संपत ने कहा, 'हम केंद्र सरकार के इस कदम का स्वागत करते हैं। 350 स्क्रीन के लगभग 75 प्रतिशत स्क्रीन खुले रहेंगे। हम अन्य राज्य सरकारों से अनुरोध कर रहे हैं ताकि हम जल्द से जल्द बाकी स्क्रीन खोल सकें।' सुभाष घई की फिल्म निर्माण कंपनी मुक्ता आर्ट्स, जो ब्रांड नाम 'मुक्ता ए 2 सिनेमाज़' के तहत मल्टीप्लेक्स चेन चलाती है, ने कहा कि वह लगभग 40 प्रतिशत स्क्रीन खोलने में सक्षम होगी। आईएनओएक्स लीजर के सीईओ आलोक टंडन ने कहा, 'हम निजी स्क्रीनिंग के साथ भी कुछ नया करना चाहते हैं, जहां परिवार या मेहमानों के छोटे समूह पूरे सभागार को बुक कर सकें और अपनी पसंद की सामग्री का आनंद ले सकें।'

दिल्ली एयरपोर्ट के Duty Free Stores से करें ऑनलाइन शॉपिंग, शुरू हुई 'क्लिक एंड कलेक्ट' सर्विस

नई दिल्ली।

दिल्ली हवाई अड्डे के शुल्क मुक्त स्टोर (**Duty Free Stores**) ने अंतरराष्ट्रीय यात्रियों के लिए 'क्लिक एंड कलेक्ट' सेवा शुरू की है, जिसके तहत ये यात्री उत्पादों की ऑनलाइन बुकिंग करा सकते हैं और यात्रा के दिन स्टोर से अपना सामान ले सकते हैं। इसके लिए **DDFS** दिल्ली इंटरनेट एयरपोर्ट लिमिटेड (**DIAL**) और त्नरूक्र एयरपोर्ट के साथ ज्वाइंट वेंचर में है। **DDFS** की लॉन्च हुई सुविधा का इस्तेमाल इंटरनेशनल पैसेंजर्स कर सकेंगे।

वेबसाइट पर कराना होगा पंजीकरण

दिल्ली इंटरनेशलन एयरपोर्ट लिमिटेज (डीआईएएल) ने कहा कि इस सुविधा का लाभ उठाने के इच्छुक यात्रियों को सबसे पहले डीडीएफएस की वेबसाइट पर अपना पंजीकरण कराना होगा। बयान में कहा गया कि शराब की ऑनलाइन खरीदारी 25 साल से अधिक उम्र के यात्री ही कर सकते हैं। हवाई अड्डे पर शुल्क मुक्त स्टोर दिल्ली शुल्क-मुक्त सेवा प्राइवेट लिमिटेड (डीडीएफएस) द्वारा संचालित है।

रजिस्ट्रेशन के बाद बुक होगा सामान

डीआईएएल की ओर जारी किए गए बयान में कहा गया कि, 'ग्राहक शराब, तम्बाकू, मेकअप व स्किन केयर्स, परफ्युम्स, समेत अन्य सामान को ऑनलाइन सेलेक्ट कर बुक कर सकते हैं।' ट्रैवल करने की तारीख से पहले इन सामान के लिए ऑर्डर बुक किया जा सकता है। ऑर्डर बुक होने के बाद आपको एक रसीद दी जाएगी। यात्रा के दिन रसीद दिखाकर अपना सामान स्टोर से कलेक्ट कर सकेंगे।

बुरा वक्त बीत गया, आर्थिक सुधार की गति उम्मीद से अधिक तेज: केकी मिस्त्री

नई दिल्ली।

आवास ऋण का कारोबार करने वाली वित्तीय कंपनी एचडीएफसी लिमिटेड के सीईओ केकी मिस्त्री ने शनिवार को कहा कि सबसे बुरा वक्त पीछे छूट चुका है और आर्थिक सुधार की गति उम्मीद से अधिक तेज है।

ब्याज दरे अपने निचले स्तर पर

उन्होंने कहा कि दिसंबर तिमाही के दौरान वृद्धि इससे पिछले साल की समान तिमाही के मुकाबले बेहतर रह सकती है। साथ ही उन्होंने जोड़ा कि भारतीय अर्थव्यवस्था ने अपना लचीलापन साबित किया है। मिस्त्री ने अखिल भारतीय प्रबंधन संघ (एआईएमए) द्वारा आयोजित एक ऑनलाइन संवाद में कहा कि अनुकूल ब्याज दरों का दौर आगे भी जारी रहेगा और आर्थिक गतिविधियों में गति तेज होने और मुद्रास्फीति के दबाव बढ़ने के बाद ही दरें बढ़ेंगी। हालांकि, उन्होंने कहा कि ब्याज दरे अपने निचले स्तर पर आ चुकी हैं।

सरकार रोजगार देने वाले क्षेत्रों की करे पहचान

एआईएमए ने एक विज्ञप्ति में मिस्त्री के हवाले से कहा कि सरकार को रोजगार देने वाले क्षेत्रों की पहचान करनी चाहिए और उनके मुद्दों को प्राथमिकता के साथ हल करना चाहिए। उन्होंने कहा कि आवास और अचल-सम्पत्ति के कारोबार में कृषि के बाद सबसे ज्यादा रोजगार मिले हुए हैं। इसमें काम करने वालों को निम्न कौशल की आवश्यकता होती हे। मिस्त्री ने विनिर्माण क्षेत्र को भी मदद दिए जाने की आवश्यकता पर बल दिया।

इकाई अंक में अवरुद्ध ऋणों का अनुपात

कहा कि आवास एवं अचल सम्पत्ति क्षेत्र में अवरुद्ध ऋणों का अनुपात इकाई अंक में ही रहेगा। उन्होंने कहा कि कोराना वायरस महामारी से उत्पन्न परिस्थितयों में जिनकी नौकरियां गयी उन्में से अधिकांश निम्न आयवर्ग के श्रमिक रहे। ऐसे वर्ग के लोगों की नौकरियां ज्यादा नहीं छूटीं जो आवास कर्ज लेते हैं।

खुशखबरी! प्रवासी मजदूरों के लिए 50 हजार घर बनाएगी सरकारी तेल कंपनियां

नई दिल्ली।

पेट्रोलियम मंत्रालय ने इंडियन ऑयल कॉर्प (आईओसी) जैसी अन्य सार्वजनिक पेट्रोलियम कंपनियों को प्रवासी मजदूरों को किराये पर देने के लिये 50 हजार घर बनाने को कहा है। कोरोना वायरस महामारी की रोकथाम के लिये लगाये गये लॉकडाउन के मद्देनजर लाखों मजदूरों के शहरों से गांवों की ओर पलायन करने के बाद सरकार की किफायती किराये के आवास विकसित करने की योजना है। इस विषय पर हुई एक बैठक में शामिल तीन अधिकारियों के अनुसार, मंत्रालय चाहता है कि आईओसी और हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्प लिमिटेड (एचपीसीएल), भारत पेट्रोलियम कॉर्प लिमिटेड (बीपीसीएल), गेल इंडिया लिमिटेड और ऑयल एंड नेचुरल गैस कॉर्प (ओएनजीसी) जैसे उसके नियंत्रण वाले सार्वजनिक उपक्रम अपने-अपने पास उपलब्ध भूखंडों पर घरों का निर्माण करें। उन्होंने कहा कि बैठक की अध्यक्षता तेल मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने की, जिन्होंने सार्वजनिक उपक्रमों को जल्द से जल्द आवास इकाइयों के निर्माण की योजना बनाने को कहा है। मंत्रालय ने पांच अक्टूबर को बैठक के बारे में ट्वीट किया था,

जिसमें कहा गया था कि प्रधानमंत्री ने किफायती आवास योजना के तहत तेल और गैस परियोजनाओं पर काम करने वाले प्रवासियों व शहरी गरीबों को किराये पर मकान देने की दिशा में सार्वजनिक उपक्रमों द्वारा किये गये प्रयासों की समीक्षा करने के लिये पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय तथा आवास एवं शहरी मामलों के मंत्रालय के अधिकारियों के साथ बैठक की।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

Sports

हंगरी दौरे के लिए जूडो टीम का खर्चा वहन करेगी सरकार

नई दिल्ली। हंगरी के बुडापेस्ट में होने वाली ग्रैंडस्लैम 2020 जूडो प्रतियोगिता के लिए सरकार भारतीय टीम का पूरा खर्चा वहन करेगी। भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) ने रविवार को इसकी जानकारी दी। दो महिला और तीन पुरुष सदस्यों की भारतीय टीम प्रतियोगिता के लिए 19 अक्टूबर को रवाना होगी। रवाना होने से पहले टीम के खिलाड़ियों को कोविड-19 के दो नेगेटिव टेस्ट के चिकित्सा प्रमाणपत्र दिखाने होंगे। महिला टीम में मणिपुर की 25 वर्षीय सुशीला देवी (48 किग्रा) और दिल्ली की 22 वर्षीय तूलिका मान (78 किग्रा) शामिल हैं। इसके अलावा पुरुष टीम में पूर्व ओलंपियन और 28 वर्षीय अवतार सिंह (100 किग्रा), पंजाब के 22 वर्षीय जसलीन सिंह सैनी (66 किग्रा) और 24 वर्षीय विजय यादव (60 किग्रा) शामिल हैं। इस पांच सदस्यीय जूडो टीम में कोच जीवन शर्मा भी होंगे, जो टीम के साथ ही हंगरी के लिए रवाना होंगे। हंगरी के बुडापेस्ट में होने वाले इस आईजीएफ इवेंट में 81 देशों के करीब 645 खिलाड़ियों के भाग लेने की उम्मीद है।

आईपीएल-13

कोहली की बेंगलोर के सामने कोलकाता की चुनौती

शारजाह।

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 13वें सीजन में सोमवार को फॉर्म में चल रही रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर का सामना शारजाह क्रिकेट स्टेडियम में कोलकाता नाइट राइडर्स से होगा। दोनों टीमों ने अपने पिछले मैचों में जीत हासिल की है। विराट कोहली की कप्तानी वाली बेंगलोर ने महेंद्र सिंह धोनी की कप्तानी वाली चेन्नई सुपर किंग्स को एकतरफा मुकाबले में हराया। वहीं कोलकाता ने किंग्स इलेवन पंजाब के मुंह से जीत छीन ली थी। शुरुआत में बेंगलोर का प्रदर्शन उतना बेहतर नहीं रहा था, लेकिन धीरे-धीरे इस टीम ने लय हासिल की और वह अब बेहतरीन फॉर्म में है। कप्तान कोहली बीत तीन मैचों में अपनी फॉर्म का प्रदर्शन कर चुके हैं। चेन्नई के खिलाफ उन्होंने अकेले खड़े रहकर नाबाद 90 रन बनाए थे और टीम को मजबूत स्कोर दिया था जिसका बचाव करने में उनकी टीम सफल भी रहे थे। कोहली के अलावा बेंगलोर के सलामी बल्लेबाज देवदत्त पडिकल शुरू से फॉर्म में ही हैं। उन्होंने अपने प्रदर्शन से खासा प्रभावित किया है। एरॉन फिंच के रूप में उनके पास अच्छा सलामी जोड़ीदार है। चेन्नई के खिलाफ फिंच विफल रहे थे, लेकिन फिंच ने भी अभी तक अच्छा किया है। अब्राहम डिविलियर्स के रूप में टीम के पास एक और स्टार बल्लेबाज है। इन सभी के रहते टीम की बल्लेबाजी मजबूत दिखती है। निचले क्रम में शिवम दुबे हैं जो बड़े शॉट्स लगा सकते हैं। पिछले मैच में बेंगलोर ने क्रिस मोरिस को मौका दिया था। मोरिस भी उन खिलाड़ियों में से जाने जाते हैं जो बड़े शॉट्स लगा सकते हैं। वहीं, गेंदबाजी में भी कोहली को ज्यादा चिंता नहीं है। श्रीलंका के इसुरु उदाना ने नवदीप सैनी के साथ मिलकर तेज गेंदबाजी के भार को अच्छी तरह बांटा है। मौरिस ने चेन्नई के खिलाफ तीन विकेट लिए थे। मोरिस ने चार ओवरों में सिर्फ 19 रन दिए थे और सैनी ने 18 रन दिए थे। स्पिन में युजवेंद्र चहल तो तुरुप का इक्का कोहली के लिए हैं ही। वॉशिंगटन सुंदर ने चेन्नई के खिलाफ दो अहम विकेट दिला अपना पक्ष मजबूत किया है। शारजाह का मैदान छोटा है और ऐसे में स्पिनरों के साथ जाना थोड़ा जोखिम भरा हो सकता है। दुबे को मिलाकर कोहली पिछले मैच में छह गेंदबाजों के साथ उतरे थे। संभवत- इम मैच में कोहली एक अतिरिक्त बल्लेबाज को शामिल करें। वहीं कोलकाता के स्पिनरों, सुनील नरेन और वरुण चक्रवर्ती ने टीम के लिए जो प्रदर्शन किया है वो किसी भी टीम के लिए चिंताजनक हो सकता है। पिछले मैच में भी सुनील ने दो शानदार ओवर फेंक पंजाब को जीतने नहीं दिया था। वरुण भी मध्य के ओवरों में उनका अच्छा साथ देते हैं। कप्तान दिनेश कार्तिक भी इस बात को सरेआम कबूल चुके हैं कि यह दोनों उनके लिए बेहद अहम है। लेकिन सामने विश्व के सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाजों में से एक कोहली होंगे और मैदान भी छोटा होगा। ऐसे में सुनील और वरुण कितने असरदार होते हैं वो देखना होगा। तेज गेंदबाजी में पिछले मैच में शिवम मावी नहीं खेले थे। उनके स्थान पर प्रसिद्ध कृष्णा को मौका दिया गया था। प्रसिद्ध ने भी काफी प्रभावित किया था। कोलकाता का तेज गेंदबाजी आक्रमण मजबूत है। पैट कमिंस, कमलेश नागरकोटी के अलावा प्रसिद्ध और मावी, सभी उम्दा प्रदर्शन कर रहे हैं।

विपत्ति को मौके में बदलने में विश्वास रखती हूं : मानषी जोशी

नई दिल्ली।

पैरालम्पिक खेलों में इस बार पैराबैडमिंटन को पहली बार शामिल किया जाना था जिसके लिए मानसी जोशी काफी मेहनत कर रही थीं, लेकिन टोक्यो में होने वाले पैरालम्पिक खेल कोविड के कारण एक साल के लिए स्थगित कर दिए गए। वैसे यह खेल इसी साल 25 अगस्त से छह सितंबर-2020 के बीच खेले जाने थे लेकिन इनका आयोजन अगले साल 25 अगस्त से पांच सितंबर-2021 के बीच होगा। मानसी ने कहा, यह साल किसी के भी आसान नहीं रहा है। मैं पैरालम्पिक खेलों को बड़े उत्साह के साथ इंतजार कर रही थी, लेकिन इन्हें स्थगित कर दिया गया। मानसी ने बताया कि उन्होंने हाल ही में मुंबई में नया कृत्रिम पैर लगवाया है और अगले साल होने वाले पैरालम्पिक खेलों तक वह इसके साथ अच्छे से रम जाएंगी। उन्होंने कहा, इस बदलाव के साथ सामंजस्य बिठाने में थोड़ा मुश्किल होगा, आपको काफी बारीकियां सीखनी होती हैं। लेकिन मैं विपत्ति को मौके में बदलने में विश्वास रखती हूं। मैं कड़ी मेहनत करना शुरू करूंगी और अगले साल अपने शीर्ष खेल तक पहुंच जाऊंगी। मानसी ने 2011 में एक हादसे में अपना पैर गंवा दिया था। उन्होंने पिछले साल स्विट्जरलैंड के बासेल में विश्व चैम्पियनशिप पर कब्जा जमाया था, हालांकि उनका इवेंट एसएल3 एकल पैरालम्पिक में नहीं हैं। वह महिला युगल और मिश्रित युगल के

जरिए ही क्वालीफाई कर सकती हैं। वह भारत की पहली पैरा खिलाड़ी बनी हैं जिन्हें बार्बी ने उनके जैसी ही एक गुडिया बना कर दी है। बार्बी के साथ अपने जुड़ाव पर मानसी ने कहा, बार्बी रोल मॉडल के तौर पर पहचाना जाना और मेरे जैसी ओओएके डॉल मॉडल पाना मेरे लिए सम्मान की बात है।

सुनील नरेन के संदिग्ध गेंदबाजी एक्शन की शिकायत

अबू धाबी। कोलकाता नाइट राडर्स के ऑफ स्पिनर सुनील नरेन की एक बार फिर संदिग्ध गेंदबाजी एक्शन को लेकर शिकायत हुई है। आईपीएल-13 में किंग्स इलेवन पंजाब के खिलाफ खेले गए मैच में उनके गेंदबाजी एक्शन की शिकायत की गई। बीसीसीआई ने शनिवार रात को एक बयान जारी कर बताया, नरेन के गेंदबाजी एक्शन की शिकायत मैदानी अंपायर ने आईपीएल के नियम के मुताबिक की। नरेन को चेतावनी दे दी गई है, हालांकि उन्हें टूर्नामेंट में गेंदबाजी करने की अनुमति भी है। बयान के मुताबिक, नरेन के गेंदबाजी एक्शन के खिलाफ अगर एक और शिकायत आती है तो उन्हें आईपीएल-2020 में गेंदबाजी करने से प्रतिबंधित कर दिया जाएगा और वह तब तक गेंदबाजी नहीं कर सकेंगे जब तक बीसीसीआई उनके गेंदबाजी एक्शन को मंजूरी न दे दे। यह पहली बार नहीं है, इससे पहले भी नरेन के गेंदबाजी एक्शन की शिकायत की गई थी और उन्होंने अपना एक्शन बदला भी था। 2014 में ही कोलकाता के साथ चैम्पियंस लीग टी-20 टूर्नामेंट जो अब खत्म कर दिया गया, में खेलते हुए उनके गेंदबाजी एक्शन की शिकायत की गई थी। नरेन ने अभी तक इस आईपीएल में छह मैच खेले हैं और पांच विकेट लिए हैं।

राजस्थान रॉयल्स ने सनराइजर्स हैदराबाद को 5 विकेट से हराया

दुबई।

राहुल तेवतिया (45*) और रियान पराग (42*) की शानदार पार्टनरशिप की बदौलत इंडियन प्रीमियर लीग (IPL) के एक रोमांचक मैच में राजस्थान रॉयल्स ने सनराइजर्स हैदराबाद को विकेट से हरा दिया। आखिरी 5 ओवरों में दोनों बल्लेबाजों ने 69 रन बनाकर हैदराबाद से जीत छीन ली। दुबई इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में खेले गए इस मैच में हैदराबाद के कप्तान डेविड वॉर्नर ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया है। हैदराबाद ने मनीष पांडे (54) और डेविड वॉर्नर (48) की पारी की बदौलत 20 ओवर में 4 विकेट के नुकसान पर 158 रन बनाए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी राजस्थान की टीम ने 5 विकेट रहते इस मैच को जीत लिया। राजस्थान के लिए जयदेव उनादकट, जोफ्रा आर्चर और कार्तिक त्यागी ने 1-1 विकेट लिया। हैदराबाद के लिए खलील अहमद और राशिद खान ने दो-दो विकेट चटकाए।

राजस्थान की पारी:

लक्ष्य का पीछा करने उतरी राजस्थान की शुरुआत बेहद खराब रही। सीजन में अपना पहला मैच खेल रहे राजस्थान रॉयल्स के ऑलराउंडर बेन स्टोक्स ने जोस बटलर के साथ पारी की शुरुआत की। स्टोक्स सिर्फ 5 रन ही बना सके और खलील अहमद की बॉल पर आउट हुए। कप्तान स्टीव स्मिथ 5 रन बनाकर रन आउट हुए। एक वक्त पर राजस्थान के 5 विकेट 78 रन पर गिर चुके थे। राजस्थान को जीत के लिए 8 ओवर में 80 रन की जरुरत थी। ऐसे वक्त में राहुल तेवतिया और रियान पराग ने मोर्चा संभाला को टीम को जीत दिला दी। आखिरी 5 ओवरों में राजस्थान के बल्लेबाजों ने 69 रन बनाए। राहुल तेवतिया 45 और रियान पराग 42 रन बनाकर नॉट आउट रहे।

हैदराबाद की पारी:

टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी हैदराबाद के लिए मनीष पांडे ने सबसे ज्यादा रन बनाए। उन्होंने 44 गेदों में 2 चौके और 3 छक्कों की मदद से 54 रन की अर्धशतकीय पारी खेली। मनीष की IPL करियर में यह 17वीं फिफ्टी है। डेविड वॉर्नर ने 48, जॉनी बेयरस्टो ने 16 और प्रियम गर्ग ने 15 रन का योगदान दिया। केन विलियम्सन 22 रन बनाकर नाबाद रहे। राजस्थान के लिए जयदेव उनादकट, जोफ्रा आर्चर और कार्तिक त्यागी ने 1-1 विकेट लिया।

संक्षिप्त समाचार

गेल ने अस्पताल से कहा, मैं यूनिवर्स बॉस हूं

अबू धाबी। किंग्स इलेवन पंजाब के बल्लेबाज क्रिस गेल ने अस्पताल के बिस्तर पर लेटे हुए अपनी एक फोटो इंस्टाग्राम पर पोस्ट की है और लिखा है कि वे यूनिवर्स बॉस हैं। आईपीएल-13 में शनिवार को पंजाब को कोलकाता के खिलाफ करीबी हार का सामना करना पड़ा था। गेल ने हालांकि इस सीजन एक भी मैच नहीं खेला है। उनकी टीम अंकतालिका में सबसे नीचे बनी हुई है। गेल ने इंस्टाग्राम पोस्ट के साथ लिखा, मैं आपको यह कह सकता हूं। मैं कभी बिना लड़े नहीं हारूंगा। मैं यूनिवर्स बॉस हूं। जो कभी बदलेगा नहीं। आप मुझसे सीख सकते हैं लेकिन ऐसा नहीं है कि मैं जो कुछ भी करूं आप उसे फॉलो करें। मेरी स्टाइल और चमक को नहीं भूलिए। आप लोगों के समर्थन के लिए शुक्रिया। गेल आठ अक्टूबर को सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ पेट खराब होने के कारण मैच नहीं खेल पाए थे। टीम के कोच अनिल कुंबले ने कहा था, गेल आज का मैच खेलने वाले थे लेकिन वो बीमार हैं। उन्हें फूड पोइजनिंग हुई है इसलिए वो अंतिम-11 में नहीं हैं। पंजाब को बल्लेबाजी में समस्या हो रही है। उसके कप्तान लोकेश राहुल और मयंक अग्रवाल को छोड़कर कोई और बल्लेबाज रन नहीं कर पा रहा है।

हेटमायेर को पुल करना सिखा रहे हैं पोंटिंग

शारजाह। दिल्ली कैपिटल्स के बल्लेबाज शिमरन हेटमायेर ने कहा है कि टीम के मुख्य कोच रिकी पोंटिंग ने पुल शॉट को सुधारने में उनकी काफी मदद की है। हेटमायेर ने शुक्रवार को राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ मिली जीत में 24 गेंदों पर 45 रन बनाए थे। उन्होंने पहला छक्का पुल शॉट पर मारा था। हेटमायेर ने कहा, रिकी के साथ होना काफी अच्छा है। वह शानदार इंसान हैं। वह इस समय मेरे पुल शॉट पर काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा, उन्होंने बीते कुछ मैचों में देखा है कि गेंदबाज मुझे छोटी गेंद फेंक रहे हैं। इसलिए वो इस समय मेरे पुल शॉट पर काम कर रहे हैं और उन्होंने अभी तक मेरे साथ अच्छा काम किया है। वह मुझे एक बेहतर फिनिशर बनाने पर काम कर रहे है और मैं धीरे-धीरे वहां पहुंच रहा हूं। आस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान ने अपने जीवन की अधिकतर क्रिकेट तेज और उछालभरी पिचों पर खेली है और उन्हें पुल शॉट खेलने वाले सबसे अच्छे बल्लेबाजों में गिना जाता है। हेटमायेर शुरू में इसलिए संघर्ष कर रहे थे क्योंकि उन्हें शुरू से गेंदबाजों पर आक्रमण करने को कहा जा रहा था। उन्होंने कहा, मैं अब यह सुनिश्चित करने की कोशिश कर रहा हूं कि मैं एक छक्का मारूं। कम से कम एक छक्का एक मैच में। मैं इस समय इसी पर काम कर रहा हूं। उन्होंने कहा कि यह रोल उनके लिए नया है और इसलिए वो इसमें संघर्ष कर रहे हैं। उन्होंने कहा, मैं लगातार हर मैच के साथ अच्छा होने पर मेहनत कर रहा हूं।

केनिन को हराकर स्वितेक ने जीता अपना पहला ग्रैंड स्लैम, जीत के बाद कहा- मेरे लिए यह शानदार पल

पेरिस।

पोलैंड की युवा महिला टेनिस खिलाड़ी इग स्वितेक ने शनिवार को फ्रेंच ओपन के एकल वर्ग का खिताब अपने नाम कर लिया। स्वितेक ने फाइनल में आस्ट्रेलियन ओपन विजेता अमेरिका की सोफिया केनिन को मात दी। पोलैंड की खिलाड़ी ने केनिन को सीधे सेटों में 6-4, 6-1 से मात दे अपना पहला ग्रैंड स्लैम खिताब जीता। 19 साल की स्वितेक 2005 के बाद से फ्रेंच ओपन जीतने वाली सबसे युवा खिलाड़ी हैं। उनसे पहले स्पेन के राफेल नडाल ने 19 साल ही उम्र में ही यह खिताब जीता था। स्वितेक इसी के साथ अपने देश की पहली गैंड स्लैम विजेता बन गई हैं। केनिन अपने दूसरे ग्रैंड स्लैम खिताब की ओर देख रही थीं लेकिन उसे हासिल नहीं कर पाई।

मेरे लिए यह शानदार पल, क्योंकि मैंने नडाल को हमेशा यह ट्रॉफी उठाते देखा

बीबीसी की मुताबिक मैच के बाद स्वितेक ने कहा कि मुझे नहीं पता कि मैं किसका शुक्रिया अदा करूं। पहले तो मैं यह कहना चाहती हूं कि मैं स्पीच देने में अच्छी नहीं हूं, क्योंकि मैंने अपना आखिरी टूर्नामेंट दो साल पहले जीता था। उन्होंने कहा कि मैं हर उस इंसान को धन्यवाद देना चाहती हूं, जिसने इस मुश्किल समय में यह टूर्नामेंट आयोजित करने में मदद की। मेरे लिए यह शानदार पल है, क्योंकि मैं राफेल नडाल को हमेशा यह ट्रॉफी उठाते देखा है। अब मैंने उठाई है।

स्वितेक 1992 में मोनिका सेलेस के बाद फ्रेंच ओपन जीतने वाली सबसे युवा महिला

बीबीसी के मुताबिक, पूर्व जूनियर विंबलडन विजेता स्वितेक 1992 में मोनिका सेलेस के बाद से फ्रेंच ओपन जीतने वाली सबसे युवा महिला बन गई हैं। स्वितेक ने चौथे दौर में रोमानिया की सिमोना हालेप को मात दी थी। स्वितेक पहले सेट में 3-0 से आगे थीं। केनिन ने यहां वापसी की और युवा खिलाड़ी को परेशान किया। इस युवा खिलाड़ी ने ब्रेक प्वाइंट हासिल किया। वह फि 5-3 से आगे हो गईं।

मुंबई के खिलाफ सुपर ओवर की पारी से आत्मविश्वास मिला : कोहली

दुबई। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर के कप्तान विराट कोहली ने कहा है कि आईपीएल-13 में मुंबई इंडियंस के खिलाफ सुपर ओवर में खेली गई पारी से उन्हें अपनी फॉर्म वापस पाने में मदद मिली है। कोहली ने 28 सितंबर को मुंबई इंडियंस के खिलाफ सुपर ओवर में बल्लेबाजी की थी, जहां उन्होंने अपनी टीम को जीत दिलाई थी। कोहली ने इसके बाद शनिवार को चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ 90 रनों की नाबाद पारी खेली। अपनी इस पारी के लिए मैन ऑफ द मैच चुने गए। उनकी पारी के दम पर ही बेंगलोर ने चेन्नई को 170 रनों की चुनौती दी थी जिसके सामने तीन बार की विजेता 37 रनों से मैच हार गई। कोहली ने चेन्नई के खिलाफ मैच से पहले पिछले दो मैचों में 43 और नाबाद 72 रनों की पारी खेली थी। उससे पहले वह 14, 1 और 3 रन ही बना पाए थे। कोहली ने चेन्नई के मैच के बाद कहा, इससे पहले, मैं बहुत ज्यादा कुछ करने की सोच रहा था। अगर आप जिम्मेदारियों के बारे में ज्यादा सोचेंगे, तो इससे आपके ऊपर ज्यादा बोझ बढ़ जाएगा और एक खिलाड़ी के रूप में नहीं खेल पाएंगे। टीम की सफलता के लिए आपके कौशल का होना जरूरी है। उन्होंने कहा, वह सुपर ओवर जहां मुझे रन बनाने थे और वहां मैं आउट हो गया और हम मैच हार गए थे। इसके बाद मैंने ट्रेनिंग का आनंद लेना शुरू कर दिया और फिर बल्लेबाजी के लिहाज से अगले कुछ सेशन काफी अच्छे थे। मैं पिछले मैच में भी गेंद को अच्छे से हिट कर रहा था और आज भी यही चाहता था। इन सभी दिनों में ट्रेनिंग से भी अच्छी मदद मिली है। कोहली ने चेन्नई के खिलाफ 39 गेंदों पर अपना अर्धशतक पूरा किया और फिर इसके बाद उन्होंने 13 गेंदों पर 37 रन और जोड़ डाले। कप्तान ने कहा, हर एक गेंद को हिट करने के बजाय मैं परिस्थितियों को समझने की कोशिश कर रहा था। यही अनुभव है और काफी क्रिकेट खेलने से, खासकर टी-20 क्रिकेट खेलने मैं इतना तो समझ गया हूं कि अगर आप सेट हो चुके हैं तो आप डेथ ओवरों में हिट कर सकते हैं।

कोलकाता के खिलाफ मिली करीबी हार से टूट गए हैं मैक्सवेल

अबू धाबी। ग्लैन मैक्सवेल इस बात से टूटा हुआ महसूस कर रहे हैं कि वह आईपीएल-13 में अपनी टीम किंग्स इलेवन पंजाब को कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ जीत नहीं दिला पाए। पंजाब को शनिवार को मैच जीतने के लिए आखिरी ओवर में 14 रनों की जरूरत थी। आस्ट्रेलिया बल्लेबाज ने पहली तीन गेंदों पर एक चौका मारा और दो रन लिए। सुनील नरेन ने हालांकि कसी हुई गेंदबाजी की और आखिरी गेंद पर पंजाब को जीतने के लिए सात रन चाहिए थे और मैच टाई कराने के लिए छह रन। मैक्सवेल ने पूरी कोशिश की लेकिन वो छक्का नहीं मार पाए। उनका शॉट सीमा रेखा के बेहद पास गिरा और चौका हुआ। मैक्सेवल ने ट्वीटर पर लिखा, टूटा हुआ। मैक्सवेल ने पांच गेंदों पर 10 रन बनाए जिसमें दो चौके शामिल रहे। अगर मैक्सवेल का वो शॉट छक्का हो जाता तो मैच सुपर ओवर में जाता। इस सीजन में हालांकि मैक्सेवल फॉर्म में नहीं हैं और रन बनाने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। आईपीएल-13 की सात पारियों में उनका सर्वोच्च स्कोर 13 है जो उन्होंने राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ बनाया था। गेंद से भी उन्होंने कोई खास कमाल नहीं किया है। वह एक विकेट भी नहीं ले पाए हैं।

नरेन को नहीं देना होगा 3डी बायोमैकेनिकल स्क्रीनिंग टेस्ट

नई दिल्ली।

कोलकाता नाइट राइडर्स के ऑफ स्पिनर सुनील नरेन की एक बार फिर संदिग्ध गेंदबाजी एक्शन को लेकर शिकायत हुई है। आईपीएल-13 में किंग्स इलेवन पंजाब के खिलाफ खेले गए मैच में उनके गेंदबाजी एक्शन की शिकायत की गई। नरेन को हालांकि इस माममे में राहत मिली है क्योंकि अब 3डी बायोमैकेनिकल स्क्रीनिंग टेस्ट देने के बजाय उनके गेंदबाजी एक्शन के वीडियो फुटेज का विशलेषण करने की जरूरत होगी। नरेन को हालांकि टूर्नामेंट में अपनी गेंदबाजी जारी रखने की अनुमति दी गई है, लेकिन नरेन के गेंदबाजी एक्शन के खिलाफ अगर एक और शिकायत आती है तो उन्हें आईपीएल-2020 में गेंदबाजी करने से प्रतिबंधित कर दिया जाएगा और वह तब तक गेंदबाजी नहीं कर सकेंगे जब तक बीसीसीआई उनके गेंदबाजी एक्शन को मंजूरी न दे दे। हालांकि आईपीएल में फिलहाल संदिग्ध गेंदबाजी एक्शन समिति नहीं है। बीसीसीआई ने कोविड-19 के कारण 3 डी बायोमैकेनिकल टेस्ट की जरूरत को समाप्त कर दिया है, जिसकी आमतौर पर आधिकारिक आकलन की जरूरत होती है। आईपीएल संदिग्ध गेंदबाजी एक्शन नीति 2020 के मुताबिक, नरेन के गेंदबाजी एक्शन की जांच हो सकती है। क्लाज 4.2 के अनुसार, किसी भी खिलाड़ी के आधिकारिक आकलन करने के अनुरोध से पहले उसे अपनी गेंदबाजी एक्शन के 3 डी बायोमैकेनिकल टेस्ट के लिए आईसीसी से मान्यता प्राप्त क्रिकेट केंद्रों में जाने की आवश्यकता होती है। आईसीसी स्वीकृत क्रिकेट केंद्र खिलाड़ी के लिए इस तरह के विश्लेषण की एक विस्तृत रिपोर्ट तैयार करेगा। हालांकि बीसीसीआई ने कोविड-19 के कारण इस सीजन में 3 डी बायोमैकेनिकल टेस्ट की जरूरत को समाप्त कर दिया है।

क्लाज 4.2 की नीति के अनुसार, कोविड-19 स्थिति और संबंधित यात्रा और क्वारंटीन नियमों के कारण, आज की तारीख तक, जो कि आईपीएल 2020 के दौरान स्वास्थ्य और सुरक्षा प्रोटोकॉल द्वारा निर्धारित किए गए हैं और भारत, ऑस्ट्रेलिया, ब्रिटेन और दक्षिण अफ्रीका में राष्ट्रीय सरकार के अधिकारियों द्वारा, यह लागू नहीं होगा। एसआरएएसएससी या अन्य आईसीसी स्वीकृत क्रिकेट केंद्र में भाग लेने के लिए एक खिलाड़ी के लिए संभव हो। तदनुसार, 2020 सीजन के लिए, गेंदबाज एक्शन के लिए 3 डी बायोमैकेनिकल टेस्ट को आधिकारिक मूल्यांकन के अनुरोध के साथ अस्थायी रूप से रोक दिया गया है।

श्री रामचंद्र विश्वविद्यालय आईसीसी की पांच अनुमोदित केंद्रों में से एक है। अन्य केंद्रों में, ब्रिस्बेन में राष्ट्रीय क्रिकेट केंद्र, लोफबोरो विश्वविद्यालय और प्रिटोरिया विश्वविद्यालय शामिल हैं।

राहुल के पास औरेंज और रबादा के पास पर्पल कैप बरकरार

दुबई/अबू धाबी। किंग्स इलेवन पंजाब का आईपीएल-13 में फॉर्म ठीक नहीं है लेकिन उसके कप्तान लोकेश राहुल पूरी तरह से फॉर्म में हैं और लगातार रन कर रहे हैं। इसी वजह से उनके पास औरेंज कैप बरकरार है। पर्पल कैप के मालिक में भी कोई बदलाव नहीं हुआ है और यह दिल्ली कैपिटल्स के कागिसो रबादा के पास बरकरार है। पंजाब के सात मैचों में 387 रन हैं और वह रन बनाने वाले बल्लेबाजों की सूची में पहले स्थान पर बने हुए हैं। सात मैचों में उनकी टीम छह मैच हार चुकी है और सिर्फ एक मैच ही जीत चुकी है। दूसरे स्थान पर राहुल के साथी मयंक अग्रवाल हैं। जिनके सात मैचों में 337 रन हैं। मयंक ने दूसरे स्थान से चेन्नई सुपर किंग्स के फाफ डु प्लेसिस को हटाया है। दिल्ली कैपिटल्स अंकतालिका में पहले स्थान पर है तो इसमें अहम रोल रबादा का भी रहा है जिन्होंने अभी तक कुल 15 विकेट लिए हैं। पिछले आईपीएल में रबादा ने 12 मैचों में 25 विकेट लिए थे। दूसरे स्थान पर मुंबई इंडियंस के जसप्रीत बुमराह हैं जिनके 11 विकेट हैं।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सार समाचार

बिहार विधानसभा चुनाव: नीतीश कुमार 12 अक्टूबर से प्रचार अभियान शुरू करेंगे

पटना। बिहार के मुख्यमंत्री और जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष नीतीश कुमार प्रदेश विधानसभा चुनाव प्रचार अभियान की शुरुआत सोमवार से करेंगे। जदयू के राष्ट्रीय महासचिव और नीतीश के विश्वासपात्र माने जाने वाले , राज्य के मंत्री संजय कुमार झा ने बताया कि मुख्यमंत्री अगले दो दिनों में कुल 35 विधानसभा क्षेत्रों में लोगों को संबोधित करेंगे। संजय ने बताया, प्रचार अभियान 12 और 13 अक्टूबर को वर्चुअल माध्यम से होगा। 14 अक्टूबर से वह चुनावी सभाओं को संबोधित करने के लिए अलग-अलग हिस्सों के लिए उड़ान भरेंगे।

उत्तर प्रदेश के गोंडा में जमीन विवाद के चलते मंदिर के पुजारी को मारी गोली

गोंडा। उत्तर प्रदेश के गोंडा जिले के इटियाथोक थाना क्षेत्र के अन्तर्गत तिर्रे मनोरमा गांव में एक मंदिर के जमीन विवाद को लेकर रविवार तड़के पुजारी को गोली मार दी गई। घायल पुजारी का लखनऊ के किंग जार्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय (केजीएमयू) में उपचार चल रहा है। पुलिस ने प्रकरण में चार व्यक्तियों के खिलाफ अभियोग दर्ज करते हुए दो को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया है। पुलिस अधीक्षक शैलेश कुमार पाण्डेय ने बताया कि तिर्रे मनोरमा गांव में राम जानकी मंदिर है। मंदिर के पास करीब 30 एकड़ जमीन को लेकर गांव के ही कुछ लोगों में विवाद चल रहा है। उन्होंने बताया कि रविवार को तड़के कुछ लोगों ने मंदिर के पुजारी अतुल बाबा उर्फ सम्राट दास को गोली मार दी। कुमार ने बताया कि पुजारी को उपचार के लिए जिला चिकित्सालय लाया गया, जहां के चिकित्सकों ने बेहतर उपचार के लिए उन्हें किंग जार्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय, लखनऊ भेज दिया। एसपी ने बताया कि पुजारी की हालत स्थिर बताई जा रही है।

सीबीआई ने हाथरस घटना की जांच अपने हाथ में लेने के बाद प्राथमिकी हुई दर्ज

नयी दिल्ली। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने उत्तर प्रदेश के हाथरस में 14 सितंबर को दलित युवती के साथ हुई कथित सामूहिक बलात्कार की घटना की जांच अपने हाथ में ले ली है और इस संबंध में प्राथमिकी दर्ज कर ली है। इस युवती की बाद में दिल्ली के सफदरजंग अस्पताल में मौत हो गई थी। अधिकारियों ने बताया कि एजेंसी ने रविवार सुबह भारतीय दंड संहिता की सामूहिक बलात्कार और हत्या से संबंधित धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज की। इससे पहले मृतका के भाई की शिकायत पर हाथरस जिले के चंदपा थाने में इस घटना के संबंध में मामला दर्ज किया गया था। सीबीआई के प्रवक्ता आर. के गौड़ ने कहा, ''शिकायतकर्ता ने 14 सितंबर को आरोप लगाया था कि आरोपियों ने बाजरे के खेत में उसकी बहन का गला घोंटने की कोशिश की। उत्तर प्रदेश सरकार के अनुरोध पर और उसके बाद भारत सरकार की अधिसूचना के बाद सीबीआई ने इस संबंध में मामला दर्ज किया है।'' उन्होंने बताया कि मामले की जांच के लिए एजेंसी ने एक दल का गठन किया है। कथित सामूहिक बलात्कार की शिकार 19 वर्षीय दलित लड़की की दिल्ली के सफदरजंग अस्पताल में 29 सितंबर को मौत हो गई थी।

मायावती ने साधा भाजपा-कांग्रेस पर निशान, कहा- उत्तर प्रदेश की तरह राजस्थान में भी अपराध चरम पर

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी की अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने अपराध के मामलों को लेकर रविवार को उत्तर प्रदेश सरकार के साथ-साथ राजस्थान सरकार पर हमला बोला। मायावती ने रविवार सुबह सिलसिलेवार ट्वीट में कहा, 'उत्तर प्रदेश की तरह राजस्थान प्रदेश में भी कांग्रेसी राज में हर प्रकार के अपराध खासकर निर्दोषों की हत्या, दलित एवं महिलाओं का उत्पीड़न आदि चरम सीमा पर है। मायावती ने कहा, 'अर्थात यहां भी कानून का नहीं बल्कि जंगलराज चल रहा है। अति शर्मनाक व अति चिंताजनक। उन्होंने कहा, लेकिन यहां (राजस्थान में) कांग्रेसी नेता अपनी सरकार पर शिंकजा कसने की बजाय खामोश हैं।' मायावती ने कहा कि इससे लगता है कि उत्तर प्रदेश में अभी तक उनका (कांग्रेस नेताओं का) पीड़ितों से मिलना केवल वोट की राजनीति है और कुछ भी नहीं। बसपा प्रमुख ने कहा कि उनकी पार्टी कीसलाह है कि 'जनता ऐसी नाटकबाजियों से सतर्क रहे।

शिवसेना सांसद अनिल देसाई ने कहा- बिहार में लगभग 50 सीटों पर चुनाव लड़ेगी शिवसेना

मुंबई। शिवसेना सांसद अनिल देसाई ने रविवार को कहा कि उनकी पार्टी बिहार विधानसभा चुनाव में लगभग 50 सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारेगी। देसाई ने पीटीआई- से कहा कि शिवसेना का बिहार में किसी पार्टी के साथ कोई गठबंधन नहीं है। राज्यसभा सदस्य देसाई ने कहा, शिवसेना लगभग 50 सीटों पर चुनाव लड़ रही है। हमने उन सीटों पर उम्मीदवार उतारे हैं, जहां हमारे कार्यकर्ता जन कार्यों में शामिल हैं। उन्होंने कहा कि बिहार चुनाव में पार्टी का चुनाव चिह्न तुरहा बजाता व्यक्ति होगा। इससे पहले, चुनाव आयोग ने बिहार विधानसभा चुनाव में शिवसेना को उसका चुनाव चिन्ह धनुष और तीर इस्तेमाल करने की अनुमति देने से इनकार कर दिया था क्योंकि यह जनता दल यूनाइटेड (जदयू) के चुनाव चिन्ह तीर से मिलता-जुलता है। बिहार चुनाव में महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री तथा शिवसेना प्रमुख उद्धव ठाकरे द्वारा प्रचार किये जाने के बारे में पूछे जाने पर देसाई ने कहा कि पार्टी और मुख्यमंत्री खुद इस बारे में जानकारी देंगे। शिवसेना ने बृहस्पतिवार को बिहार चुनाव में प्रचार करने वाले 22 नेताओं की सूची जारी की थी, जिसमें उद्धव ठाकरे के अलावा उनके बेटे तथा महाराष्ट्र के पर्यटन मंत्री आदित्य ठाकरे का नाम भी शामिल था।

पीएम मोदी का विपक्ष पर तीखा हमला, कहा- बिचौलियों के जरिए राजनीति करने वाले लोग कर रहे हैं कृषि सुधारों का विरोध

नयी दिल्ली। (एजेंसी)

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को विपक्ष पर हमला बोलते हुए कहा कि जिनकी राजनीति 'दलालों और बिचौलियों' के भरोसे चलती रही वे लोग उनकी सरकार के सुधारवादी कदमों के बारे में ''झूठ'' फैला रहे हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि देश इस सबसे डगमगाएगा नहीं। प्रधानमंत्री ने कहा कि किसान उनकी सरकार द्वारा किए गए ''ऐतिहासिक'' सुधारों का विरोध करने वालों का साथ नहीं देंगे। मोदी 'स्वामित्व योजना' के तहत प्रॉपर्टी कार्ड के प्रत्यक्ष वितरण की शुरुआत के कार्यक्रम को वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि उनकी सरकार ने बीते छह साल में गांव और ग्रामीणों के लिए जितना काम किया है, उतना आजादी के छह दशकों में नहीं हुआ। मोदी ने इस संबंध में कई परियोजनाओं का उल्लेख किया जिनमें बैंक खाते खोलना, शौचालय एवं आवास निर्माण, उज्ज्वला योजना और विद्युतीकरण की योजना शामिल हैं। प्रधानमंत्री ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा, ''वर्षों तक जो लोग सत्ता में रहे, उन्होंने बातें तो बहुत बड़ी-बड़ी कीं, लेकिन गांवों के लोगों को उनके नसीब पर छोड़ दिया। मैं ऐसा नहीं होने दे सकता।'' उन्होंने कहा कि कई लोग नहीं चाहते कि गांव, गरीब, किसान, श्रमिक भाई-बहन आत्मनिर्भर बनें।

मोदी ने कहा, ''गांव के लोगों को, गरीबों को अभाव में रखना कुछ लोगों की राजनीति का आधार रहा है। आजकल इन लोगों को कृषि में जो ऐतिहासिक सुधार किए गए हैं, उनसे दिक्कत हो रही है, वो बौखलाए हुए हैं।'' प्रधानमंत्री ने कहा, ''इनकी ये बौखलाहट किसानों के लिए नहीं है, खुद के लिए है। छोटे किसानों, पशु पालकों, मछुआरों को किसान क्रेडिट कार्ड मिलने से जिनकी काली कमाई का रास्ता बंद हो गया है, उनको आज समस्या हो रही है। किसानों के बैंक खाते में सीधा पैसा पहुंचने से जिनको परेशानी हो रही है, वे आज बेचैन हैं।'' मोदी ने विपक्ष का नाम लिए बगैर कहा कि पीढ़ी दर पीढ़ी 'बिचौलियों, घूसखोरों और दलालों' का तंत्र खड़ा करके जिन्होंने अपना मायाजाल बना रखा था, देश की जनता ने उनके मायाजाल को, उनके मंसूबों को ढहाना शुरू कर दिया है।

गौरतलब है कि सरकार द्वारा हाल ही में लागू कृषि कानूनों का कांग्रेस विरोध कर रही है। प्रधानमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार बिना किसी भेदभाव के और पूरी पारदर्शिता के साथ विकास कार्य कर रही है तथा सभी को योजनाओं का लाभ मिल रहा है। उन्होंने कहा, ''देश को लूटने में लगे रहे लोगों को देश अब पहचानने लगा है। इसलिए ये लोग हर बात का आंख बंद करके विरोध कर रहे हैं, गंदी का प्रयोग कर रहे है। इन्हें न गरीब, न गांव और न देश की चिंता है। ये लोग देश के विकास को रोकना चाहते हैं। ये लोग नहीं चाहते कि हमारे गांव, गरीब, हमारे किसान, हमारे श्रमिक भाई-बहन आत्मनिर्भर बनें।

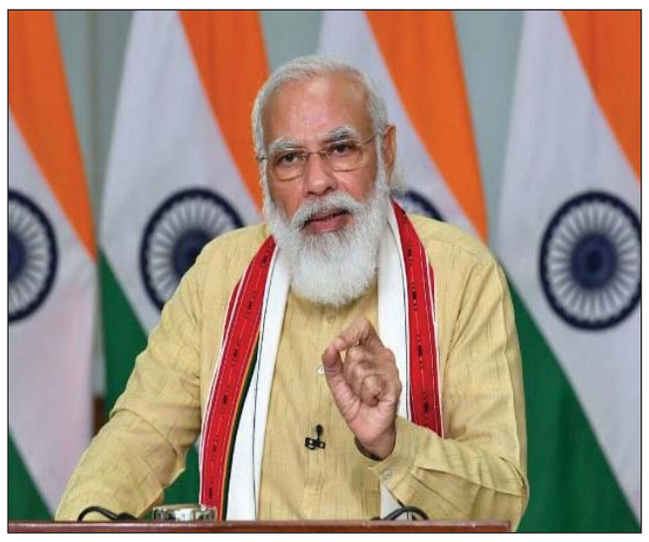

उद्धव ठाकरे की लोगों से अपील, कहा- कोविड-19 से जंग जीतने के लिये सभी की प्रतिबद्धता जरूरी

मुंबई। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने रविवार को कहा कि कोविड-19 के खिलाफ जंग जीतने के लिये लोगों की खुले दिल से भागीदारी की जरूरत है। मुख्यमंत्री ने कहा कि लोगों को यह तय करना होगा कि उन्हें कोरोना वायरस की रोकथाम के लिये नियमों का पालन करना है या फिर लॉकडाउन में ही रहना है। ठाकरे ने डिजिटल माध्यम से संबोधित करते हुए कहा कि कोविड-19 एक विदेशी मेहमान है जो हमारे भरसक प्रयासों के बावजूद हमारा पीछा नहीं छोड़ रहा। उन्होंने कहा कि यह शहरों से ग्रामीण इलाकों में फैल रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि 70 से 80 प्रतिशत कोविड-19 रोगियों में लक्षण नहीं दिखाई दिये हैं। उन्होंने कहा कि जब तक इसका टीका नहीं बन जाता तब तक मास्क आत्म रक्षा करने वाला या ब्लैक बैल्ट की तरह है। ठाकरे ने कहा, मैं कोविड-19 नियमों का उल्लंघन करने वालों पर सख्त कानूनी कार्रवाई या जुर्माना नहीं लगाना चाहता। महामारी से जंग तभी जीती जा सकती है, जब लोग खुले दिल से इसमें हिस्सा लें। उन्होंने कहा, आपको तय करना है कि आप मास्क पहनना और सामाजिक दूरी के नियमों का पालन करना चाहते हैं या फिर लॉकडाउन में रहना चाहते हैं। एक बार जो शुरू हो गया वह दोबारा बंद नहीं होगा। सभी आम लोगों के लिये लोकल ट्रेनों का संचालन शुरू करने की मांग पर मुख्यमंत्री ने कहा कि वह उपनगरीय ट्रेनों में भीड़-भाड़ होने देने के पक्ष में नहीं हैं। महाराष्ट्र में शनिवार तक कोविड-19 के 15,17,434 मामले सामने आ चुके थे। महामारी के चलते अब तक राज्य में 40,040 लोगों की जान जा चुकी है।

भाजपा अध्यक्ष जे पी नड्डा ने जताया नीतीश पर विश्वास, कहा -बिहार का नेतृत्व उनके हाथ में सुरक्षित

गया। (एजेंसी)।

भाजपा अध्यक्ष जे पी नड्डा ने बिहार चुनाव में लोगों से राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन को जनादेश देने की अपील करते हुए रविवार को कहा कि बिहार का नेतृत्व नीतीश जी के हाथ में सुरक्षित रहना चाहिए जिन्होंने राज्य में कोरोना महामारी से उत्पन्न हालात को कुशलता के साथ संभाला है। गया के गांधी मैदान में एक रैली को संबोधित करते हुए नड्डा ने कहा, '' कांग्रेस पार्टी जाति और मजहब के आधार पर वोट बैंक की राजनीति करती थी। मोदी जी ने और नीतीश कुमार ने बिहार की राजनीति की संस्कृति बदल डाली है। नरेन्द्र मोदी ने सरकार के काम के रिपोर्ट कार्ड के आधार पर जनता के बीच जाने की संस्कृति शुरू की है।''

उन्होंने कहा कि जब हम विकास की बात करते हैं और विकास की दृष्टि से बिहार को देखते हैं तो पहले के बिहार और आज के बिहार में काफी अंतर है। अपने संबोधन के दौरान जे पी नड्डा ने लोगों को पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद के शासनकाल की याद दिलाते हुए कहा कि कारोबारियों के प्रदेश छोड़ने सहित उस दौर में कानून व्यवस्था की खराब स्थिति थी। उन्होंने कहा कि याद करें उस दौर को जब शाम होने के बाद लोग सुरक्षित महसूस नहीं करते थे। राजग को जनादेश देने की अपील करते हुए भाजपा अध्यक्ष ने कहा, '' देश का नेतृत्व नरेन्द्र मोदी जी के हाथ में सुरक्षित है, आवश्यकता इस बात की है कि बिहार का नेतृत्व नीतीश जी के हाथ में सुरक्षित हो। हम सबको मिलकर ये तय करना है कि बिहार में एनडीए की सरकार बनाएंगे। ''

उन्होंने कहा, '' बिहार में विकास के नए अध्याय लिखे जा रहे हैं। इस विकास को जारी रखना ये हमारी और आपकी जिम्मेदारी है।'' नड्डा ने कहा कि आज राज्य में विकास की नई झड़ी लगी है और हमेंदेश के नौजवानों को रोजगार देना है और उन्हें आत्मनिर्भर बनाना है। भाजपा अध्यक्ष ने कहा, '' हमारी विकास यात्रा अंत्योदय से शुरू हुई है। उज्ज्वला स्कीम से बहुत लोगों को फायदा मिला है।'' उन्होंने 2015 विधानसभा चुनाव के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा घोषित 1.25 लाख करोड़ रू के पैकेज का जिक्र किया और आंकड़ों सहित पैकेज पर सरकार द्वारा किये गए कार्यो का उल्लेख किया। इससे पहले सुबह नड्डा कदमकुआं स्थित जेपी के आवास गए और जेपी की जयंती कार्यक्रम में शामिल हुए। नड्डा ने कहा कि उनके बताए आदर्शों और मूल्यों पर चलना ही हमारा संकल्प है।

गया में गांधी मैदान में कार्यकर्ताओं को मास्क उपलब्ध कराए गए थे लेकिन कई लोग बिना मास्क लगाए भी दिखे। आम लोगों की दीर्घा में लोग पास पास रखी कुर्सियों पर बैठे थे। हालांकि मंच से बार बार लोगों से सामाजिक दूरी का पालन करने की घोषणाएं की जा रही थी। बड़ी संख्या में महिलाएं भी मास्क लगाकर पहुंची। काफी महिलओं ने गेरूआ रंग के कपड़े का मास्क लगाया हुआ था जिस पर भाजपा के चुनाव चिन्ह कमल का चित्र अंकित था। चुनावी सभा में बिहार के उपमुख्यमंत्री सुशील कुमार मोदी, पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष संजय जायसवाल, हम पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष व पूर्व मुख्यमंत्री जीतन राम मांझी, जदयू के वरिष्ठ नेता सह राष्ट्रीय महासचिव आरसीपी सिंह सहित गया की 10 विधानसभा सीटों पर राजग के उम्मीदवार मौजूद थे।

सीएम केजरीवाल का दावा, लाइसेंस राज की वजह से शहर के रेस्तरां उत्पीड़न का सामना करते हैं

नयी दिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने रविवार को दावा किया कि लाइसेंस राज की वजह से शहर के रेस्तरां उत्पीड़न का सामना करते हैं और उम्मीद जताई कि नगर निगमें खाद्य लाइसेंस जारी नहीं करने के एफएसएसएआई के निर्देश का जल्द पालन करेंगी। दिल्ली सरकार ने कुछ दिन पहले रेस्तरों के लिए पुलिस लाइसेंस और स्वास्थ्य व्यापार लाइसेंस को समाप्त करने की घोषणा की थी, जो भाजपा शासित नगर निगमें जारी करती हैं। सरकार ने स्वास्थ्य व्यापार लाइसेंस को खत्म करने के लिए 10 दिन की समय सीमा तय की है। निगमों का आरोप है कि दिल्ली सरकार का निर्णय नगर निगमों को कमजोर करने की एक चाल है। उन्होंने कहा कि वह सरकार के कदम का मुकाबला करने के लिए कानूनी सलाह लेंगे। केजरीवाल ने रविवार को ट्वीट किया, रेस्तरां दिल्ली की अर्थव्यवस्था और करों में बड़े पैमाने पर योगदान करते हैं। वे लाइसेंस राज की वजह से उत्पीड़न का सामना करते हैं। सभी सरकारों को उत्पीड़न को खत्म करने के लिए मिलकर काम करना चाहिए। केंद्र सरकार की संस्था एफएसएसएआई ने एमसीडी को खाद्य लाइसेंस जारी नहीं करने का निर्देश दिया है। मुझे उम्मीद है कि एमसीडी जल्द केंद्र के निर्देशों का पालन करेंगी। केजरीवाल की अध्यक्षता में हुई बैठक में दिल्ली सरकार ने रेस्तरां के लिए लाइसेंस खत्म करने का निर्णय किया है। इस बैठक में रेस्तरां मालिक भी शामिल हुए थे। बैठक में रेस्तरां चलाने वालों का कहना था कि भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) उन्हें पहले ही खाद्य सुरक्षा और स्वच्छता लाइसेंस जारी कर चुका है। उन्होंने कहा था कि स्थानीय निकायों द्वारा उन्हें स्वास्थ्य व्यापार लाइसेंस जारी करना अप्रासंगिक है। उत्तर दिल्ली के महापौर जय प्रकाश ने कहा था कि उन्होंने सरकार के कदम को चुनौती देने के लिए कानूनी राय मांगी है। दक्षिण दिल्ली की महापौर अनामिका ने आरोप लगाया कि आप सरकार स्वास्थ्य व्यापार लाइसेंस जारी करने को लेकर राजनीति कर रही है।

सत्ता विपक्ष को अपमानित करेगी तो लोकतंत्र का सम्मान कैसे बचेगा : अखिलेश यादव

लखनऊ। (एजेंसी)।

समाजवादी पार्टी (सपा) ने रविवार को पार्टी के प्रदेश मुख्यालय समेत सभी जिलों में लोक नायक जयप्रकाश नारायण की 118वीं जयंती मनाई। सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष व पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने अपने बयान में लोक नायक को शत-शत नमन करते हुए प्रदेश की भारतीय जनता पार्टी की सरकार पर हमला बोला। अखिलेश यादव ने कहा कि सत्ता के शीर्ष पर बैठे लोग विपक्ष को अपमानित करेंगे तो लोकतंत्र का सम्मान कैसे बचेगा। उन्होंने कहा कि विपक्ष पर 'डीएनए' जैसे अप्रासंगिक आरोप लगाने से विपक्ष कमजोर नहीं होगा।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को कहा था कि विभाजन विपक्ष के डीएनए में है। सपा कार्यालय से रविवार को जारी विज्ञप्ति के मुताबिक अखिलेश यादव ने कहा, लोकतंत्र सत्ता के लिए नहीं जनता के भले के लिए होता है। लोकराज चलाने के लिए लोकलाज का आचरण करना सीखना चाहिए। लोकनायक में तनिक भी सत्ता लिप्सा नहीं थी। वे जनतांत्रिक मान्यताओं के लिए समर्पित थे। उनके जीवन से हमें प्रेरणा लेनी चाहिए। उन्होंने कहा, प्रदेश में मजबूत नहीं मजबूर सरकार है और यह हर मोर्चे पर विफल है। समाजवादी सरकार के समय में हुए विकास कार्यों से भाजपा चिढ़ी हुई है, अन्यथा लोकनायक जेपी अंतर्राष्ट्रीय केन्द्र की उपेक्षा नहीं करती।

पूर्व मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि समाजवादी सरकार के समय जो थोड़ा काम रह गया था उसके लिए भाजपा सरकार बजट नहीं दे रही है। इससे जाहिर है कि भाजपा सरकार और इसके नेतृत्व की मानसिकता कितनी निम्न स्तरीय हैं। उन्होंने दावा किया कि स्वतंत्रता आंदोलन में भाजपा नेतृत्व का कोई योगदान नहीं था इसलिए उन्हें जेपी केंद्र के महत्व और आवश्यकता का अंदाजा नहीं हो सकता है। समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने रविवार को जेपी की जयंती पर सभी जिलों में उनके चित्र और प्रतिमाओं पर माल्यार्पण किया। राजधानी लखनऊ में जेपी अंतर्राष्ट्रीय केंद्र में स्थापित जयप्रकाश नारायण की प्रतिमा पर पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष की ओर से राष्ट्रीय सचिव राजेन्द्र चौधरी तथा प्रदेश अध्यक्ष नरेश उत्तम पटेल ने माल्यार्पण किया। पार्टी के प्रदेश कार्यालय में भी जयप्रकाश नारायण के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उनको नमन किया गया। लखनऊ में सिविल अस्पताल में युवा नेता दीपक रंजन के नेतृत्व में 60 युवाओं ने रक्तदान किया।

बंगाल में हालिया घटनाक्रम के बाद राष्ट्रपति शासन लगाना जरूरी : बाबुल सुप्रियो

कोलकाता। केंद्रीय मंत्री बाबुल सुप्रियो ने रविवार को कहा कि पश्चिम बंगाल में अल-कायदा के संदिग्धों की गिरफ्तारी से लेकर एक सिख व्यक्ति और उसकी पगड़ी से जुड़े विवाद तक हालिया घटनाक्रम दिखाते हैं कि इस राज्य में राष्ट्रपति शासन लगाये जाने के हालात हैं।

आसनसोल से लोकसभा सदस्य ने कहा कि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पश्चिम बंगाल में विपक्षी दलों को दबा रही हैं और वह जमीनी स्तर पर अपने संघर्ष को भूल गयी लगती हैं। सुप्रियो ने संवाददाताओं से बातचीत में दावा किया कि पुलिस ने बृहस्पतिवार को भाजपा की एक विरोध रैली के दौरान योजनाबद्ध तरीके से सिख समुदाय के एक व्यक्ति को खींचा, उन पर हमला किया और उनकी पगड़ी गिरा दी। उन्होंने कहा, ''सिख समुदाय के एक सदस्य पर हमले से लेकर, अल-कायदा सदस्यों की गिरफ्तारी और मनीष शुक्ला एवं अन्य राजनीतिक विरोधियों की हत्या तक घटनाक्रम दिखाते हैं कि यह पश्चिम बंगाल में अनुच्छेद 365 को लागू करने का सही मामला है।'' केंद्रीय मंत्री के दावों का विरोध करते हुए तृणमूल कांग्रेस के वरिष्ठ सांसद सौगत रॉय ने कहा कि सुप्रियो नौसिखिया हैं और उन्हें उन परिस्थितियों की जानकारी नहीं है जिनमें राष्ट्रपति शासन लगाया जाता है।

देवरिया में कांग्रेस की महिला नेता से मारपीट के मामले में दो निलंबित

देवरिया (उप्र प्रदेश)। (एजेंसी)।

देवरिया जिले की देवरिया विधानसभा सीट पर अगले माह होने जा रहे उपचुनाव को लेकर शनिवार को कांग्रेस नेताओं की एक बैठक के दौरान तब हंगामा हो गया जब पार्टी प्रत्याशी के नाम की घोषणा से नाराज एक महिला नेत्री ने राष्ट्रीय सचिव और प्रदेश प्रभारी सचिन नाइक पर हमला बोल दिया। इस पूरे मामले पर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू ने कड़ी कार्रवाई करते हुए अनुशासनहीनता करने वाले दो नेताओं को तत्काल प्रभाव से पार्टी से निष्कासित कर दिया है। कांग्रेस की ओर से जारी एक बयान में अजय कुमार लल्लू ने इस घटना को कांग्रेस पार्टी को बदनाम करने की साजिश बताया है।

अजय कुमार के निर्देश पर इस घटना की जांच के लिए तीन सदस्यीय जांच समिति का गठन किया गया है। देवरिया के प्रभारी और कांग्रेस के प्रदेश सचिव कौशल कुमार त्रिपाठी ने बताया कि तीन सदस्यीय जांच दल में अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की सदस्य तलत अजीज, प्रदेश महिला अध्यक्ष पूर्वी जोन शहला अहरारी, प्रदेश उपाध्यक्ष पूर्वी महिला कांग्रेस चंद्रकला पुष्कर को शामिल किया गया है। यह समिति तीन दिनों के भीतर अपनी जांच रिपोर्ट प्रदेश अध्यक्ष को सौंपेगी। कौशल त्रिपाठी ने बताया कि अनुशासनहीनता करने वाले दीनदयाल यादव और अजय कुमार सैंथवार को तत्काल प्रभाव से पार्टी से निष्कासित किया गया है। उपचुनाव के लिये पार्टी द्वारा मुकुंद भास्कर मणि को प्रत्याशी बनाए जाने से यादव नाखुश थीं। कांग्रेस सचिव सचिन नाइक की मौजदूगी में बैठक में हुई हाथापाई और विवाद का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। टिकट न मिलने से आक्रोशित तारा यादव बैठक में सचिन नाइक से हाथापाई करने लगीं। कुछ प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि इस दौरान नाइक पर तारा यादव ने गुलदस्ता भी फेंका। कांग्रेस पार्टी की नेता तारा यादव देवरिया सीट से मुकुंद भास्कर मणि को टिकट दिए जाने से काफी नाराज थीं। यादव का आरोप है कि मुकुंद बलात्कार के एक मामले में आरोपित रहें हैं, इसलिए उनको टिकट नहीं दिया जाना चाहिए। जबकि मुकुंद भास्कर मणि का कहना है कि आरोप लगा था लेकिन मामला बहुत पहले ही समाप्त हो चुका है। बताया जाता है कि खुद टिकट की दावेदार रहीं तारा यादव गुलदस्ता लेकर कार्यालय के अंदर पहुंचीं। आरोप है कि तारा यादव ने गुलदस्ता देने के बहाने पार्टी के राष्ट्रीय सचिव सचिन नाइक के साथ हाथापाई की। सचिन नाइक से हो रही हाथापाई को देखकर पार्टी कार्यकर्ता भड़क गए। नाराज कार्यकर्ताओं ने कथित तौर पर तारा यादव को पीटा और उनको धक्का देकर बैठक से बाहर निकाल दिया। बाद में कांग्रेस की इस महिला नेता ने पार्टी के जिलाध्यक्ष समेत चार नामजद और अन्य के खिलाफ मारपीट व छेड़खानी करने का आरोप लगाते हुए कोतवाली में तहरीर दी है।

शोपियां मुठभेड़ में तीन व्यक्तियों की भूमिका की जांच की जरूरत, जांच के निर्देश

श्रीनगर। (एजेंसी)।

इस साल जुलाई में शोपियां मुठभेड़ में सेना द्वारा तीन युवकों को मारे जाने की घटना के सिलसिले में एक विशेष पुलिस अधिकारी (एसपीओ) और दो अन्य नागरिकों की भूमिका की गहन जांच किये जाने की जरूरत है। सूत्रों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि तीन व्यक्ति सेना को शोपियां स्थित अमशीपुरा में युवकों के पास कथित तौर पर ले गये थे। इन तीन व्यक्तियों की भूमिका की पुलिस द्वारा गहन जांच किये जाने की जरूरत है। 'कोर्ट ऑफ इनक्वायरी' के दौरान सेना के दो आरोपी कर्मियों के बयान दर्ज किये गये हैं और 'समरी ऑफ एवीडेंस' के दौरान इसकी पड़ताल की जाएगी।

'समरी ऑफ एवीडेंस' के दौरान किसी आरोपी के खिलाफ लगाये गये आरोप के बारे में सबूत लिखित रूप में दर्ज किया जाता है। इसे रिकार्ड में लिया जाता है। इसमें आरोपी द्वारा दिया गया कोई बयान भी शामिल होता है। 'कोर्ट ऑफ इनक्वायरी', ने पिछले महीने अपनी जांच पूरी की। इसमें 'प्रथम दृष्टया' यह साक्ष्य पाया गया कि सैनिकों ने 18 जुलाई की मुठभेड़ के दौरान सशस्त्र बल विशेष अधिकार अधिनियम (आफ्स्पा) के तहत शक्तियों की सीमा पार की। इस घटना में तीन युवक मारे गये थे। इसके बाद , सेना ने अनुशासनात्मक कार्यवाही शुरू की थी।

अमशीपुरा में मारे गये तीनों युवक-- इम्तियाज अहमद, अबरार अहमद और मोहम्मद इबरार -- राजौरी जिले के रहने वाले थे। उनकी पहचान की पुष्टि डीएनए जांच के जरिये हुई। इस हफ्ते की शुरूआत में बारामुला में परिजनों को उनके शव सौंप दिये गये। इन तीन युवकों की भूमिका और पृष्ठभूमि की भी जांच की जा रही है क्योंकि शोपियां आने के उनके इरादे एवं गतिविधियों पर स्पष्टता का अभाव है। जम्मू कश्मीर के उप राज्यपाल मनोज सिन्हा आठ अक्टूबर को तीनों युवकों के परिवारों से मिलने गये थे और संवदेना प्रकट की थी। उन्होंने मारे गये युवकों के परिवारों को आश्वस्त किया था कि केंद्र शासित प्रदेश प्रशासन मामले में न्याय सुनिश्चित करेगा। अधिकारियों ने बताया कि नियमों के मुताबिक दोषी सैन्य कर्मियों के खिलाफ 'समरी ऑफ एवीडेंस'के दौरान कानून के विभिन्न प्रावधानों के तहत मामले के विवरण की पड़ताल की जाएगी। एकत्र किये गये साक्ष्य और कानून के शासन के आधार पर आगे कार्रवाई की जाएगी।

सेना पारदर्शिता के उच्च मानकों का पालन कर रही है और जहां कहीं नियमों का उल्लंघन किया जाता है, अधिकारियों को दंडित करती है। सेना की कश्मीर स्थित 15 वीं कोर के कोर कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल बी एस राजू ने शनिवार को कहा था कि सेना ने 'समरी ऑफ एवीडेंस' शुरू कर दिया है। दरअसल, अमशीपुरा में 18 जुलाई को हुई मुठभेड़ की आंतरिक जांच के दौरान कुछ गलत होने का प्रथम दृष्टया पता चला है। सेना ने अपनी इस कार्रवाई में तीन आतंकवादियों को मार गिराने का दावा किया था। लेफ्टिनेंट जनरल राजू ने कहा, ''हमने समरी ऑफ एवीडेंस का आदेश दिया है, जो जारी है और हमें उम्मीद है कि यह जल्द ही पूरा जाएगा, ताकि हम अगले चरण में जा सकें।

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

इसराईली PM नेतन्याहू के खिलाफ सड़कों पर उतरे हजारों लोग, मांगा इस्तीफा

इंटरनेशनल डेस्क।

भ्रष्टाचार के आरोपों में घिरे इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के इस्तीफे की मांग को लेकर देश के दसियों हजार लोगों ने देश के अलग-अलग हिस्सों में प्रदर्शन किए। प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि नेतन्याहू कोरोना वायरस महामारी से उचित तरीके से निपटने में विफल रहे हैं। प्रदर्शनकारी शनिवार शाम देशभर में सैकड़ों अलग-अलग स्थानों पर एकत्र हुए। यरूशलम में नेतन्याहू के आधिकारिक आवास के बाहर जहां आमतौर पर प्रदर्शन होते हैं, वहां देश में लगे लॉकडाउन के कारण प्रदर्शन करने की अनुमति नहीं है। लॉकडाउन के नियमों के अनुसार लोग अपने घरों के एक किलोमीटर के दायरे में रहकर ही प्रदर्शन कर सकते हैं। सबसे बड़ा प्रदर्शन तेल अवीव के हबीमा स्क्वेयर पर हुआ, जहां हजारों प्रदर्शनकारी एकत्रित हुए। कुछ लोगों ने बैनर पकड़ रखे थे जिन पर लिखा था, ''बीबी (नेतन्याहू को देश में इस नाम से भी पुकारा जाता है) आप मेरा भविष्य बरबाद कर रहे हैं।'' तेल अवीव और यरूशलम में पुलिस तथा प्रदर्शनकारियों के बीच झड़प भी हुई। नेतन्याहू के खिलाफ धोखाधड़ी, विश्वासघात और रिश्वतखोरी के मामले चल रहे हैं। प्रदर्शनकारी बीते चार महीने से हर सप्ताहांत उनके खिलाफ प्रदर्शन करते हैं और उनके इस्तीफे की मांग करते हैं। नेतन्याहू ने सभी आरोपों को खारिज करते हुए प्रदर्शनकारियों को 'वामपंथी' और 'अराजकतावादी' बताया है। नेतन्याहू के खिलाफ चल रहे मामलों, कोविड-19 महामारी से निपट पाने में सरकार की विफलता और लड़खड़ाती अर्थव्यवस्था के चलते उनकी सरकार पर दबाव बढ़ा है।

भारतीय मूल के सांसद बोले-उम्मीद, जब बिडेन सत्ता में आएंगे तो US में ग्रीन कार्ड पर पाबंदी हटाएंगे

इंटरनेशनल डेस्क।

अमेरिका में भारतीय मूल के सांसदों ने उम्मीद जताई है कि बिडेन प्रशासन ग्रीन कार्ड के लिए देशों की सीमा खत्म करेगा। गौरतलब है कि एच-1बी वीजा पर अमेरिकी जाने वाले भारतीय पेशेवरों को कानूनी स्थाई निवास हासिल करने में दशकों लग जाते हैं। ग्रीन कार्ड, जिसे आधिकारिक रूप से स्थाई निवास कार्ड कहा जाता है, अमेरिका में प्रवासियों को जारी किया गया एक दस्तावेज है, जिससे उन्हें वहां स्थाई रूप से निवास करने का विशेषाधिकार मिलता है। इससे एक गैर-अमेरिकी नागरिक को अमेरिका में स्थायी रूप से रहने और काम करने की अनुमति मिलती है। भारतीय आईटी पेशेवर आमतौर पर **H-vB** कार्य वीजा पर अमेरिका जाते हैं और मौजूदा आव्रजन प्रणाली से सबसे अधिक परेशानी उन्हें ही है क्योंकि ग्रीन कार्ड या स्थायी कानूनी निवास के आवंटन पर प्रति देश के लिए सात प्रतिशत कोटा है। अत्यधिक कुशल प्रवासियों के लिए निष्पक्ष आव्रजन कानून के सह-प्रायोजक और डेमोक्रेटिक सांसद इलिनोइस राजा कृष्णमूर्ति ने शनिवार को कहा कि रोजगार आधारित ग्रीन कार्ड के लिए देशों की सीमा खत्म करने से भारतीय आईटी पेशेवरों का लंबा इंतजार खत्म होगा, जिन्हें यहां आईटी उद्योग में प्रतिभा की कमी को पूरा करने के लिए लाया जाता है। कृष्णमूर्ति ने एक आभासी चर्चा के दौरान कहा कि मुझे उम्मीद है कि जो बिडेन प्रशासन के तहत, हम सीनेट के माध्यम से इस कानून को पारित करने में सक्षम होने जा रहे हैं। चर्चा का संचालन भारत में अमेरिका के पूर्व राजदूत रिच वर्मा ने किया। इस चर्चा में भारतीय मूल के सांसद एमी बेरा, प्रमिला जयपाल और रो खन्ना भी मौजूद थे। उन्होंने भी भारतीय पेशेवरों के लिए ग्रीन कार्ड का कोटा बढ़ाने की वकालत की।

पाकिस्तान के प्रभावशाली मौलाना व उसके ड्राइवर की गोली मारकर हत्या

कराची।

पाकिस्तान के कराची शहर में एक प्रभावशाली सुन्नी मौलाना और उसके ड्राइवर की अज्ञात बदमाशों ने गोली मारकर हत्या कर दी। 'डॉन' न्यूज ने पुलिस अधिकारियों के हवाले से खबर दी कि कराची के जामिया फारूकिया मदरसे के प्रमुख मौलाना डॉक्टर आदिल खान को शनिवार को कथित तौर पर निशाना बनाकर हमला किया गया। खान शाह फैसल कॉलोनी में स्थित मदरसे जामिया फारूकिया के संस्थापक मशहूर विद्वान मौलाना सलीमुल्ला खान के बेटे थे। जामिया फारूकिया देवबंदी पंथ की सुन्नी मुस्लिम शिक्षाओं का अनुसरण करता है। पुलिस के बयान के अनुसार खान को ले जा रही कार जब शाह फैसल कॉलोनी में एक शॉपिंग सेंटर के निकट रुकी, तो दोपहिया वाहन पर सवार बदमाशों ने उनपर ताबड़तोड़ गोलियां चलाईं और फरार हो गए। 'डॉन'ने अस्पताल की प्रवक्ता अंजुम रिजवी के हवाले से कहा कि खान को लियाकत नेशनल अस्पताल में ले जाया गया, जहां उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। उनके वाहन चालक को जिन्ना पोस्ट ग्रेजुएट मेडिकल सेंटर ले जाया गया, जहां पहुंचने से पहले ही उसकी मौत हो गई।

पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर POK में लोगों ने किया जोरदार प्रदर्शन

पेशावर:

पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (**POK**) के गिलगित-बाल्टिस्तान के हुंजा इलाके में हजारों की तादाद में स्थानीय लोगों ने वर्ष 2011 से जेल में बंद राजनीतिक कार्यकर्ताओं को रिहा करने की मांग को लेकर जोरदार प्रदर्शन किया। । इन राजनीतिक कार्यकर्ताओं को दंगे करने और सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाने के आरोप में अरेस्ट किया गया था। अवामी वर्कर्स पार्टी के नेता बाबा जान समेत कई राजनीतिक कार्यकर्ताओं को एक आतंकवाद निरोधक अदालत ने कई आजीवन कारावास की सजा दी है। इन लोगों को पुलिस की गोलीबारी में एक व्यक्ति और उसके बच्चे की मौत के बाद प्रदर्शन करने के आरोप में अरेस्ट किया गया था। प्रदर्शनकारी सरकार से पुलिस गोलीबारी के लिए मुआवजे की मांग कर रहे । दरअसल, हुंजा नदी में बाढ़ आ जाने की वजह से स्थानीय लोगों को काफी नुकसान हुआ था और वे मुआवजे की मांग को लेकर प्रदर्शन कर रहे थे। इसी बीच पुलिस ने गोली चला दी और एक व्यक्ति तथा उसके बच्चे की मौत हो गई। ये दोनों लोग गोजल घाटी के रहने वाले थे। इस हत्याकांड के बाद इलाके में जोरदार प्रदर्शन भड़क उठे थे। प्रदर्शनों को रोकने के लिए पुलिस ने बाबा जान और इलाके के कई अन्य लोगों को पुलिस ने अरेस्ट कर लिया था। पीओके की पुलिस ने जहां जे यादातर लोगों को रिहा कर दिया है, वहीं 14 कार्यकर्ता अभी भी जेल में बंद हैं। उनके समर्थकों का कहना है कि इन लोगों को कई आजीवन कारावास दिए गए हैं। सभी आरोपियों ने अपने ऊपर लगाए गए आरोपों का खंडन किया है और आरोप लगाया है कि यह उनकी आवाज को दबाने के लिए किया गया है।

संक्षिप्त समाचार

थाईलैंड में बस-ट्रेन टक्कर में 17 लोगों की मौत

बैंकाक। मध्य थाईलैंड में रविवार सुबह एक बस और ट्रेन की टक्कर में कम से कम 17 लोगों की मौत हो गई। अधिकारियों ने बताया कि बस में 65 यात्री सवार थे। उन्होंने कहा कि घटना उस समय हुई जब पूर्वी बैंकाक के चाचेआंगासओ में बस रेल फाटक को पार कर रही थी। घटना के वक्त बारिश हो रही थी। जिले के मुख्य अधिकारी प्राथुएंग यूकास्सेम ने थाईलैंड के पीबीएस टीवी को बताया कि इस घटना में कम से कम 17 लोगों की मौत हो गई तथा 30 अन्य घायल हो गए। उन्होंने कहा, ''बारिश के कारण संभवत- बस का चालक ट्रेन को नहीं देख पाया।'' पुलिस ने कहा कि मामले की जांच जारी है।

UN की रिपोर्ट, दुनियाभर में 2 करोड़ 90 लाख महिलाएं आधुनिक दासता की शिकार

इंटरनेशनल डेस्क। एक नई रिपोर्ट में खुलासा हुआ है कि दुनिया में कम से कम दो करोड़ 90 लाख महिलाएं आधुनिक दासता की शिकार हैं। यह जबरन श्रम, जबरदस्ती विवाह, बंधुआ मजदूरी और घरेलू दासता आदि के रूप में मौजूद है। 'वॉक फ्री एंटी स्लेवरी ऑर्गनाइजेशन% की सह संस्थापक ग्रेस फ्रोरेस ने शुक्रवार को कहा कि इसका मतलब है कि 130 महिलाओं और लड़कियों में से एक आधुनिक दासता की शिकार है और संख्या ऑस्ट्रेलिया की कुल आबादी से अधिक है। उन्होंने संयुक्त राष्ट्र के एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि हकीकत यह है कि जितने लोग दासता में आज के वक्त में जी रहे हैं उतने मानव इतिहास में कभी नहीं रहे। फ्रोरेस ने कहा कि वॉक फ्री आधुनिक दासता की व्याख्या कि एक व्यक्ति की स्वतंत्रता को चरणबद्ध तरीके से समाप्त करना, जहां एक व्यक्ति दूसरे व्यक्ति का व्यक्तिगत अथवा आर्थिक लाभ के लिए शोषण करता हो'' के तौर पर करता है। उन्होंने कहा कि वॉक फ्री, अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन और आव्रजन पर अंतर्राष्ट्रीय संगठन द्वारा किए गए कार्यों से यह निष्कर्ष निकला है कि 130 महिलाओं और लड़कियों में से एक आधुनिक दासता की शिकार है। ''स्टैग्ड ऑड्स'' रिपोर्ट में कहा गया है कि यौन उत्पीड़न के सभी पीड़ितों में 99 प्रतिशत महिलाएं हैं, जबरदस्ती विवाह के सभी पीड़ितों में 84 प्रतिशत और जबरदस्ती श्रम के सभी पीड़ितों में 58 प्रतिशत महिलाएं हैं।'' उन्होंने कहा कि वॉक फ्री और संयुक्त राष्ट्र का 'एवरी वीमेन एवरी चाइल्ड' कार्यक्रम'' आधुनिक दासता को समाप्त करने के लिए एक वैश्विक अभियान शुरू कर रहा है।

पाकिस्तान के सिंध प्रांत में हिंदू मंदिर में तोड़फोड़

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के दक्षिण-पूर्वी सिंध प्रांत में एक व्यक्ति ने हिंदू मंदिर में तोड़फोड़ की। 'द एक्सप्रेस ट्रिब्यून' ने खबर दी है कि शनिवार को हुई इस घटना के सिलसिले में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस के मुताबिक, शिकायतकर्ता अशोक कुमार ने आरोप लगाया कि बादिन जिले में अस्थायी मंदिर में रखी मूर्तियों को संदिग्ध मुहम्मद इस्माइल ने तोड़ दिया और भाग गया। बादिन पुलिस के एक प्रवक्ता ने कहा कि संदिग्ध को शिकायत मिलने के कुछ घंटे के अंदर ही गिरफ्तार कर लिया गया। अधिकारी ने कहा, ''इस बात की अभी तक पुष्टि नहीं हुई है कि वह (इस्माइल) मानसिक रूप से स्वस्थ है अथवा नहीं और उसने जानबूझकर मूर्तियां तोड़ीं।'' इस बीच, बादिन के पुलिस अधीक्षक शब्बीर सेथार ने 24 घंटे के अंदर जांच रिपोर्ट मांगी है। पाकिस्तान में हिंदू सबसे बड़ा अल्पसंख्यक समुदाय है।

किम जोंग ने कोरोना को लेकर किया चौंकाने वाला दावा, चीन ने हां में हां मिलाई

प्योंगयांग।

उत्तर कोरिया की सत्तारूढ़ पार्टी **WPK** के 75वें स्थापना दिवस के दौरान सनकी किंग किम जोंग उन ने अजीबो-गरीब दावा कर दुनिया को चौंका दिया है। किम जोंग ने दावा किया कि उनके देश में कोरोना वायरस का एक भी केस नही है। सैन्य परेड को संबोधन के दौरान उन्होंने कहा कि 'वो जनता का शुक्रिया अदा करते हैं कि उनके देश में कोई भी कोरोना वायरस से संक्रमित नहीं है। ' किम जोंग ने कहा कि दुनिया के दूसरे मुल्कों को भी इस कर्तव्य और हमारी सरकार द्वारा इस घातक वायरस से लड़ी गई लड़ाई को मानना चाहिए। मैं शुक्रगुजार हूं कि नॉर्थ कोरिया में कोई भी व्यक्ति कोरोना वायरस की चपेट में नहीं आया। उन्होंने कहा कि मैं इस आयोजन और यहां उपस्थित लोगों के बेहतर स्वास्थ्य को देखर खुश हूं। किम जोंग ने कहा कि हमारी पार्टी के लिए यहां के लोगों के बेहतर स्वास्थ्य से ज्यादा महत्वपूर्ण कुछ भी नहीं है। मुझे धन्यवाद के अलावा कोई शब्द नहीं सूझ रहा। **WPK** के 75वें स्थापना दिवस पर किम को चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग की ओर से बधाई संदेश भी मिला। जिनपिंग ने परेड भाषण के दौरान बताया कि वर्कर्स पार्टी (**WPK**) के विश्वसनीय नेतृत्व और उनकी उपलब्धियों पर चीन आज 'बहुत प्रसन्न' है। चीनी राष्ट्रपति ने किम जोंग को भेजे बधाई संदेश में लिखा है, 'हम कोरियाई साथियों के साथ मिलकर चीन-कोरिया संबंधों को और मजबूत व विकास करने का इरादा रखते हैं। खुशी और क्षेत्रीय शांति, स्थिरता, विकास और समृद्धि को साकार करने के लिए सक्रिय योगदान देंगे।

रोमानिया ने चीन के साथ तोड़ा परमाणु समझौता, अमेरिका से मिलाया हाथ

इंटरनेशनल डेस्क:

चीन की आक्रामक नीतियों को लेकर ड्रेगन की पूरी दुनिया में किरकिरी हो रही रही है। भारत के साथ लद्दाख सीमा विवाद को लेकर उलझे चीन को कई देशों से मुंह की खानी पड़ी है। हांगकांग, ताइवान, थाइलैंड, मलेशिया की बगावत के बाद अब यूरोपीय देश रोमानिया ने चीन को बड़ा झटका दिया है। रोमानिया ने चीन के साथ हुई डील को कैंसल करते हुए अमेरिका के साथ परमाणु समझौता कर लिया है। इतना ही नहीं, रोमानियाई सरकार ने यह भी कहा कि चीनी कम्युनिस्ट पार्टी के अधीन काम करने वाली प्रत्येक चीनी कंपनी पूरी दुनिया के लिए एक संभावित खतरा है। रोमानिया के अर्थव्यवस्था मंत्रालय ने 9 अक्टूबर को अमेरिका के साथ सहयोग और वित्तपोषण समझौतों पर सहमति व्यक्त की। इस समझौते के अंतर्गत डेन्यूब नदी के किनारे संयंत्र में दो परमाणु रिएक्टरों के निर्माण और इसकी मौजूदा इकाइयों में से एक का नवीनीकरण शामिल है। 2020 के शुरुआत में ही रोमानियाई सरकार ने चीन के साथ इस समझौते को रद्द कर दिया था। अमेरिकी ऊर्जा विभाग ने अपने बयान में कहा कि सचिव डैन ब्रोइलेट और रोमानिया के अर्थव्यवस्था और ऊर्जा मंत्री वीरगिल पोपस्कु ने सिविल न्यूक्लियर पॉवर प्रोग्राम के मसौदे को अंतिम रूप दिया है। यह मसौदा गवर्मेंट टू गवर्मेंट डील के अंतर्गत हुआ है। यह कदम राज्य के स्वामित्व वाली ऊर्जा कंपनी **Nucle-arelectrica** के खत्म होने के बाद आया है। इस कंपनी ने ही चाइना जनरल न्यूक्लियर पावर ग्रुप (**CGN**) के साथ 5 साल का समझौता किया था। इसके जरिए चीनी कंपनी रोमानिया के सर्नवोडा के परमाणु संयंत्र में 700-मेगावाट के दो नए रिएक्टरों का निर्माण करने वाली थी।

अमेरिका के साथ समझौते पर हस्ताक्षर करने वाले कार्यक्रम में रोमानिया के एड्रियन जुकरमन ने कहा कि चीनी कंपनियां पूरी दुनिया के लिए खतरा हैं। **CGN,** हुआवेई और अन्य कम्युनिस्ट चीनी कंपनियों की तरह इसकी भ्रष्ट व्यावसायिक प्रथाओं के लिए प्रेरित किया गया है। अमेरिका और रोमानिया के संयुक्त बयान में कहा गया है कि अमेरिका दो नए परमाणु रिएक्टरों का निर्माण करने के लिए एक बहुराष्ट्रीय टीम के लिए विशेषज्ञता और प्रौद्योगिकी प्रदान करेगा। इसके अलावा वह सर्नवोडा परमाणु ऊर्जा संयंत्र में एक मौजूदा रिएक्टर को फिर से शुरू करेगा। 8 बिलियन डॉलर की इस परियोजना का नेतृत्व अमेरिकी निर्माण और इंजीनियरिंग फर्म **AECOM** करेगी। जबकि इसमें रोमानियाई, कनाडाई और फ्रांसीसी कंपनियों की सहायता भी ली जाएगी।

कोरोना संकट: WHO को नहीं मिला नोबेल शांति पुरस्- कार, भड़का चीनी मीडिया बोला-'बेकार है यह अवार्ड.. बंद कर दो'

बीजिंग:

कोरोना वायरस संकट के बीच चीन और विश्े व स्वास्थ्य संगठन (**WHO**) की भूमिका पर पूरी दुनिया में सवाल उठते रहे हैं। ड्रैगन के इशारे पर काम करने के आरोपों से घिरे **WHO** को नोबेल शांति पुरस्कार न दिए जाने पर चीनी मीडिया तिलमिला उठा है। चीन के सरकारी मुखपत्र ग्लोबल टाइम्स के एडिटर हू शिजिन ने तो यहां तक कह दिया कि नोबेल शांति पुरस्कार बेकार हो गया है और उसे बंद कर देना चाहिए। शिजिन ने लिखा, 'नोबेल कमिटी के अंदर इतना साहस नहीं है कि वह विश्व स्वास्थ्य संगठन को पुरस्कार दे क्योंकि यह अमेरिका को नाराज करेगा। नोबेल पुरस्कार को बहुत पहले ही रद्द कर देना चाहिए था। यह केवल पश्चिमी और अमेरिका के बड़े लोगों की दलाली करने के अलावा कुछ नहीं करता है और कई बार बनावटी संतुलन बनाने का प्रयास करता है।' इससे पहले शुक्रवार को घोषणा की गई कि वर्ष 2020 के शांति नोबेल पुरस्कार से विश्व खाद्य कार्यक्रम को सम्मानित किया जाएगा। वैश्विक स्तर पर भूख से लड़ने और खाद्य सुरक्षा के प्रयासों के लिए संयुक्त राष्ट्र के कार्यक्रम को शुक्रवार को यह सम्मान देने की घोषणा की गई। नोबेल शांति पुरस्कार की घोषणा ओस्लो में नोबेल समिति के अध्यक्ष बेरिट रेइस एंडरसन ने की। नॉर्वे की नोबेल कमिटी ने **WFP** को भूख से लड़ने की कोशिशों, युद्धग्रस्त क्षेत्रों में शांति के लिए हालात बेहतर करने और जंग और विवाद की स्थिति में भूख को हथियार के तौर पर इस्तेमाल किए जाने से रोकने में अहम भूमिका निभाने के लिए शांति का नोबेल पुरस्कार देने का फैसला किया है।

अल्जीरिया में गैस रिसाव से विस्फोट में 5 लोगों की मौत, 16 घायल

इंटरनेशनल डेस्क: अल्जीरिया के उत्तर-पश्चिम क्षेत्र में शनिवार को हुए एक जोरदार गैस विस्फोट में कम से कम 5 लोगों की मौत हो गई और 16 अन्य लोग घायल हो गए। स्थानीय संवाद समिति ने गृह मंत्रालय के हवाले से रविवार को कहा कि यह विस्फोट अल बयाध शहर से 550 किलोमीटर दूर अल्जीयर्स शहर में शनिवार दोपहर को हुआ। उसने बताया कि यह हादसा गैस के रिसाव के कारण हुआ जिसमे पांच लोगों की मौत और 16 लोग घायल हो गए। राष्ट्रपति अब्देलमदजीद तेब्बौने ने इस घटने में मारे गए लोगों पीड़तिों के परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की और घायलों के इलाज के लिए सभी आवश्यक उपाय करने के निर्देश दिए।

व्हाइट हाउस पहुंचने के बाद पहली बार समर्थकों के लिए बाहर आए ट्रंप, सोमवार को करेंगे चुनावी रैली

इंटरनेशनल डेस्क: महामारी कोरोना वायरस से संक्रमित अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप व्हाइट हाउस पहुंचने के कुछ दिन बाद शनिवार को पहली बार सार्वजनिक रूप से दिखाई दिए। ट्रंप कोरोना के उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती थे और व्हाइट हाउस लौटने के बाद उन्होंने हाउस की ट्रूमैन बालकनी से अपने हजारों समर्थकों को संबोधित करते हुए कहा कि मैं बहुत अच्छा महसूस कर रहा हूं। ट्रंप ने कोरोना से संक्रमित होने के बावजूद लगातार 18 मिनटों तक अपने समथकों को संबोधित किया। उन्होंने इस दौरान विपक्षी डेमोक्रेट्स पर हमला करते हुए कानून एवं व्यवस्था पर जोर दिया। व्हाइट हाउस के प्रवक्ता ने ट्रंप के आयोजन को लेकर कहा कि यह एक 'आधिकारिक कार्यक्रम% था न कि कोई चुनावी अभियान। इसके अलावा ट्रंप कोरोना वायरस से संक्रमित होने के बाद सोमवार को फ्लोरिडा में पहली चुनावी रैली को सम्बोधित करेंगे। ट्रंप चुनाव अभियान ने बयान जारी कर यह जानकारी दी। ट्रंप अभियान ने कहा कि ट्रंप फ्लोरिडा के सैनफोड में सोमवार को आयोजित होने वाले 'अमेरिका को फिर से महान बनाओ% कार्यक्रम को संबोधित करेंगे।

पाक आर्मी चीफ ने कबूला- इमरान को पीएम बनाने के लिए सेना ने कराई थी चुनाव में धांधली

इस्लमाबाद:

पाकिस्तान में इमरान खान सरकार की कुर्सी पर खतरे में नजर आ रही है। दरअसल पाक का पूरा विपक्ष इमरान सरकार और सेना की ज्यादातियों के खिलाफ एकजुट हो गया है। इमरान खान को सत्ता में लाने के लिए 2018 के चुनाव में हुए फर्जीवाड़े पर पाकिस्तान की दोनों प्रमुख विपक्षी दल पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (**PPP**) और पाकिस्तान मुस्लिम लीग नवाज (**PML-N**) ने पाकिस्तानी सेना के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। विपक्ष के आरोपों पर पलटवार करते हुए पाकिस्तानी सेना प्रमुख जनरल कमर जावेद बाजवा ने कहा है कि सेना की सभी कार्रवाई संविधान से निर्देशित और राष्ट्र हित में थीं। बाजवा ने शनिवार को कहा कि सेना की सभी कार्रवाई संविधान से निर्देशित और राष्ट्र हित में थीं। पाकिस्तान सैन्य अकादमी (**PMA**) काकुल में जवानों की पासिंग आउट परेड को संबोधित करते हुए जनरल बाजवा ने कहा कि सेना सरकार का समर्थन जारी रखेगी और हमारे लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा करेगी। पाकिस्तान के अस्तित्व में आने के 70 सालों में से आधे समय से ज्यादा वहां शक्तिशाली सेना का शासन रहा है और सुरक्षा और विदेश नीति से जुड़े मामलों में उसे काफी अहमियत हासिल है। बाजवा के इस बयान को एक तरह से कबूलनामा माना जा रहा है कि इमरान खान को **PM** बनाने के लिए सेना ने चुनाव में धांधली कराई थी। पाकिस्तान के इतिहास में ऐसा पहली बार हो रहा है कि वहां के दो प्रमुख विपक्षी दल खुलकर सेना के खिलाफ बोल रहे हैं। इससे पहले राजनीतिक नेता परोक्ष रूप से सैन्य प्रतिष्ठान के देश के राजनीतिक मामलों में दखल की ओर इशारा करते थे। पाकिस्तानी सेना पर पहला हमला पाकिस्तान मुस्लिम लीग नवाज के प्रमुख और पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ ने किया था। नवाज शरीफ ने सेना पर प्रधानमंत्री इमरान खान को सत्ता में लाने के लिए वर्ष 2018 के आम चुनाव में धांधली करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि वर्दी पहन कर राजनीति में हस्तक्षेप देश के संविधान के तहत देशद्रोह के बराबर है। उनके आरोपों से तिलमिलाए इमरान खान ने कहा कि वे सेना और आईएसआई का अपमान कर बहुत खतरनाक खेल खेल रहे हैं। उन्होंने चुनाव में धांधली के आरोपों को आधारहरीन करार देते हुए खारिज कर दिया था। उल्लेखनीय है कि शरीफ तीन बार पाकिस्तान के प्रधानमंत्री बने और हर बार कार्यकाल पूरा नहीं कर सके। अब पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी अध्यक्ष बिलावल भुट्टो जरदारी ने भी शुक्रवार को सेना पर वर्ष 2018 के चुनाव में धांधली करने का आरोप लगाया। बिलावल ने चेतावनी दी कि आगामी गिलगित-बल्तिस्तान के असेंबली चुनाव में किसी तरह के हस्तक्षेप करने पर उनकी पार्टी इस्लामाबाद का घेराव और धरना सहित कड़ी प्रतिक्रिया देगी। बिलावल ने कहा कि इस तरह की चीजें जनरल जिया और जनरल मुशर्रफ की तानाशाही के दौरान भी नहीं देखी गई। मुझे आश्चर्य हो रहा है कि कैसे मतदान केंद्र के भीतर एक सैनिक और बाहर दूसरा तैनात कर सकते हैं।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

गीता में कहा गया है कि शुक्ल पक्ष में मरने वाला वापस लौट कर नहीं आता?

चारों वोदों का सार उपनिषद है और उपनिषदों का सार गीता है। गीता ही प्रमुख धर्मग्रंथ है। गीता में कहा गया है कि शुक्ल पक्ष में मृत्यु को प्राप्त व्यक्ति वापस नहीं लौटता और कृष्ण पक्ष में मृत्यु को प्राप्त व्यक्ति वापस लौट आता है अर्थात उसे फिर से जन्म लेना होता है। उल्लेखनीय है कि भीष्म ने अपना शरीर तब तक नहीं छोड़ा था जब तक की उत्तरायण का शुक्ल पक्ष नहीं आ गया था। लाखों लोग हैं जो शुक्ल पक्ष में मरते हैं और लाखों ऐसे लोग भी हैं जो कृष्ण पक्ष में मरते हैं तो क्या शुक्ल पक्ष में मरने वाले सभी लोगों को मोक्ष मिल जाता है? क्या वह वापस धरती पर नहीं लौटते हैं? दरअसल, गीता में यह बात उन लोगों के लिए कही गई है जो कि ध्यानी, योगी या अनन्य भक्त हैं। आम व्यक्ति को मरने के कुछ ही समय बाद दूसरा जन्म ले लेता है लेकिन जो पाप कर्मी है उसे दूसरा जन्म लेने में कठिनाई होती है। मतलब यह कि वह भूत, प्रेत या पिशाच योगी भोगने के बाद ही जन्म लेगा। यह भी हो सकता है कि वह मनुष्य योनी को छोड़कर निचले स्तर की योनी में चला जाए। मतलब यह कि उसका डिमोशन हो जाए। कृष्ण का शुक्ल और कृष्ण मार्ग का ज्ञान-

यत्र काले त्वनावत्तिमावृत्तिं चैव योगिन:।
प्रयाता यान्ति तं कालं वक्ष्यामि भरतर्षभ।

भावार्थ : हे अर्जुन! जिस काल में (यहाँ काल शब्द से मार्ग समझना चाहिए, क्योंकि आगे के श्लोकों में भगवान ने इसका नाम 'सृति', 'गति' ऐसा कहा है।) शरीर त्याग कर गए हुए योगीजन तो वापस न लौटने वाली गति को और जिस काल में गए हुए वापस लौटने वाली गति को ही प्राप्त होते हैं, उस काल को अर्थात दोनों मार्गों को कहूँगा।

अग्निर्ज्योतिरह: शुक्ल: षण्मासा उत्तरायणम।
तत्र प्रयाता गच्छन्ति ब्रह्म ब्रह्मविदो जना:।

भावार्थ : जिस मार्ग में ज्योतिर्मय अग्नि-अभिमानी देवता हैं, दिन का अभिमानी देवता है, शुक्ल पक्ष का अभिमानी देवता है और उत्तरायण के छ: महीनों का अभिमानी देवता है, उस मार्ग में मरकर गए हुए ब्रह्मवेत्ता योगीजन उपयुक्त देवताओं द्वारा क्रम से ले जाए जाकर ब्रह्म को प्राप्त होते हैं।

धूमो रात्रिस्तथा कृष्ण षण्मासा दक्षिणायनम।
तत्र चान्द्रमसं ज्योतिर्योगी प्राप्य निवर्तते।

भावार्थ : जिस मार्ग में धूमाभिमानी देवता है, रात्रि अभिमानी देवता है तथा कृष्ण पक्ष का अभिमानी देवता है और दक्षिणायन के छ: महीनों का अभिमानी देवता है, उस मार्ग में मरकर गया हुआ सकाम कर्म करने वाला योगी उपयुक्त देवताओं द्वारा क्रम से ले गया हुआ चंद्रमा की ज्योत को प्राप्त होकर स्वर्ग में अपने शुभ कर्मों का फल भोगकर वापस आता है।

शुक्ल कृष्णे गती ह्येते जगत: शाश्वते मते।
एकया यात्यनावृत्ति मन्ययावर्तते पुन:।

भावार्थ : क्योंकि जगत के ये दो प्रकार के- शुक्ल और कृष्ण अर्थात देवयान और पितृयान मार्ग सनातन माने गए हैं। इनमें एक द्वारा गया हुआ (अर्थात इसी अध्याय के श्लोक 24 के अनुसार अर्चिमार्ग से गया हुआ योगी।)- जिससे वापस नहीं लौटना पड़ता, उस परमगति को प्राप्त होता है और दूसरे के द्वारा गया हुआ (अर्थात इसी अध्याय के श्लोक 25 के अनुसार धूममार्ग से गया हुआ सकाम कर्मयोगी।) फिर वापस आता है अर्थात जन्म-मृत्यु को प्राप्त होता है।

क्या है कृष्ण और शुक्ल पक्ष?

हिन्दू माह में तीस दिन होते हैं। तीस दिनों को चंद्र के घट-बढ़ के अनुसार 15-15 तिथियों में बांटा गया है। चंद्र जब बढ़ने लगता है तो उस काल को शुक्ल पक्ष और जब घटने लगता है तो उस काल को कृष्ण पक्ष कहते हैं। शुक्ल पक्ष की अंतिम तिथि पूर्णिमा और कृष्ण पक्ष की अंतिम तिथि अमावस्या होती है। शुक्ल पक्ष को देवताओं का दिन और कृष्ण पक्ष को पितरों का दिन कहते हैं। इसी तरह उत्तरायण को देवताओं का काल और दक्षिणायन को पितरों का काल कहते हैं।

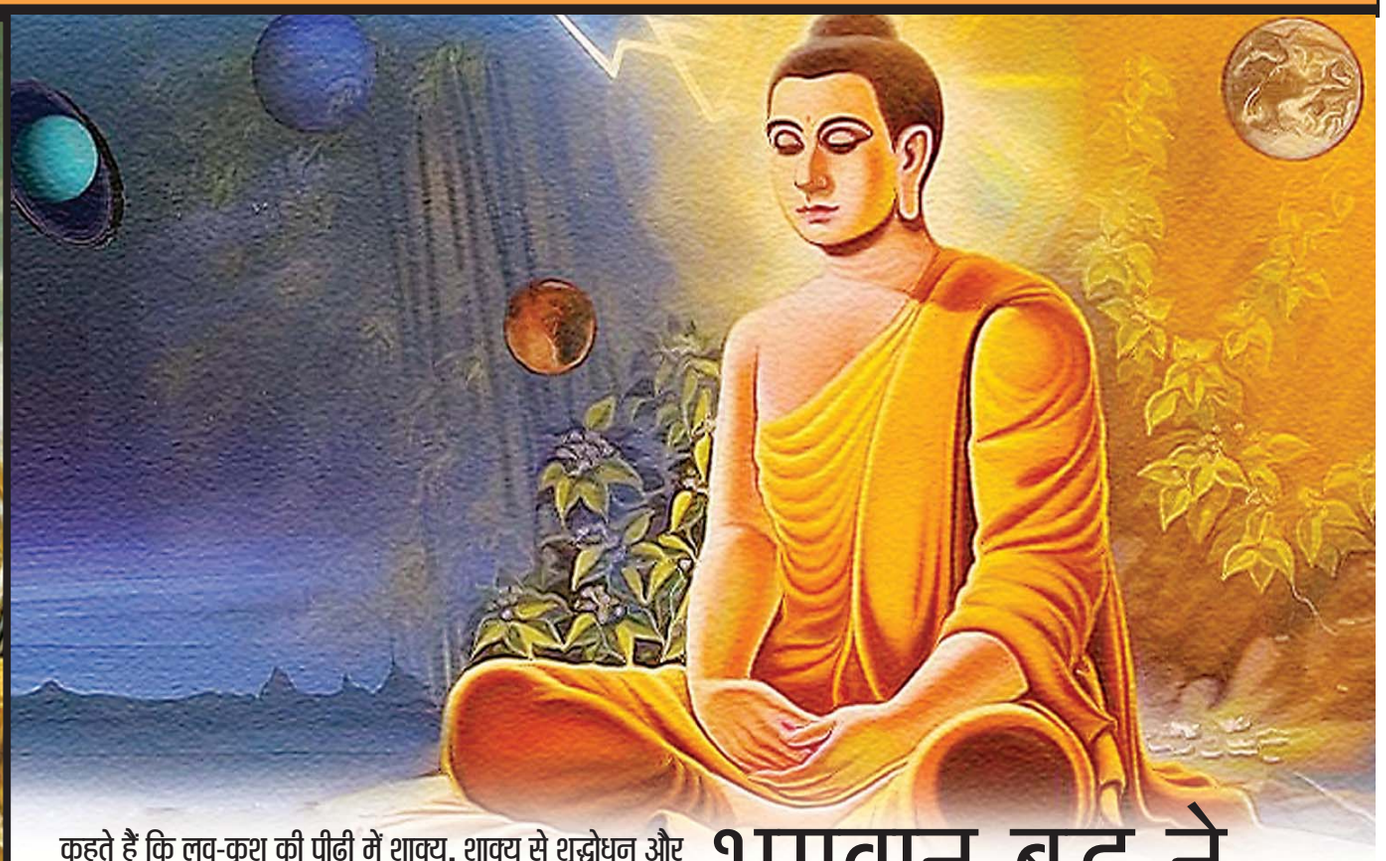

भगवान बुद्ध ने नहीं दिए थे इन प्रश्नों के उत्तर?

कहते हैं कि लव-कुश की पीढ़ी में शाक्य, शाक्य से शुद्धोधन और शुद्धोधन से सिद्धार्थ का जन्म हुआ। यह सिद्धार्थ ही आगे चलकर गौतम बुद्ध ने नाम से प्रसिद्ध हुए। गौतम बुद्ध के दर्शन में अनीश्वरवाद, अनात्मवाद और क्षणिकवाद को महत्व दिया जाता है। उनका मानना था कि संबुद्ध होना ही सत्य है। इसके लिए ही उन्होंने आष्टांगिक मार्ग बताएं हैं।

गौतम बुद्ध से उनके जीवन में लाखों प्रश्न पूछे गए लेकिन उनमें से 14 प्रश्नों के उन्होंने जवाब नहीं दिए। जब भगवान बुद्ध से जीव, जगत आदि के विषय में चौदह दार्शनिक प्रश्न किए जाते थे तो वे सदा मौन रह जाते थे। ये प्रसिद्ध चौदह प्रश्न निम्नांकित हैं-

1-4 क्या लोक शाश्वत है? अथवा नहीं? अथवा दोनों? अथवा दोनों नहीं?
5-8 क्या जगत नाशवान है? अथवा नहीं? अथवा दोनों? अथवा दोनों नहीं?
9-11. तथागत देह त्याग के बाद भी विद्यमान रहते हैं? अथवा नहीं? अथवा दोनों? अथवा दोनों नहीं?
11-14 क्या जीव और शरीर एक हैं? अथवा भिन्न?
14 अव्याकृत प्रश्न : बौद्ध धर्म में इन प्रश्नों को अव्याकृत कहा गया है। अव्याकृत का अर्थ है जो व्याकरण-सम्मत नहीं है।

क्यों उत्तर नहीं दिया

उक्त प्रश्न पर बुद्ध मौन रह गए। इसका तात्पर्य यह नहीं कि वे इनका उत्तर नहीं जानते थे। उनका मौन केवल यही सूचित करता है कि यह व्याकरण-सम्मत नहीं थे। इनसे जीवन का किसी भी प्रकार से भला नहीं होता। उक्त प्रश्नों के पक्ष या विपक्ष में दोनों के ही प्रमाण या तर्क जुटाए जा सकते हैं। इन्हें किसी भी तरह से सत्य या असत्य सिद्ध किया जा सकता है। यह पारमार्थिक दृष्टि से व्यर्थ है।

जानिए हिन्दू देवता पूषन देव को

पूषन एक वैदिक देवता है। पूषन वह देवता हैं जो विवाह के संचालन में मदद करते, सुरक्षित यात्रा प्रदान करते और उन दिलों में वास करते हैं जो पशुओं को भोजन खिलाते हैं। वह हमारे कर्मों के अनुसार वे फल देते हैं। वह आत्माओं को दूसरे संसार की यात्रा करने के लिए पथप्रदर्शन करते हैं। वह लोगों की मृत्यु के समय के दौरान अपनी सुंदर उपस्थिति दिखाकर उनके भय को दूर करते हैं। वह तीर्थ यात्रियों को चोरों और जानवरों से बचाते हैं और लोगों को दुश्मनों, दुर्घटनाओं और अप्राकृतिक मृत्यु से बचाकर लोगों को दिव्य पथ पर ले जाते हैं। वह देने वाले देवता भी हैं जो हमरे जीवन में धन, स्वास्थ और समृद्धि देते हैं। जब हम एक स्थान से दूसरे स्थान की यात्रा करते हैं, तो वह हमारे सामान की सुरक्षा भी करते हैं। वह हमारे दिमाग में बुरे विचारों को दूर करते हैं, काला जादू को दूर करते हैं और कई खतरनाक बीमारियों को ठीक करते हैं।

वह मुख्य रूप से सभी प्रकार की प्राकृतिक आपदाओं से लोगों को राहत देते हैं जो चक्रवात, बाढ़, भारी बारिश और सुनामी के कारण होती हैं। वह शांतिपूर्ण जीवन जीने के लिए, हमारे लिए सभी कार्य करते हैं। वह हमेशा उन भक्तों की देखभाल करते हैं जो किसी भी रूप में ईश्वर की पूजा करते हैं और चाहें दूसरे धर्म के लोग भी हो, लेकिन वे लोगों से केवल यही अपेक्षा रखते हैं कि वे भगवान की सच्ची भक्ति करें। यदि हमारे अंदर ईश्वर के लिए शुद्ध भक्ति है, तो वह हमारे पूर्व कर्मों के आधार पर हमरे जीवन में अच्छे काम करेंगे। वह हमारे बुरे कर्मों को कुछ हद तक कम करने और हमारे जीवन में अच्छे परिणाम देने की शक्ति भी रखते हैं लेकिन वह किसी व्यक्ति के पूरे भाग्य को नहीं बदल सकते हैं। उनका उल्लेख ऋग्वेद और प्राचीन पुराणों और धार्मिक ग्रंथों में भी मिलता है। वह यज्ञ में भाग भी लेते हैं। वह यज्ञ कर्ता और लोगों को आशीर्वाद देते हैं। वह विभिन्न बीमारियों जैसे खांसी, सर्दी, दमा, हृदय की समस्याओं और कई अन्य लंबे समय से चली आ रही बीमारियों से तेजी से राहत दिलाएंगे। वह लोगों को मानसिक विकार, मन में भ्रम, ऊर्जा की कमी, सुस्ती, आलस्य और मानसिक अस्थिरता से भी छुटकारा दिलाते हैं। विभिन्न होम का आयोजन करते समय उनका नाम कई बार दोहराया जाता है। उन्हें इंद्र, वरुण, अग्नि, वायु, सूर्य और चंद्र जैसे वैदिक देवताओं के समकक्ष माना जाता है। उसके पास अलौकिक शक्तियां हैं और आपकी पुकार सुनकर किसी भी क्षण किसी भी स्थान पर पहुंच जाएंगे। हम उसके नाम का बार-बार जाप कर सकते हैं, ताकि वह जीवन के हर पड़ाव में हमारे साथ हों। पुराणों में पूषन को 12 आदित्यों में से एक के रूप में वर्णित किया गया है और वे अदिति एवं कश्यप के पुत्र हैं। उनके भाई सूर्य, वरुण और इंद्र हैं। वह हमारे लिए एक अंगरक्षक के रूप में कार्य करते हैं और हमारे दैनिक जीवन में हमारी सभी इच्छाओं को पूरा करते हैं। यद्यपि वह अन्य देवताओं के समान नहीं जाने जाते हैं। वह वैदिक देवताओं में भी एक है और पृथ्वी पर लोगों की मदद करते हैं। वह भगवान इंद्र द्वारा दिए गए निर्देशों के अनुसार अपने कर्तव्यों को करते हैं और उसके लिए एक सहायक मित्र के रूप में भी कार्य करते हैं। वह अपने कर्तव्यों का सही ढंग से निर्वहन करने के लिए वायु, वरुण, सूर्य और चंद्र जैसे अन्य देवताओं के साथ भी परस्पर बातचीत करते हैं। वह कई ऋषियों द्वारा पूजे जाते हैं, और वे ऋषि उनसे आशीर्वाद लेते हैं। वह ऋषियों को उनकी तपस्या को सही तरीके से करने में मदद करते हैं और तपस्या करते समय उनके कारण हुई भूल को दूर करते हैं। सामान्य तौर पर, हम कह सकते हैं कि वह पूरी दुनिया के लिए मित्रवत हैं। आइए हम उनकी महिमा का गुणगान करें और धन्य हों।

श्रीकृष्ण का यह मंदिर मात्र 2 मिनट के लिए बंद होता है

केरल के कोट्टायम जिले में तिरुवेरपु या थिरुवरप्पु में भगवान श्रीकृष्ण का एक प्रसिद्ध और चमत्कारिक मंदिर है जिसे तिरुवरप्पु श्रीकृष्ण मंदिर कहते हैं। इस मंदिर के संबंध में कई तरह की किंवदंतियां जुड़ी हुई हैं। एक यह है कि जब भगवान श्रीकृष्ण ने कंस को मारा था तो उनको बहुत भूख लगने लगी थी। कहते हैं कि यहां की श्रीकृष्ण की मूर्ति को भूख बर्दाश्त नहीं होती है। 1,500 साल पुराने इस मंदिर की दूसरी खासियत यह है कि यह मंदिर 24 घंटे में से मात्र 2 मिनट के लिए ही बंद होता है और वह समय है- सुबह 1158 बजे से 1200 बजे तक। मंदिर 2 मिनट से ज्यादा बंद नहीं रख सकते। इसके लिए पुजारी को एक कुल्हाड़ी दी जाती है, क्योंकि मंदिर खोलते वक्त यदि देर हो तो वह कुल्हाड़ी से ताला तोड़ दे। दरवाजा खोलने के लिए चाबी दी जाती है, लेकिन यदि चाबी कहीं फंस जाए तो तुरंत कुल्हाड़ी का उपयोग करें।

इसके पीछे मान्यता है कि यहां भगवान कृष्ण हमेशा भूखे रहते हैं और वे जरा भी देर के लिए भूख बर्दाश्त नहीं कर पाते हैं। इसीलिए यदि चाबी के साथ दरवाजा खोलने में कोई देरी होती है, तो पुजारी को कुल्हाड़ी से दरवाजा खोलने की अनुमति दी जाती है। यहां कम से कम 10 बार नैवेद्यम चढ़ाया जाता है। अभिषेकम समाप्त होने के बाद स्वामी (श्रीकृष्ण) का सिर पहले सूख जाता है। तब नैवेद्यम चढ़ाया जाता है और फिर केवल उसका शरीर सूख जाता है। कहते हैं कि भगवान श्रीकृष्ण के सोने का समय 1158 बजे से दोपहर 1200 बजे तक ही है। केवल 2 मिनट! भक्तों के लिए यह मंदिर सुबह के लगभग 2 बजे खुलता है।

यह मंदिर ग्रहण के समय भी बंद नहीं होता है। शंकराचार्य के समय एक बार इस मंदिर को ग्रहण के समय बंद कर दिया गया था। बाद में जब दरवाजा खोला गया तो उन्होंने पाया कि स्वामी की कमर की पट्टी नीचे खिसक गई है। उस समय आए आदिशंकराचार्य ने बताया कि ऐसा इसलिए हुआ, क्योंकि भगवान श्रीकृष्ण बहुत भूखे थे, तब से यह मंदिर ग्रहण काल के दौरान भी बंद नहीं किया जाता है। कहते हैं कि जो भी यहां का थोड़ा भी प्रसाद ग्रहण कर लेते हैं, उसे ऐसा लगता है कि पेट भर गया। यहां से प्रसादम का सेवन किए बिना किसी भी भक्त को जाने की अनुमति नहीं है। हर दिन 1157 बजे (मंदिर को बंद करने से पहले) पुजारी जोर से पुकारता है कि क्या कोई भी यहां है जिसने प्रसाद नहीं लिया हो?

ऐसा भी कहा जाता है कि जो भी व्यक्ति एक बार यहां का प्रसाद ग्रहण कर लेता है, वह फिर जीवन में कभी भी भूखे नहीं रहता है। मतलब यह कि उसके जीवन में भोजन प्राप्त करने में कोई समस्या नहीं होती है। यहां अप्रैल के महीने में 10 दिनों तक वार्षिक उत्सव मनाया जाता है। त्योहार का मुख्य आकर्षण यह है कि यहां युवा कुंआरी लड़कियां समारोहों के दौरान दीप जलाती हैं। इस मंदिर के बारे में एक कथा यह भी प्रचलित है कि महाभारत काल में जब पांडव जंगल में रहते थे तो श्रीकृष्ण ने उन्हें 4 हाथ वाली अपनी प्रतिमा दी थी। जब पांडव जंगल से जाने लगे तो चेरथलाई लोगों ने यह मूर्ति उनसे ले ली। कुछ काल तक वे इसकी पूजा करते रहे लेकिन बाद में उन्होंने कुछ कारणों से इसे समुद्र में फेंक दिया। लंबे समय के बाद यह मूर्ति केरल के एक महान ऋषि को मिली, जब वे नाव से यात्रा कर रहे थे। कहते हैं कि जब उनकी नाव डूब रही थी, तब इस मूर्ति को लेकर कोई दिव्य पुरुष प्रकट हुआ और उसने यह मूर्ति उन्हें दी थी। इस मूर्ति को लाकर उन ऋषि ने उसे यहां स्थापित कर दिया। इस संबंध में और भी कहानियां प्रचलित हैं।

मार्गशीर्ष माह में पूजें शंख को जानिए पूजन सामग्री की सूची विधि एवं मंत्र

धर्म शास्त्रों के अनुसार सुख-सौभाग्य में वृद्धि के लिए शंख को अपने घर में स्थापित करना चाहिए। माना जाता है कि अगहन (मार्गशीर्ष) के महीने में शंख पूजन का विशेष महत्व है। अगहन के महीने में किसी भी शंख को भगवान श्रीकृष्ण का पंचजन्य शंख मान कर उसका पूजन-अर्चन करने से मनुष्य की समस्त इच्छाएं पूरी होती हैं। विष्णु पुराण के अनुसार समुद्र मंथन के दौरान प्राप्त हुए 14 रत्नों में से ये एक रत्न है शंख। प्रतिदिन घर में शंख पूजन करने से जीवन में कभी भी रुपए-पैसे, धन की कमी महसूस नहीं होती। इसके अलावा दक्षिणावर्ती शंख को लक्ष्मी स्वरूप कहा जाता है। इसके बिना लक्ष्मी जी की आराधना पूरी नहीं मानी जाती है। अगहन मास में खास तौर पर लक्ष्मी पूजन करते समय दक्षिणावर्ती शंख की पूजा अवश्य करनी चाहिए।

शंख पूजन सामग्री की सूची

*शंख *कुंमकुंम *चावल *जल का पात्र *कच्चा दूध
*एक स्वच्छ कपड़ा *एक तांबा या चांदी का पात्र (शंख रखने के लिए)
*सफेद पुष्प *इत्र *कपूर *केसर *अगरबत्ती
*दीया लगाने के लिए शुद्ध घी *भोग के लिए नैवेद्य *चांदी का वर्क आदि।

कैसे करें पूजन

- प्रात: काल में स्नान कर स्वच्छ धुले हुए वस्त्र धारण करें।
- पटिए पर एक पात्र में शंख रखें।
- अब उसे कच्चे दूध और जल से स्नान कराएं।
- अब स्वच्छ कपड़े से उसे पोंछें और उस पर चांदी का वर्क लगाएं।
- तत्पश्चात घी का दीया और अगरबत्ती जला लीजिए।
- अब शंख पर दूध-केसर के मिश्रित घोल से श्री एकाक्षरी मंत्र लिखें तथा उसे चांदी अथवा तांबा के पात्र में स्थापित कर दें।
- अब उपरोक्त शंख पूजन के मंत्र का जप करते हुए कुंमकुंम, चावल तथा इत्र अर्पित करके सफेद पुष्प चढ़ाएं।
- नैवेद्य का भोग लगाकर पूजन संपन्न करें।
- अगहन मास में निम्न मंत्र से शंख पूजा करनी चाहिए -

त्वं पुरा सागरोत्पन्न विष्णुना विधृत: करे।
निर्मित: सर्वदेवैश्च पाञ्चजन्य नमोस्तु ते।
तव नादेन जीमूता वित्रसन्ति सुरासुरा:।
शशांकायुतदीप्ताभ पाञ्चजन्य नमोस्तुते।

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

मैनपुरीः बालिका जन्म उत्सव कार्यक्रम में डीएम ने केक काटकर मनाई खुशी

मैनपुरी(एजेंसी) अन्तर्राष्ट्रीय बालिका दिवस के उपलक्ष्य में जिला महिला चिकित्सालय में आयोजित बालिका जन्मोत्सव कार्यक्रम के अवसर पर जिलाधिकारी महेन्द्र बहादुर सिंह, मुख्य विकास अधिकारी ईशा प्रिया ने आज रात्रि में पैदा हुयी बेटियों की खुशी में केक काटकर उनका जन्मोत्सव मनाकर बधाई दी।

इस अवसर पर जिलाधिकारी ने कहा कि सरकार ने कन्या भ्रूण हत्या रोकने की दिशा में तेजी कार्य किया है,

महिलाओं, बेटियों को सम्मान मिले और वह आत्मनिर्भर हों इसके लिए महिलाओं को केन्द्र बिन्दु रख तमाम योजनाएं संचालित की हैं, बेटी बचाओ–बेटी पढ़ाओ अभियान के अन्तर्गत बेटियों की शिक्षा, सुरक्षा, स्वास्थ्य पर ध्यान दिया। उन्होने सभी का आव्हान करते हुये कहा कि बेटा–बेटी में कोई भेद, अन्तर न करें, यदि बेटियां होगी तो परिवार आगे बढेगा,

महिला के बिना समाज की कल्पना नहीं की जा सकती, घटता लिगांनुपात समाज के सामने गम्भीर समस्या है, हम सबको इसके प्रति सजग रहना होगा, बेटियों, महिलाओं को सशक्त बनाना होगा, वह शिक्षित होंगी तो समाज का सर्वागींण विकास होगा।

श्री सिंह ने कहा कि आज बालिका हर क्षेत्र में आगे बढ़ रही है, लेकिन आज भी वह अनेक कुरीतियों का शिकार हो रही है,

ये कुरीतियां उसके आगे बढ़ने में बाधाएँ उत्पन्न कर रही है, पढ़े–लिखे लोग, जागरूक समाज भी इस समस्या से अछूता नहीं है। समाज में तमाम घरों में बेटा–बेटी में भेद किया जाता है, इस भेद–भाव को मिटाने के मकसद से 'बालिका दिवस मनाया जा रहा है,

इस दिवस का मकसद महिलाओं को सामाजिक धारणाओं को समझने के साथ–साथ बालिकाओं को बहन, बेटी, पत्नी या माँ के दायरों से बाहर निकालने और उन्हें सामाजिक भागीदारी, लड़का–लड़की में भेद नहीं करने व समाज के लोगों को लिंग समानता के बारे में जागरूक करना है।

जिला कार्यक्रम अधिकारी अरविन्द कुमार ने बताया कि अन्तर्राष्ट्रीय बालिका दिवस के अवसर पर दि. 10–11 अक्टूबर की रात्रि को श्यामपुरा चितई निवासिनी रेखा देवी, पीजनपुर परहोर निवासिनी रूबी, ग्राम जरामई निवासिनी ऊषा देवी, ग्राम बिछिया निवासिनी ज्योति ने बेटियों को जन्म दिया वहीं दि. 10 अक्टूबर को मुढौली निवासिनी संध्या, राजीव गांधी नगर पूजा, नगला बघेला निवासिनी अनीता देवी ने बेटियों को 100 शैय्या जिला महिला अस्पताल में जन्म दिया,

इन सब बेटियों का आज केक काटकर जन्मोत्सव मनाया गया, नवजात बेटियों को जिलाधिकारी ने कंबल, वस्त्र, खिलौने, नकद उपहार भेंट किया,

बेटियों के उत्थान, उनके सर्वागींण विकास, कन्या भूरण हत्या रोकने के लिए विशेष हस्ताक्षर अभियान भी चलाया गया।

यूपी के हाथरस कांड की जांच सीबीआई करेगी, केंद्रीय कार्मिक विभाग ने नोटिफिकेशन जारी किया

अलीगढ़ (एजेंसी)। यूपी के हाथरस कांड की जांच अब सीबीआई करेगी। केंद्रीय कार्मिक विभाग (डीओपीटी) ने जांच को लेकर नोटिफिकेशन जारी कर दिया है। सीबीआई की गाजियाबाद ब्रांच ने अपने यहां हाथरस की घटना के संबंध में मामला दर्ज कर लिया है। सीबीआई ने चारों आरोपियों के खिलाफ हत्या और गैंगरेप की धाराओं में मुकदमा दर्ज किया है। लखनऊ स्थित जोनल कार्यालय की निगरानी में गाजियाबाद शाखा मामले की जांच करेगी। हाथरस की घटना के बाद विपक्ष के हमलों के बीच सीएम योगी ने डीजीपी हितेश चंद्र अवस्थी और अपर मुख्य सचिव गृह अवनीश कुमार अवस्थी को पीड़िता के परिवार से मिलने भेजा था। दोनों अफसरों की रिपोर्ट के आधार पर सीएम ने सीबीआई जांच करवाने की सिफारिश भेजने के निर्देश दिए थे। विपक्षी नेताओं ने सवाल उठाकर पूछा कि सीबीआई जांच की सिफारिश नहीं भेजी गई। अब नोटिफिकेशन जारी कर दिया गया है। 19 साल की दलित लड़की के साथ 14 सितंबर को कथित तौर पर गैंगरेप और मारपीट हुई थी। हालांकि, यूपी पुलिस का कहना है कि मेडिकल रिपोर्ट में रेप की पुष्टि नहीं हुई है। शुरू में पीड़िता का अलीगढ़ में इलाज हुआ लेकिन हालत में सुधार नहीं होने पर दिल्ली के सफदरजंग अस्पताल में शिफ्ट किया गया। वहां इलाज के दौरान 29 सितंबर को पीड़िता ने दम तोड़ दिया।

पॉक्सो एक्ट से जुड़े मामलों के निपटारे के लिए अदालतों को दें आदेश

लखनऊ(एजेंसी)। हाथरस कांड के बाद से महिला अपराधों को लेकर विपक्ष की निशाने पर आई योगी सरकार ने अब इलाहाबाद हाईकोर्ट से अनुरोध किया है कि वे सभी जिला अदालतों को रेप व पॉक्सो एक्ट से संबंधित मामलों का निपटारा प्राथमिकता के आधार पर करने के लिए निर्देश जारी करे। सरकार के विधि विभाग की तरफ से यह अनुरोध किया गया है।

उत्तरप्रदेश की योगी सरकार ने किया इलाहाबाद हाईकोर्ट से अनुरोध

प्रदेश के अलग–अलग जिलों में 20 हजार से ज्यादा रेप के मामले लंबित हैं। हालांकि कोरोना महामारी की वजह से लॉकडाउन के बावजूद प्रदेश में 1835 महिला अपराधों में वादों का निपटारा किया गया, जबकि 612 मामलों में अभियुक्तों को सजा भी हुई। गौरतलब है कि नेशनल क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो द्वारा जारी आंकड़ों के मुताबिक महिला अपराध के मामले में गुनाहगारों को सजा दिलवाने के मामले में उत्तर प्रदेश पहले स्थान पर है।

अमेरिका की यूनिवर्सिटी ऑफ इलिनोईस में सी.एम.एस. छात्रा का चयन

लखनऊ (एजेंसी)। सिटी मोन्टेसरी स्कूल, गोमती नगर (द्वितीय कैम्पस) की मेधावी छात्रा आयुषी सिंह ने उच्च शिक्षा हेतु अमेरिका की प्रतिष्ठित यूनिवर्सिटी ऑफ इलिनोईस में चयनित होकर विद्यालय का नाम गौरवान्वित किया है।

इस प्रतिभाशाली छात्रा ने अपनी रचनात्मक प्रतिभा एवं शैक्षणिक उत्कृष्टता के दम पर यह उपलब्धि अर्जित की है एवं अपनी सफलता का श्रेय अपने शिक्षकों व सी.एम.एस. के वातावरण को दिया है। सी.एम.एस. के मुख्य जन–सम्पर्क अधिकारी हरि ओम शर्मा ने बताया कि इस वर्ष अभी तक सी.एम.एस. के 89 छात्रों ने अमेरिका, इंग्लैण्ड, कैनडा, आस्ट्रेलिया, जापान, सिंगापुर, जर्मनी आदि विभिन्न देशों के ख्यातिप्राप्त विश्वविद्यालयों में चयनित होकर एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है, जिनमें से अधिकतर को स्कॉलरशिप प्राप्त हुई है। शर्मा ने आगे कहा कि सी.एम.एस. छात्रों के दृष्टिकोण व्यापक बनाने व उनकी प्रतिभा को प्रोत्साहित करने हेतु सदैव प्रयासरत है और इसी कड़ी में छात्रों को भारत में एवं विदेशों में उच्चशिक्षा प्राप्त करने का अवसर प्रदान कर रहा है।

सी.एम.एस. प्रदेश में एकमात्र एस.ए.टी. (सैट) एवं एडवान्स प्लेसमेन्ट (ए.पी.) टेस्ट सेन्टर है जो उत्तर प्रदेश एवं आसपास के अन्य राज्यों के छात्रों को विश्व के सर्वश्रेष्ठ विश्वविद्यालयों में स्कॉलरशिप के साथ उच्च शिक्षा प्राप्त करने में मदद कर रहा है।

इससे पहले, विदेश में उच्चशिक्षा प्राप्त करने के इच्छुक प्रदेश के छात्रों को सैट परीक्षा के लिए दिल्ली जाना पड़ता था।

बेटी पैदा होने पर ससुरालवालों ने बहू को रखने से किया इंकार

जौनपुर (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के जौनपुर में बेटी पैदा होने पर ससुराल वालों ने विवाहिता को साथ रखने से इंकार कर दिया। साथ ही उसे वापस आने पर जान से मारने की धमकी दी। इस मामले में पुलिस अधीक्षक के आदेश पर पति समेत छह लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया तथा प्राथमिकी की कॉपी मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट (सीजेएम) की अदालत में प्रस्तुत की। पुलिस ने बताया कि कोतवाली इलाके के तारापुर तकिया निवासी भोलेनाथ गुप्ता ने एसपी को प्रार्थना पत्र दिया कि तीन जुलाई 2017 को अपनी पुत्री का विवाह सुल्तानपुर निवासी अजय कुमार गुप्ता से किया था। ससुराल वाले तीन लाख रुपए मेडिकल की दुकान

को बढ़ाने के लिए मांगने लगे। वह ससुराल गई और प्रताड़ना सहती रही। इसी बीच वह गर्भवती हो गई, जिससे उसे ऑपरेशन से पुत्री पैदा हुई। इस पर ससुराल वालों ने कहा कि लड़की पैदा हुई अब हम लोग उसे अपने यहां नहीं रखेंगे। पीडिता के परिजनों ने कहा कि उन्होंने दामाद को 20 हजार रुपये देकर समझा–बुझाकर अपनी पुत्री को विदा किया। कुछ महीनों बाद दोबारा पुत्री गर्भवती हो गई। उसे पिछले 28 मार्च को पुत्री पैदा हुई। अब ससुराल वाले लड़की को रखने को तैयार नहीं हैं।

राजस्थान में पुजारी की हत्या पर अयोध्या के संतों में रोष, अनिश्चितकालीन अनशन पर बैठे महंत

अयोध्या(एजेंसी)। राजस्थान के करौली में पुजारी को जिंदा जलाए जाने से अयोध्या के साधु–संतों में खासा रोष है। इसी क्रम में हनुमानगढ़ी के महंत राजू दास ने रविवार को आमरण अनशन शुरू कर दिया है। वह अपने निवास में ही आमरण अनशन पर बैठ गए हैं और उन्होंने मांग की है कि दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई हो। मृतक पुजारी के परिजनों को 1 करोड़ रुपये की आर्थिक सहायता दी जाए। महंत ने इस मामले में केंद्र और राजस्थान सरकार से पीड़ित परिवार के लिए मुआवजे की मांग की। साथ ही मृतक पुजारी की बेटियां के लिए सरकारी नौकरी की भी मांग की। उन्होंने कहा कि साधु की हत्या पर न कोई पहुंचेगा और न कोई बोलेगा। लेकिन अगर किसी मुस्लमान की हत्या हो गई होती, तो पूरे देश में आग लग जाती। हनुमानगढ़ी के महंत राजू दास ने कहा कि करौली में पुजारी की हत्या कर दी गई। इस घटना पर टुकड़े–टुकड़े गैंग, सोनिया सेना, राहुल बाबा, जैन के बाबा और वैसे लोग जो उत्तर प्रदेश में आकर चिल्लाते थे, कहां चले गए। क्या साधु की हत्या हत्या नहीं है। ये पालघर पार्ट–2 है। इसका हम पुरजोर विरोध करते हैं।

संदिग्धावस्था में पेड़ से लटकता मिला बुर्जुग का शव

शाहजहांपुर(एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के जनपद शाहजहांपुर में अज्ञात कारणों के चलते संदिग्धावस्था में बुर्जुग लकडी ठेकी स्वामी का शव सड़क के किनारे बरगद के पेड़ से लटका मिला। मृतक के परिजन शव को नीचे उतार कर अपने घर ले गए और उस उसको खाके सुपुर्द कर दिया। पुलिस भी कुछ भी बताने से इंकार कर रही है,वही चर्चा है कि पुलिस ने बिना पोस्टमार्टम कराये शव को परिजनों को क्यों सौंप दिया।

थाना रौजा क्षेत्र के मोहल्ला आदर्श नगर कॉलोनी निवासी मोहम्मद वसी आईटीआई के पास सड़क के किनारे लकड़ी की ठगी चलाते हैं, जहां उनका साथ उनका छोटा पुत्र भी साथ देता है। बताया जाता है कि ठेकी स्वामी मोहम्मद वसी रात को ठेकी पर लेटा करते थे। रविवार की सुबह करीब पांच बजे उनका छोटा पुत्र ठेकी पर पहुंचा तो देखा कि उसके पिता ठेकी पर मौजूद नहीं थे। काफी देर तक उनकी तलाश की, लेकिन उनका कहीं पता नहीं चला। तो उनके पुत्र ने इस मामले की सूचना अपने परिजनों को दी। सूचना मिलते ही परिजन भी मौके पर पहुंच गए। काफी देर तक मोहम्मद वसी की तलाश करते रहे, लेकिन उनका कहीं पता नहीं चला। तभी एक राहगीर ने उन्हें सूचना दी कि ठेकी से कुछ दूर सड़क के किनारे लगे बरगद के पेड़ में एक बुजुर्ग की लाश लटक रही है। सूचना मिलते ही परिजन भी मौके पर पहुंचे तो वसी की लाश देखकर चौक गए। उन्होंने इस घटना की सूचना पुलिस को दी। सूचना मिलते ही पुलिस के दो जवान भी मौके पर पहुंच गए, लेकिन परिजनों ने उसका शव पेड़ से उतार लिया और शव लेकर घर चलेगे।

बताया जाता है कि मृतक का कुछ परिवारिक विवाद चल रहा था। जिसके कारण उसने आत्महत्या जैसा कदम उठाया होगा। फिलहाल इस संबंध में परिजन कुछ भी बताने से इंकार कर रहे हैं,वही चर्चा है कि पुलिस ने भी शव का बिना पोस्टमार्टम कराए उनके परिवार वालों को सौंप दिया। क्षेत्र के लोग इस मामले को संदिग्ध मान रहे हैं। फिलहाल इस मामले में रौजा पुलिस कुछ भी बताने से इंकार कर रही है।

अंतर्राष्ट्रीय बालिका दिवस पर चाइल्ड लाइन ने किया जागरुकता कार्यक्रम

बाराबंकी (एजेंसी)। रविवार को अन्तर्राष्ट्रीय बालिका दिवस पर चाइल्ड लाइन टीम उपकेंद्र बनी. कोडर द्वारा तहसील रामसनेहीघाट की ग्राम पंचायत में बच्चों के

साथ अन्तरर्राष्ट्रीय बालिका दिवस पर चाइल्ड लाइन टीम सदस्य अखिलेश कुमार ने बच्चों को बताया कि हर वर्ष 11 अक्टूबर को अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस मनाया जाता है। इस दिन पूरा विश्व एक साथ मिलकर समाज में बालिकाओं के साथ हो रहे भेदभाव और असमानता के विरुद्ध संघर्ष का संकल्प लेते हैं। यह दिन उन लोगों को भी जागरुक करने के लिए है जो कि लड़कियों को सामाजिक सीमाओं में बांधकर रखते हैं।

इस दिन को मनाने का उद्देश्य है लोगों को इन बातों के लिए जागरूक करना है कि लड़कियों को भी समाज में उतने ही अधिकार और इज्जत देनी चाहिए जितनी कि लड़कों को मिलती है। बालिकाओं के लिए यह बहुत जरूरी है कि वो सशक्त सुरक्षित और बेहतर माहौल प्राप्त कर आगे बढ़े इसें क्रम में टीम सदस्य वंदना ने बच्चों व किशोरी बालिकाओं को जागरूक करते हुए कहा कि अगर आप कहीं बाहर अकेली गई हुई है तो घर में अपने माता–पिता से बताकर जरूर जाएं, बच्चे को 1098 नंबर के बारे में जानकारी देते हुए

उन्नाव अपर पुलिस अधीक्षक महोदय के कुशल नेतृत्व में सम्पन हुई कार्यशाला

पुलिस महानिरीक्षक महोदया परिक्षेत्र लखनऊ के आदेशानुसार श्रीमान पुलिस अधीक्षक महोदय उन्नाव के निर्देशन में, श्रीमान अपर

पुलिस अधीक्षक महोदय उन्नाव के कुशल नेतृत्व में एक 'कार्यशाला' सम्पन्न हुई।पुलिस लाइन सभागार में आयोजित कार्यशाला के तहत जनपद में नियुक्त 'महिला पुलिस अधिकारियों को प्रभार एवं कर्तव्य निर्वहन संबन्धी विभिन्न मुद्दों' पर निर्देशित कर उनकी 'कार्यदक्षता की समीक्षा' की गई।

श्रीमान अपर पुलिस अधीक्षक महोदय द्वारा महिला निरीक्षकों/उ0नि0 को अग्रिम पंक्ति में रहते हुए अपने अधीनस्थों को 'नेतृत्व प्रदान करने हेतु प्रेरित' किया गया। संयुक्त निदेशक अभियोजन उन्नाव श्री सुरेंद्र कुमार यादव ने 'विवेचनाओं के विधिपूर्ण निस्तारण' की जानकारी दी।क्षेत्राधिकारी नगर श्री गौरव त्रिपाठी ने 'भूमि विवाद समाधान' की प्रक्रिया पर विचार रखे।

क्षेत्राधिकारी सफीपुर श्री कृपाशंकर द्वारा 'बीट प्रणाली' की कार्यवाहियों पर प्रकाश डाला गया।

निरीक्षकगण श्री अशोक पांडेय व श्री दिनेश चंद्र मिश्र द्वारा विभिन्न मुद्दों पर जानकारियाँ दी गईं।

जनपद की समस्त महिला अधिकारियों ने कार्यशाला में प्रतिभाग लिया।

सार–समाचार

बीमारी से परेशान युवक ने की आत्महत्या

कानपुर(घाटमपुर)भीतरगांव चौकी क्षेत्र के लालपुर गांव निवासी चौकीदार मोती धानुक का 45 वर्षीय पुत्र मनोहर धानुक जो कि कई वर्षों से बीमार रहता था शनिवार की सुबह घर से गायब हो गया था परिजनों ने रिश्तेदारों के यहां पर जानकारी किया था वही रविवार की शाम लगभग 5 बजे के लालपुर सिरोह तिराहे पर स्थित बम्बे के पुल के नीचे शव मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने परिजनों से पूछताछ करके पंचनामा करके पोस्टमार्टम को भेज दिया है मृतक की पत्नी बीते दस वर्षों पहले किसी युवक के साथ प्रेमप्रसंग के चलते चली गई थी तब से मृतक युवक शराब का लती भी हो गया था मृतक का एक 17 वर्षिय पुत्र संजू है जो कि चौकीदार मोती के साथ रहता है।भीतरगांव चौकी प्रभारी राजेश बाजपेयी ने बताया की शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है रिपोर्ट आने पर जाँच कर कार्यवाही की जाएगी।

अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस पर बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ कार्यक्रम का आयोजन हुआ

कानपुर नगर अन्तर्राष्ट्रीय बालिका दिवस के उपलब्ध में बी0एन0एस0डी0 शिक्षा निकेतन बेनाझाबर में महिला कल्याण विभाग द्वारा संचालित बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना के अंतर्गत कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

बलिया में दलित किशोरी ने पड़ोसी पर लगाया रेप का आरोप

बलिया(एजेंसी)। अब बलिया जिले के रेवती थाना क्षेत्र के एक गांव में 17 वर्षीय दलित किशोरी से कथित दुष्कर्म के मामले में पुलिस आरोपी की गिरफ्तारी का प्रयास कर रही है। रेवती थाना प्रभारी राजीव सिंह ने बताया कि किशोरी की मां ने थाने में शिकायत दर्ज कराई कि उनका एक पड़ोसी पिछले डेढ़ साल से 17 वर्षीया किशोरी का यौन उत्पीड़न कर रहा है। सिंह ने बताया कि पुलिस ने शिकायत के आधार पर 20 वर्षीय आरोपी के विरुद्ध नामजद मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस आरोपी की गिरफ्तारी के लिए प्रयास कर रही है। साथ ही किशोरी का मेडिकल कराने के लिए भेजा गया है।

मामला दर्ज कर पुलिस कर रही आरोपी की गिरफ्तारी का प्रयास

रेप के आरोपी को टिकट देने पर महिला कार्यकर्ता ने किया विरोध तो कांग्रेसियों ने कर दी पिटाई

देवरिया(एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के देवरिया जिले में टाउन हाल स्थित कांग्रेस पार्टी कार्यालय पर उस समय हंगामा मच गया, जब एक महिला कार्यकर्ता ने पार्टी के राष्ट्रीय सचिव व पूर्वांचल सह प्रभारी सचिन नायक के सामने ही उपचुनाव प्रत्याशी को रेप का आरोपी बताते हुए टिकट देने का विरोध किया। तैश में आई महिला कार्यकर्ता ने राष्ट्रीय सचिव के ऊपर गुलदस्ता फेंक दिया, जिसके बाद मौके पर मौजूद पुरुष कार्यकर्ताओं ने महिला तथा उसके साथ आई तीन महिलाओं को भी जमकर पीटा गया। वे भी पार्टी वर्कर थी।

मामला देवरिया उपचुनाव का, कांग्रेस पार्टी कार्यलय में हंगामा, तीन अन्य मिलाओं को भी मारापीटा

यूपी में 19 अक्टूबर से खुल जाएंगे स्कूल, बदल जाएगा पढ़ाई का तरीका

लखनऊ(एजेंसी)। कोरोना महामारी की वजह से करीब आठ माह बाद यूपी में स्कूल खुलने जा रहे हैं। 19 अक्टूबर से जब 9वीं से लेकर 12वीं तक के स्कूल खुलेंगे तो सब कुछ बदला–बदला सा रहेगा। अब जहां दो पालियों में स्कूलों को खोला जाएगा, वहीं कम अटेंडेंस का असर भी छात्रों के रिजल्ट पर नहीं पड़ेगा। अभिभावक यह तय कर सकेंगे कि वे अपने बच्चे को स्कूल भेजकर पढाएं या फिर ऑनलाइन। छात्र अब 6 फीट की दूरी पर बैठेंगे। पहले दिन 50 फ़ीसदी छात्र आएंगे। बाकी के 50 फ़ीसदी दूसरे दिन। छुट्टी के वक्त छात्रों को एक–एक कर छोड़ा जाएगा।

पचास फीसदी छात्रों के साथ दो पालियों में लगेंगे स्कूल, 6 फीट दूर बैठेंगे छात्र

उपमुख्यमंत्री और माध्यमिक शिक्षा मंत्री दिनेश शर्मा ने बताया कि पहले चरण में नौ से 12वीं कक्षाओं तक के स्कूल 19 अक्टूबर से खुलेंगे। विद्यालय दो पालियों में संचालित किये जाएंगे, पहली पाली में कक्षा नौ और दस तथा द्वितीय पाली में कक्षा–11 और 12 के विद्यार्थियों की पढ़ाई होगी। सुरक्षित दूरी का अनिवार्य रूप से पालन करते हुए छात्र–छात्राओं के स्वास्थ्य का ध्यान रखना होगा।

भारत को हिंदू राष्ट्र घोषित करने के लिए 12 अक्टूबर से आमरण अनशन

अयोध्या(एजेंसी)। तपस्वी छावनी के महंत परमहंस दास ने 12 अक्टूबर से भारत को हिंदू राष्ट्र घोषित करने के लिए आमरण अनशन की घोषणा की है। उनका कहना है कि वह 12 अक्टूबर की सुबह 5:00 बजे से आमरण अनशन करेंगे। साथ ही परमहंस दास ने बांग्लादेश और पाकिस्तान में रह रहे हिंदुओं को भारत लाने तथा भारत में रह रहे मुसलमान को पाकिस्तान और बांग्लादेश भेजने की मांग की है। पूर्व में भी महंत परमहंस दास ने राम जन्मभूमि के लिए कई दिनों तक आमरण अनशन किया था। महंत परमहंस दास ने कहा कि जब देश के विभाजन के समय अलग हुए पाकिस्तान और बांग्लादेश को इस्लामिक राष्ट्र घोषित कर दिया गया तो भारत को भी हिंदू राष्ट्र घोषित किया जाए। संत परमहंस दास ने कहा कि जहां पर भी मुस्लिम आबादी ज्यादा है वहां पर हिंदुओं का उत्पीड़न हो रहा है।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)